3 राजधानी
एक दशक में नवंबर रहा सबसे सर्द

6 अभिमत
नाजुक मोड़ पर बंगाल की राजनीति

11 विदेश
सेशेल्स से संबंध और मजबूत करेगा भारत

12 करियर
प्रगति को दें गति

RNI NO.DELHI/2012/48369
वर्ष 9 अंक 26
नई दिल्ली, सोमवार, 30 नवंबर, 2020
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

हार के लिए प्रभावहीन गेंदबाजी जिम्मेदारः कोहली

स्पोर्ट्स-10

www.dailypioneer.com

किसानों ने ठुकराई वार्ता की पेशकश, डटे रहेंगे सीमा पर

● कहा-केंद्र सरकार ने बातचीत के लिए शर्त रखी है, जो हमें मंजूर नहीं, बुराड़ी नहीं जाएंगे पांच तरफ से दिल्ली को घेरेंगे, हमारे मंच का राजनीतिक दल इस्तेमाल नहीं करेंगे

शेखर सिंह। नई दिल्ली

दिल्ली सीमा पर जमे किसान और बैरिकेडिंग लगाकर उनका रास्ता रोकती पुलिस

केंद्र के कृषि कानूनों के विरोध में रविवार को लगातार चौथे दिन किसानों का विरोध प्रदर्शन जारी रहा। दिल्ली के बुराड़ी में स्थित निरंकारी ग्राउंड में जाने के सरकार के प्रस्ताव को खारिज करने के बाद किसान टिकरी, सिंघू और गाजीपुर की सीमाओं पर जमे हुए हैं तथा सरकार से मांग कर रहे हैं बिना शर्त बातचीत की जाए। हरियाणा-दिल्ली टिकरी और सिंघू बॉर्डर पर भारी पुलिस बल तैनात हैं और बैरिकेड लगाकर रास्ते को बंद कर दिया गया है जिससे इन सीमाओं पर दोनों तरफ से वाहनों की आवाजाही बंद है। सिंघू बॉर्डर पर जमे किसानों ने कहा, 'हम बुराड़ी के निरंकारी ग्राउंड में नहीं जाएंगे। केंद्र सरकार का न्योता हमें स्वीकार नहीं क्योंकि यह इस शर्त के साथ है कि सीमाओं पर बैठे किसान बुराड़ी जाए। एक बार वे बुराड़ी पहुंच जाए अगले दिन सरकार उनसे बात करेगी। उन्होंने ग्राउंड को 'खुली जेल' करार दिया। आंदोलन में भाग ले रहे एक किसान नरेंद्र सिंह ने कहा 'बुराड़ी के निरंकारी ग्राउंड पहुंचे किसानों ने वहां भी नारेबाजी। सीमाओं पर बैठे अपने नेताओं के साथ हम लगातार संपर्क में हैं। हालांकि हम (शेष पेज 9)

किसानों का प्रदर्शन राजनीतिक नहीं: शाह

हैदराबाद। केंद्र के नये कृषि कानूनों के विरुद्ध हजारों किसानों के आंदोलन के बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि ये कानून किसानों के कल्याण के लिए हैं और उनका आंदोलन अराजनीतिक है। शाह ने संवाददाताओं से कहा, 'नये कृषि कानून किसानों के कल्याण के लिए हैं। लंबे समय बाद किसान एक बंधन वाली व्यवस्था से बाहर आ रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'जो भी राजनीतिक रूप से इनका विरोध करना चाहते हैं, करते रहें। मैंने कभी नहीं कहा कि किसानों का प्रदर्शन राजनीतिक है और ना कभी कहूंगा।' गृह मंत्री ने दिल्ली की सीमाओं पर एकत्रित हुए किसानों को उत्तर दिल्ली के बुराड़ी मैदान में प्रदर्शन के लिए जमा होने की अपील की है और कहा कि केंद्र सरकार उनके वहां पहुंचने के बाद उनसे बातचीत को तैयार है।

कृषि सुधार कानून से किसानों को अधिकार और मौके मिले: मोदी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● मन की बात में प्रधानमंत्री ने किसानों से भ्रम और अफवाहों से दूर रहने को कहा

केंद्र के नए कृषि कानूनों के विरोध में जारी किसानों के आंदोलन के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि इन कृषि सुधारों ने किसानों के लिए अवसरों के नए द्वार खोले हैं और उन्हें नए अधिकार दिए हैं। मोदी ने अपने मासिक मन की बात कार्यक्रम में कहा कि सितंबर में लागू होने के बाद से बहुत कम समय में इन कानूनों ने किसानों की परेशानियों को कम करना शुरू कर दिया है। उन्होंने महाराष्ट्र के एक किसान का उदाहरण दिया जिन्होंने एक कारोबारी द्वारा वादे के मुताबिक भुगतान नहीं किए जाने पर पैसा प्राप्त करने के लिए इन कानूनों के प्रावधानों का इस्तेमाल किया। प्रधानमंत्री ने कहा, भारत में खेती और उससे जुड़ी चीजों के साथ नए आयाम जुड़ रहे हैं। बीते दिनों हुए कृषि सुधारों ने किसानों के लिए नई संभावनाओं के द्वार भी खोले हैं।

उन्होंने कहा, किसानों की वर्षों से कुछ मांगें थीं और उन्हें पूरा करने के लिए हर राजनीतिक दल ने कभी न कभी वादा किया था, लेकिन वे कभी पूरी नहीं हुईं। प्रधानमंत्री ने कहा, संसद ने काफी विचार-विमर्श के बाद कृषि सुधारों को कानूनी स्वरूप दिया। इन सुधारों से न सिर्फ किसानों के अनेक बंधन समाप्त हुए हैं, बल्कि उन्हें नए अधिकार और अवसर भी मिले हैं। इन अधिकारों ने बहुत कम समय में किसानों की परेशानियों को कम करना शुरू कर दिया है। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि किसी भी क्षेत्र में लोगों के लिए सही जानकारी रखना और अफवाहों तथा किसी भी प्रकार के संशय से दूर रहना एक बड़ी ताकत होती है। उन्होंने खेती के क्षेत्र में अभिनव प्रयोग कर रहे कुछ किसानों के उदाहरण भी प्रस्तुत किए। प्रथम सिख गुरु नानक देव की जयंती से एक दिन पहले आकाशवाणी के इस कार्यक्रम का प्रसारण ऐसे समय में किया गया जब पंजाब का कृषक समुदाय आंदोलन कर रहा है। मोदी ने कहा, मुझे महसूस होता है कि, गुरु साहब की मुझ पर विशेष कृपा रही जो उन्होंने मुझे हमेशा अपने कार्यों में बहुत करीब से जोड़ा है। गुरु नानक देव की 550वीं जयंती से एक दिन पहले देशवासियों को गुरु पर्व की बधाई देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि अगले वर्ष गुरु तेग बहादुर जी का 400वाँ प्रकाश पर्व भी है। मोदी ने कहा, मैं, इस बात के लिए बहुत कृतज्ञ हूँ कि गुरु साहिब ने मुझसे निरंतर सेवा ली है। पिछले वर्ष नवंबर में ही करतारपुर साहब कॉरिडोर का खुलना बहुत ही ऐतिहासिक रहा। इस बात को मैं जीवनभर अपने हृदय में संजोकर रखूंगा। यह, हम सभी का सौभाग्य है कि, हमें श्री दरबार साहिब की सेवा करने का एक और अवसर मिला। उन्होंने कहा, दुनियाभर में सिख समुदाय ने गुरु नानक देव जी की प्रेरणा से शुरू की गई लंगर की परंपरा को कोरोना वायरस महामारी के समय में जारी रखकर मानवता की सेवा की है। मोदी ने कच्छ के एक गुरुद्वारे का भी जिक्र किया, जिसे बहुत विशेष माना जाता है। साल 2001 के भूकंप में क्षतिग्रस्त हुए इस गुरुद्वारे का पुनर्निर्माण गुजरात सरकार ने सिख समुदाय के सहयोग से किया था। उस दौरान मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे। उन्होंने कहा कि लखपत गुरुद्वारा के संरक्षण के प्रयासों को 2004 में यूनेस्को एशिया प्रशांत धरोहर पुरस्कार द्वारा सम्मानित (शेष पेज 9)

ट्रायल में कोरोना टीका लगवाने पर दुष्प्रभाव के आरोप की हो रही जांच

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

चेन्नई में कोविड-19 के टीके के ट्रायल में शामिल एक प्रतिभागी को प्रतिकूल प्रभाव होने के दावों के बाद भारत के औषधि महानियंत्रक (डीसीजीआई) और संस्थान की आचार समिति इस बात की पड़ताल कर रही है कि क्या इसका संबंध संबंधित व्यक्ति को दी गई टीके की खुराक से है। सीरम इंस्टीट्यूट ने टीके के ट्रायल में शामिल व्यक्ति के आरोपों को नकार दिया है और हर्जाने की धमकी दी है। पुणे स्थित सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) द्वारा किये जा रहे टीके के तीसरे चरण के परीक्षण में सहभागी चेन्नई के एक 40 वर्षीय कारोबारी ने टीके की डोज लेने के बाद कथित रूप से गंभीर न्यूरोलॉजी संबंधी और मनोवैज्ञानिक लक्षण उभरने का दावा करते हुए पांच करोड़ रुपये का मुआवजा मांगा है। उसे एक अक्टूबर को चेन्नई के श्री रामचंद्र इंस्टीट्यूट ऑफ हायर एजुकेशन एंड रिसर्च में यह खुराक दी गयी थी। व्यक्ति की ओर से एक लॉ फर्म ने भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के महानिदेशक, भारत के औषध महानियंत्रक, केंद्रीय औषध मानक नियंत्रण संगठन, एस्ट्राजेनेका यूके के सीईओ, ऑक्सफोर्ड यूनीवर्सिटी के टीके के परीक्षण के मुख्य अनुसंधानकर्ता प्रोफेसर एंड्रयू पोलार्ड तथा श्री रामचंद्र हायर एजुकेशन एंड रिसर्च के कुलपति को कानूनी नोटिस भेजा है। प्रतिभागी ने पांच करोड़ रुपये की क्षतिपूर्ति और साथ ही टीके के परीक्षण, उत्पादन और वितरण पर तत्काल रोक लगाने की मांग भी की है। आईसीएमआर के महामारी विज्ञान और संक्रामक रोग विभाग के प्रमुख डॉ. समिरन पांडा ने कहा कि संस्थान की आचार समिति और डीसीजीआई दोनों इस बात की जांच कर रहे हैं कि जिस उत्पाद पर अध्ययन चल रहा था, यानी कोरोना वायरस की रोकथाम वाले संभावित टीके और प्रतिकूल प्रभावों के बीच क्या कोई कड़ी है। एसआईआई ने ऑक्सफोर्ड के कोविड-19 के टीके के विकास के लिए ब्रिटिश-स्वीडिश कंपनी एस्ट्राजेनेका के साथ साझेदारी की है। इससे पहले फार्मा कंपनी एस्ट्राजेनेका ने अध्ययन में शामिल एक प्रतिभागी में 'अज्ञात बीमारी' का पता चलने के बाद अन्य देशों में क्लिनिकल ट्रायल पर रोक लगा दी थी और इसी के मद्देनजर डीसीजीआई ने 11 सितंबर को एसआईआई को भी ऑक्सफोर्ड के कोविड-19 रोधी टीके के दूसरे और तीसरे चरण के परीक्षण में किसी नये प्रतिभागी को अगले आदेश तक शामिल नहीं करने को कहा था। हालांकि एसआईआई को परीक्षण पुन: शुरू करने के लिए 15 सितंबर को मंजूरी दे दी गयी थी। सीरम इंस्टीट्यूट ने टीके के ट्रायल में शामिल व्यक्ति के (शेष पेज 9)

दिल्ली में लगातार दूसरे दिन पांच हजार से कम मामले

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में रविवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 4,906 नये मामले सामने आये जिसके बाद यहां संक्रमण दर 7.64 प्रतिशत है। राजधानी दिल्ली में संक्रमण के कारण 68 लोगों की और मौत हो गयी जिससे यहां मरने वाले लोगों की कुल संख्या 9,066 तक पहुंच गयी है। अधिकारियों ने यहां बताया कि यह लगातार दूसरा दिन है जब संक्रमण के मामले पांच हजार से कम और संक्रमण दर आठ फीसदी से कम है। उन्होंने बताया कि राजधानी में कोरोना वायरस संक्रमण के कारण 68 लोगों की मौत हुई जो छह नवंबर के बाद सबसे कम है। छह नवंबर को दिल्ली में 64 लोगों की मृत्यु कोविड—19 के कारण हुयी थी। उन्होंने बताया कि संक्रमण दर शनिवार को 7.24 फीसदी थी जो 23 अक्टूबर के बाद सबसे कम थी। शुक्रवार को यह आंकड़ा 8.51 प्रतिशत, बृहस्पतिवार (शेष पेज 9)

मध्य प्रदेश में इस साल अब तक 26 बाघों की मौत

●सरकार ने कहा मृत्यु दर के मुकाबले जन्म दर अधिक

पायनियर समाचार सेवा। भोपाल

राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण के अनुसार टाइगर स्टेट का दर्जा प्राप्त मध्यप्रदेश में वर्ष 2020 में अब तक 26 बाघों की मौत हो चुकी है। मध्यप्रदेश के वन मंत्री विजय शाह ने कहा कि पिछले छह वर्षों में राज्य में बाघों की औसत मृत्यु दर उनकी जन्म दर की तुलना में कम है। राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण की वेबसाइट के अनुसार मध्यप्रदेश में इस वर्ष अब तक कुल 26 बाघों की मौत हुई हैं, जिनमें से प्रदेश के बाघ अभयारण्यों में 21 बाघ मरे हैं, जबकि पांच बाघ अन्य जंगलों में मरे हैं। सबसे अधिक 10 बाघों की मौत बांधवगढ़ बाघ अभयारण्य में हुई है। वर्ष 2019 में राज्य में 28 बाघों की मौत हुई थी और तीन बाघों के शरीर के अंग शिकारियों के कब्जे से जब्त किए गए थे। आंकड़ों के अनुसार, देश में बाघों की संख्या में दूसरे स्थान पर रहने वाले कर्नाटक में इस साल अब तक आठ बाघों की मौत हुई है और दो बाघों के शरीर के अंगों की बरामदगी दर्ज की गई। वहीं, कर्नाटक ने पिछले साल 12 बाघों को खोया था। शाह ने कहा, मध्यप्रदेश में वर्तमान में 124 बाघ शावक हैं। राष्ट्रीय बाघ आंकलन रिपोर्ट 2018 के दौरान बाघ शावकों की गणना नहीं की गई थी। बाघों की अगली गणना में हमारे पास 600 से अधिक बाघ होंगे। उन्होंने कहा, हमारे पास बाघ ज्यादा हैं और उनके लिए जितनी जगह होनी चाहिए, उसके हिसाब से इलाका कम है। बांधवगढ़ बाघ अभयारण्य का उदाहरण ही लें तो इसमें 125 बाघ हैं, जबकि इसमें केवल 90 बाघों को ही रखा जा सकता है। शाह ने बांधवगढ़ बाघ अभयारण्य में बाघों की बड़ी संख्या में होने वाली मौतों के लिए उनके बीच अपने क्षेत्र एवं प्रभुत्व को लेकर हुई लड़ाई को जिम्मेदार ठहराया। गौरतलब है कि 31 जुलाई 2019 को जारी हुए राष्ट्रीय बाघ आंकलन रिपोर्ट 2018 के अनुसार 526 बाघों के साथ (शेष पेज 9)

इस बार सर्दी जमकर ढाएगी सितम

आईएमडी का अनुमान

● दिसंबर से फरवरी के बीच पड़ेगी कड़ाके की ठंड, उत्तर भारत में सामान्य से कम रहेगा तापमान

नई दिल्ली। इस साल देश में कड़ाके की सर्दी पड़ेगी। सीजन में पहले की अपेक्षा अधिक शीतलहर चल सकती हैं। मौसम विभाग का कहना है कि प्रशांत महासागर में ला नीना की स्थिति बनने के कारण खासकर सर्दी के तीन महीनों दिसंबर, जनवरी और फरवरी के दौरान उत्तर, मध्य और पूर्वी भारत में सामान्य से कम तापमान रहेगा। पूर्वानुमान के अनुसार, रातें और सुबह के वक्त उत्तर, उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत के साथ-साथ कुछ पूर्वी हिस्सों में न्यूनतम तापमान सामान्य से नीचे रहने की संभावना है। हालांकि देश के इन इलाकों में दिन का तापमान सामान्य से अधिक रहेगा। मौसम विभाग के अनुसार, श्रीनगर में रविवार को न्यूनतम तापमान शून्य से 1.4 डिग्री सेल्सियस कम दर्ज किया गया जबकि पहलगाम और गुलमर्ग में न्यूनतम तापमान क्रमश: शून्य से 2.3 और 3.2 डिग्री सेल्सियस कम रहा। मैदानी इलाकों में चूरू में न्यूनतम तापमान 4.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। विभाग का कहना हैं कि जहां उत्तर, उत्तर-पश्चिम, पूर्व, उत्तर-पूर्व भारत और मध्य तथा प्रायद्वीपीय हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना है वहीं, दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत के अधिकांश हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य से नीचे रह सकता है। ऐसी भी संभावना है कि इन स्थितियों के कारण दिन में अधिकतर आकाष साफ रहेगा और दिन-रात के तापमान में खासा (शेष पेज 9)

बाजार

सेंसेक्स	44,149	
निफ्टी	12,968	
सोना	48,142	/10g
चांदी	59,250	/kg

क्विक न्यूज

छत्तीसगढ़ में नक्सली हमला, अधिकारी शहीद नौ कमांडो घायल

रायपुर। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित सुकमा जिले में शनिवार रात को बारूदी सुरंग में हुए विस्फोट में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के एक सहायक कमांडेंट शहीद हो गए तथा नौ अन्य कमांडो घायल हो गए। सुरक्षा अधिकारियों ने रविवार को बताया कि सुकमा जिले के चिंतलनार थाना क्षेत्र के अंतर्गत ताड़मेटला गांव के पास जंगल में नक्सलियों ने शनिवार को रात करीब नौ बजे बारूदी सुरंग में विस्फोट कर दिया। मध्यरात्रि में वायुसेना के एमआई-17 वी5 हेलिकॉप्टर ने घायल जवानों को वहां से निकाला। अधिकारियों ने बताया कि इस घटना में घायल सीआरपीएफ की 206 वीं कोबरा बटालियन के (शेष पेज 9)

स्वर्ग सरीखा होगा आज काशी के घाटों का दृश्य

आज ही वाराणसी पहुंचेंगे प्रधानमंत्री, राजघाट पर दीप प्रज्वलन कर करेंगे कार्यक्रम का शुभारंभ

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

वाराणसी में रविवार को गंगा किनारे जगमग करता केदारघाट तो दूसरी ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वागत में लगा विशाल होर्डिंग — पायनियर

भगवान शिव की नगरी काशी यूं ही तीनों लोकों में न्यारी है। इस बार देव दीपावली (30 नवंबर) को इसी के अनुरूप काशी के लोग इसे सजाने में लगे हैं। अपने सांसद और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वागत में उतावले काशी के लोगों का पूरा प्रयास है कि इस बार काशी को कुछ इस तरह सजाएं मानों धरती पर स्वर्ग उतर आया हो। मालूम हो कि यह पहली देव दीपावली है, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राज्यपाल आनंदी बेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भाग ले रहे हैं। ऐसे में इस आयोजन को दिव्य और भव्य बनाने में काशी के लोग कोई कोर कसर नहीं छोड़ना चाहते। वाराणसी का सांसद होने के नाते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी काशी का खासा खयाल रखते हैं। अवसर कोई भी हो वह काशी और यहां के लोगों को जरूर याद करते हैं। यही नहीं उन्होंने काशी को बहुत कुछ दिया है। उनके प्रयास से गंगा अविरल और निर्मल हो चुकी है। गंगा में डाल्फिन का मिलना इसका सबूत है। घाट पहले से सुंदर और स्वच्छ हो चुके हैं। विकास कार्यों की तो कोई गिनती ही नहीं है। अपनी हर काशी यात्रा के साथ इस बार भी वह काशी को कुछ बड़ी सौगातें देंगे। ऐसे में काशी के लोग प्रधानमंत्री के अभूतपूर्व स्वागत के लिए उतावले हैं। सब कुछ होगा पर कोविड के पूरे प्रोटोकॉल के साथ।

काशी के सभी 84 घाट हर देव दीपावली पर दीयों की रौशनी से जगमग होते हैं। उस समय अर्द्धचंद्राकार गंगा से इन घाटों का नजारा अद्भुत होता है। लगता है मानों गंगा ने दीपों का हार पहन रखा है। हर साल लाखों की संख्या में देश दुनिया से लोग इस भव्य नजारे को देखने आते हैं। पर इस बार की देव दीपावली अपने खास अतिथियों के कारण खास होगी। देव दीपावली को भव्य बनाने के लिए 15 लाख से अधिक दीप जलेंगे। पिछली बार यह संख्या 10 लाख के करीब थी। यहां एक बड़ा प्रकाश उत्सव आयोजित होगा। देव दीपावली के दिन 20-25 घाटों पर बड़े सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित होंगे।

गंगा पार रेती से लेकर मंदिर, मठ और कुंड, सरोवर भी दीपों से जगमग होंगे। सोलह घाटों के सामने उनसे जुड़ी कथा कहते हुए बालू से कलाकृतियां बनाई जा रही। जैन घाट के सामने भगवान जैन की आकृति एतुलसी घाट के सामने विश्वप्रसिद्ध नागनथैया का कालिया नाग की आकृति और ललिता घाट के सामने मां अन्नपूर्णा देवी की आकृति भी बनाई जा रही है। पंद्रह घाटों पर संस्कृति विभाग द्वारा 20 से अधिक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खजुरी में जनसभा करेंगे और राजातालाब से हंडिया तक बने (शेष पेज 9)

देव दीपावली का है बड़ा महत्व

देव दीपावली के दिन माना जाता है कि सभी देवता बनारस के घाटों पर आते हैं। कार्तिक पूर्णिमा के दिन भगवान शिव ने त्रिपुरासुर नाम के राक्षस का वध किया था। त्रिपुरासुर के वध के बाद सभी देवी देवताओं ने मिलकर खुशी मनाई थी। काशी में देव दीपावली का अद्भुत संयोग माना जाता है। इस दिन दीपदान करने का पुण्य फलदायी व विशेष महत्व वाला होता है। मान्यता है कि भगवान भोलेनाथ ने खुद धरती पर आकर तीन लोक से न्यारी काशी में देवताओं के साथ गंगा के घाट पर दिवाली मनाई थी। इसीलिए इस देव दीपावली का धार्मिक आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व भी है।

यूपी गेट पर किसानों ने तोड़ा बैरिकेडिंग, दिल्ली में घुसने का प्रयास

कृषि कानून के विरोध में दूसरे दिन भी किसानों के साथ बॉर्डर पर जमे रहे टिकैत, जय जवान-जय किसान के लगाए नारे

अशोक निर्वाण/विभू मिश्रा। गाजियाबाद

नए कृषि कानूनों के विरोध में चल रहे आंदोलन के चौथे दिन पश्चिमी उत्तर प्रदेश में किसान सड़कों पर रहे। भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत भारी संख्या में किसानों के साथ पिछले दो दिनों से यूपी गेट पर डेरा डाले हुए हैं। रविवार को कई बार उत्साही आंदोलनकारी किसानों ने बेरिकेडिंग तोड़कर दिल्ली पर प्रवेश करने का प्रयास किया लेकिन, पुलिस के सख्त पहरे के कारण वे कामयाब नहीं हो सके।

आपको बता दें कि आंदोलन के समर्थन में राकेश टिकैत हजारों किसानों के काफिले के साथ शनिवार को ही यूपी गेट पर पहुंचे गए थे। इसके बाद यूपी गेट पहुंचकर इन किसानों ने दिल्ली में प्रवेश करने की कोशिश की और एक बेरियर को तोड़कर करीब दो मीटर अंदर तक प्रवेश कर गए थे लेकिन, पुलिस ने उन्हें वहीं पर रोक दिया। इसके बाद टिकैत ने यूपी गेट पर ही डेरा डाल दिया।

रविवार सुबह होते ही यूपी गेट पर जय जवान-जय किसान के नारे की आवाज गूंजने लगी। यूपी गेट पर डटे किसान बैरिकेडिंग लांघकर दिल्ली जंतर-मंतर पर जाने के लिए अड़े हुए थे। हालांकि पुलिस का कहना है कि बुराड़ी के अलावा कहीं और किसानों को जाने की इजाजत नहीं है। लेकिन किसान दिनभर दिल्ली जाने की लगातार कोशिश करते रहे। हालांकि किसानों को रोकने के लिए दिल्ली पुलिस ने डबल बेरिकेड कर दिया और बॉर्डर पर रस्सी भी लगा दी। किसान ट्रैक्टर ट्रॉली के साथ दिल्ली जाना चाहते थे।

नए कृषि कानून के विरोध में यूपी गेट पर बैरिकेडिंग पर चढ़कर प्रदर्शन करते किसान और तैनात पुलिस बल।

कृषि बिल के विरोध में चार दिन से यूपी गेट के धरने पर बैठे किसान आंदोलन कर रहे हैं। हजारों की संख्या में पहुंचे किसानों ने शनिवार को भी बैरियर तोड़कर दिल्ली में घुसने का प्रयास किया था और रविवार को भी बैरियर तोड़कर दिल्ली में घुसने का प्रयास किया। लेकिन दिल्ली सीमा पर भारी संख्या में दिल्ली और गाजियाबाद की पुलिस मौके पर तैनात की गई है और सीआईएसएफ के जवानों ने बैरिकेटिंग को किसानों के द्वारा हटाने पर उनको रोकने का प्रयास किया। राजधानी दिल्ली में दाखिल होने की कोशिश के दौरान किसानों की कई जगह पुलिस से झड़प भी हुई।

बता दें कि पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के किसानों ने 3 केंद्रीय कृषि कानूनों के खिलाफ दिल्ली को तीन तरफ से घेर रखा है। दिल्ली में प्रवेश के लिए आमादा किसान किसी भी सूरत में मानने को तैयार नहीं हैं। किसानों का कहना था कि जंतर-मंतर पर वे ही धरना देंगे। समाचार लिखे जाने तक किसान यूपी गेट पर ही जमे रहे। साथ ही उत्तराखंड से भी किसान यूपी गेट पहुंचने शुरू हो गए हैं। जिससे किसानों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है।

नल ठीक करते वक्त बिजली के करंट से तीन दोस्त झुलसे

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

● **एक की मौत, दो युवकों की हालत गंभीर**

ग्रेटर नोएडा में जेवर क्षेत्र के गांव डुढेरा में दोस्त के बुलावे पर उसके घर हैडपंप ठीक कराने पहुंचे तीन दोस्त लोहे की सरिया निकालते वक्त मकान के उपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन की चपेट में आ गए। जिससे तीनों बुरी तरह झुलस गये। तीनों को गंभीर अवस्था में जेवर के निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने एक युवक को मृत घोषित कर दिया जबकि दो का उपचार जारी है।

गांव डुढेरा निवासी राहुल पुत्र गिर्राज 27 वर्ष का घरेलु हैंडपंप खराब हो गया था। जिसकी लोहे की सरिया को निकालने के लिये मदद के लिए अपने दोस्त विक्की और नारायण उर्फ दिनेश को अपने घर बुलाया। तीनों दोस्त मिलकर नल की सरिया को निकालने लगे तभी मकान के ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन से सरिया टच हो गया जिसकी चपेट में तीनों दोस्त आ आए

परिजनों की चीख-पुकार के बाद ग्रामीण तीनों दोस्त राहुल, विक्की व नारायण को जेवर के निजी अस्पताल लेकर गए जहां चिकित्सकों ने राहुल को मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर सुनते ही परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर अस्पताल पहुंची कोतवाली पुलिस ने शव को पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिये भेजा है। कोतवाली प्रभारी उमेश बहादुर सिंह का कहना है कि मृतक के पिता ने किसी के खिलाफ कोई तहरीर नहीं दी है।

प्रदर्शन के मद्देनजर पुलिस ने रुट किया डायवर्ट

गाजियाबाद। नए कृषि कानून के विरोध में चल रहे आंदोलन के मद्देनजर गाजियाबाद यातायात पुलिस ने यूपी गेट रेड लाइट पर आने वाले ट्रैफिक को डायवर्ट किया हुआ है।

सुरक्षा को लेकर यहां भारी पुलिस बल भी तैनात है। शहर आने वाले लोग जो वैशाली की तरफ से यहां आ रहे हैं, पुलिस उन्हें रेड लाइट से आनंद विहार की तरफ भेज रही है। वहीं गाजीपुर से आते समय सीधे दिल्ली मेरठ एक्सप्रेसवे से होकर जाना होगा। लोगों को नीचे के अंडरपास की तरफ नहीं भेजा जा रहा है।

इसी तरह इंदिरापुरम से आते समय सीधे दिल्ली मेरठ एक्सप्रेसवे का इस्तेमाल करना होगा। सड़क पर तैनात पुलिस बल भी तमाम जगहों पर लोगों को दिशा निर्देश दे रही है।

किसानों ने सुबह उठते ही जवानों को पिलाई चाय

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

यूपी गेट पर आंदोलनरत किसानों के साथ रात भर जवान भी मुस्तैदी के साथ अपनी ड्यूटी पर डटे रहे। सुबह किसानों ने यहां आपसी भाईचारे का परिचय दिया। किसानों ने सुबह चाय बनवाई और सभी जवानों को भी पिलाई।

किसान लगातार अपनी जिद पर अड़े हुए हैं। शनिवार शाम गाजियाबाद और दिल्ली के बॉर्डर पर पहुंचे किसान रात भर रोड पर ही डेरा जमाए बैठे रहे। यहीं बॉर्डर पर ही किसानों ने अपने लिए खाना बनाने की व्यवस्था की हुई थी। यूपी गेट पर एक तरफ रोड के किनारे बैठे किसानों ने साफ कर दिया था कि वे दिल्ली जाएंगे, तो सिर्फ जंतर-मंतर पर ही जाएंगे। सुबह का नाश्ता भी वो यही रोड पर बना रहे हैं। इसके अलावा सर्दी से बचने के लिए अलाव की व्यवस्था भी किसानों ने यहां रोड किनारे की हुई थी।

एक तरफ जहां ठंड के इस मौसम में रात भर किसान यूपी गेट पर मौजूद रहे। वहीं सुरक्षा में लगे जवानों के लिए भी किसानों का जज्बा देखने को मिला। क्योंकि रात भर जवान भी इसी ठंड में अपनी ड्यूटी करते रहे।

आंदोलन के समर्थन में रालोद ने भरी हुंकार

● **कंधे से कंधा मिलाकर साथ देगी पार्टी : टीटू**

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

नए कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों के आंदोलन में अब राष्ट्रीय लोकदल भी उठ खड़ा हुआ है। राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय प्रवक्ता सरदार इंद्रजीत सिंह टीटू ने रविवार को एक प्रेस कांफ्रेंस में एलान किया कि रालोद का एक-एक कार्यकर्ता किसानों के साथ है और आंदोलन में शामिल है।

कविनगर में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में इंद्रजीत ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार, किसानों की मेहनत की कमाई पूंजीपतियों के हाथ में देना चाहती है। जिसके विरोध में देशभर

प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए रालोद के राष्ट्रीय प्रवक्ता इंद्रजीत सिंह टीटू।

के किसान पिछले चार दिनों से सड़कों पर हैं। किसान इसको लेकर कितना गंभीर है इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि किसान अपने साथ खाना.दाना लेकर आया है। किसान सरकार से सिर्फ अपना हक मांग रहा है।

उन्होंने कहा कि किसान जाति और धर्म से ऊपर उठकर काम करता है। वह अपने लिए नहीं बल्कि पूरे समाज के लोगों के लिए अनाज पैदा करता है। आज देश के अन्नदाता किसान को ही सरकार पूंजीपतियों के दबाव में बर्बाद करने पर तुली हुई है।

उन्होंने कहा कि रालोद पूरी तरह से किसान आंदोलन के न केवल समर्थन में है बल्कि उसके साथ है।

बाइक बोट घोटाले में 16 लोग और नामजद

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

बाइक बोट कंपनी के निदेशकों के खिलाफ दो और मुकदमे दर्ज किए गए हैं। ये मामले मेरठ और हाथरस के निवेशकों की अर्जी पर गौतमबुद्धनगर जिला न्यायालय ने दर्ज करवाए हैं। इस महाघोटाले के मुख्य आरोपित संजय भाटी समेत 16 लोगों को नामजद किया गया है। पुलिस का कहना है कि एफआईआर दर्ज करके मामले की जांच शुरू कर दी है।

मेरठ में कंकरखेड़ा के निवासी विनोद कुमार ने जिला अदालत को बताया कि उन्होंने बाइक बोट का संचालन करने वाली गर्वित इनोवेटिव कंपनी में निवेश किया था। कम्पनी के संचालकों ने रकम को एक साल में दोगुना करने का झांसा दिया। उन्होंने बताया कि कंपनी ने उनके साथ कुल 31 लाख रुपए की धोखाधड़ी की है।

वहीं दूसरे मामले में हाथरस के रहने वाले दिवाकर सिंह ने करीब 11 लाख रुपये का निवेश किया था। इन लोगों ने रक्तदान शिविर के नाम पर खून, बाजार में बेचने का आरोप भी लगाया है। दादरी कोतवाली पुलिस ने बताया कि मुख्य आरोपित संजय भाटी, उनकी पत्नी दीप्ति बहल के अलावा 11 लोगों पर पर मुदकमा दर्ज किया गया है। ये सरे लोग घोटाला करने वाली कंपनी में निदेशक और दूसरे उच्च पदों पर काम कर रहे थे।

संक्षिप्त समाचार

स्कूल में छात्रों को मॉस्क बांटते शौर्य शक्ति फाउंडेशन के सदस्य।

कोरोना से बचाव के लिए छात्रों को बांटे मास्क

हापुड़। जनपद के सरकारी स्कूलों में कोरोना से बचाव के लिए शौर्य शक्ति फाउंडेशन की टीम ने मास्क का वितरण किया। टीम ने छात्र एवं छात्राओं को कोरोना से बचाव के लिए आवश्यक जानकारी भी दी। फाउंडेशन के संस्थापक सदस्य आशुतोष शर्मा ने बताया की हापुड़ जिले के सिंभावली ब्लॉक के आर एस के इंटर कॉलेज और हरिहर नाथ शास्त्री इंटर कॉलेज में सैकड़ों छात्र एवं छात्राओं को संगठन की तरफ से नि:शुल्क मास्क वितरित किए गए है। उन्होंने बताया कि संस्था का उद्देश्य गांव के प्रत्येक बच्चे को कोरोना से बचाव के लिए आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराना और जिन बच्चों के पास मास्क नहीं है उनको मास्क उपलब्ध कराना है। आर एस के इंटर कॉलेज के प्रिंसिपल ओमकार शर्मा ने बताया कि फाउंडेशन की टीम जिले में शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए लगातार काम कर रही है।

मैच शुरू होने से पहले ग्रुप फोटो खिंचाते खिलाड़ी।

बार एसोसिएशन ने तीन विकेट से जीता क्रिकेट मैच

हापुड़। आल राउंडर इलेवन और हापुड़ बार एसोसिएशन के बीच कांति प्रसाद स्पोर्ट्स स्टेडियम पर क्रिकेट मैच खेला गया। इस दौरान आल राउंडर इलेवन की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी की। आल राउंडर इलेवन ने वाशु के 57 रन व सार्थक शर्मा के 45 रन की मदद से निर्धारित 20 ओवर में 149 रन बनाए। हापुड़ बार एसोसिएशन की तरफ से खलने वाले प्रवेश कुमार ने दो, उमर कुरेशी, रजत, कमर सुल्तान, दिनेश सैनी, परवेज, रजत ने एक-एक विकेट गिराए। जीत हासिल करने उतरी हापुड़ बार एसोसिएशन टीम के अक्षय चौधरी ने 29 रन, दिनेश सैनी ने 28 रन व रजत ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी कर 40 रन बनाकर 18.2 ओवर में ही तीन विकेट से जीत हासिल की। इस शानदार प्रदर्शन के लिए रजत को रजत को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

नोएडा में कोरोना के 125 नए मामले आए

नोएडा। गौतम बुद्धनगर जिले में रविवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 125 नए मामले सामने आए जिससे यहां संक्रमण के मामले बढ़कर 22,592 हो गए। वहीं संक्रमण से एक व्यक्ति की मौत होने से मृतक संख्या 82 हो गई। जिला निगरानी अधिकारी डॉक्टर सुनील दोहरे ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कोविड-19 के 210 मरीज उपचार के बाद ठीक होकर 24 घंटे के अंदर अस्पताल से घर जा चुके हैं। वहीं।,193 मरीजों का यहां के विभिन्न अस्पतालों में उपचार चल रहा है। जिला निगरानी अधिकारी ने बताया कि अब तक 21,317 लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं।

ग्रामीणों ने चालक को मारपीट कर किया घायल

गाजियाबाद। गांव जलालाबाद में दुकान में डीसीएम ट्रक की टक्कर लगने पर ग्रामीणों ने चालक से मारपीट कर उसे घायल कर दिया । पीड़ित ने तीन लोगों को नामजद करते हुए अज्ञात के खिलाफ की शिकायत है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर आरोपितों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर लिया है।

जानकारी के अनुसार गांव कलछीना निवासी ननवा शनिवार शाम ट्रक लेकर जा रहा था। जैसे ही वह गांव जलालाबाद में पहुंचा तो ट्रक की टक्कर एक दुकान में लग गई। जिसमें एक शख्स घायल हो गया। इसी बात से ग्रामीण आक्रोशित हो गए।

जमीन के अभाव में लटका तीन दर्जन पंचायत घरों का निर्माण

पायनियर समचार सेवा। गाजियाबाद

जनपद की तीन दर्जन ग्राम पंचायतों में जमीन न मिलने के कारण पंचायत घर बनाने की योजना पर फिलहाल ब्रेक लग गया है। जमीन की तलाश में जिला पंचायत राजस्व दस्तावेजों में ग्राम पंचायत की जमीन के रिकॉर्ड को खंगाल रहा है।

इन ग्राम पंचायतों में बड़े पैमाने पर भूमाफियाओं ने जमीनो को कब्जा रखा है। पिछले एक माह से इन ग्राम पंचायतों में भवन निर्माण के लिए माथा पच्ची चल रही है। खास बात यह है कि इन ग्राम पंचायतों में भवन निर्माण के लिए विभाग के पास पहले से ही सुरक्षित फंड मौजूद है। जैसे ही जमीन चिन्हित कर ली जायेगी वैसे ही निर्माण कार्य शुरू हो जायेगा।

जिला पंचायत राज अधिकारी अनिल कुमार त्रिपाठी ने बताया कि देहात जनपद में 161 ग्राम पंचयायत हैं, इनमें से केवल तीन दर्जन ग्राम पंचायतों में भवन की सुविधा नहीं है। शासन ने सभी ग्राम पंचायतो में भवन निर्माण कराने के निर्देश दिये हैं।

तस्करी कर लाई जा रही अवैध शराब बरामद

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

● **गाड़ी छोड़कर ड्राइवर मौके से हुआ फरार**

मसूरी पुलिस और आबकारी विभाग की टीम ने ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेस-वे से 99 पेटी अवैध शराब पकड़ी है। ये शराब हरियाणा से तस्करी कर ले जा रही थी। इस दौरान गाड़ी को छोड़कर ड्राइवर फरार हो गया।

बता दें कि इससे पहले भी ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे से कई बार शराब तस्करों को पकड़ा जा चुका है। गाजियाबाद में ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेस-वे के रास्ते शराब की तस्करी के मामले रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं। मसूरी पुलिस और आबकारी विभाग की टीम ने एक बार फिर ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेसवे से 99 पेटी अवैध शराब पकड़ी है। शराब की कीमत करीब 7 लाख बताई जा रही है। अवैध शराब से भरी गाड़ी को छोड़कर ड्राइवर मौके से फरार हो गया।

पुलिस अब ये पता लगाने में जुटी है कि इस शराब को एनसीआर में कहां सप्लाई किया जाना था। शराब को गाड़ी में इस तरह से छुपा कर रखा गया था कि पहली नजर में देखने से पता नहीं चल सकता था कि शराब रखी हुई है। लेकिन चेकिंग के दौरान सब कुछ साफ हो गया।

उत्तर प्रदेश में कल यानि 1 दिसंबर को विधान परिषद के चुनाव हैं। उससे पहले 29 तारीख से ही कई जिलों में शराब के ठेकों को बंद रखने के आदेश दिए गए हैं। ऐसे में अवैध शराब के तस्कर और ज्यादा सक्रिय हो गए हैं।

निश्चित है उससे पहले ही एनसीआर में शराब की बड़ी खेप लाकर उसकी बिक्री की भी तैयारी थी। लेकिन पुलिस और आबकारी विभाग की सतर्कता की वजह से साजिश नाकाम हो गई।

बगैर मास्क बाहर घूम रहे लोगों पर कार्रवाई

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

● **972 लोगों से वसूला 97500 रुपए का जुर्माना**

● **मॉल और बाजारों में पुलिस कर रही जागरूक**

कोविड-19 के प्रोटोकॉल का उल्लंघन कर बिना मास्क के सार्वजनिक घूमने वाले 972 लोगों के खिलाफ जनपद गौतमबुद्धनगर पुलिस ने कार्रवाई की है। कोरोना वायरस संक्रमण को रोकने के लिए पुलिस भीड़भाड़ वाली जगहों पर गश्त कर रही है और लोगों को मास्क पहनने और सामाजिक दूरी के नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित कर रही है।

पुलिस आयुक्त आलोक सिंह के मीडिया प्रभारी पंकज कुमार ने बताया कि मास्क नहीं पहनकर चलने वाले 972 लोगों का पुलिस ने चालान किया है। इनसे 97500 रुपये का जुर्माना वसूला गया है। उन्होंने बताया कि कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के लिए गौतमबुद्धनगर पुलिस व्यापक स्तर पर गश्त कर रही है तथा भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों, सार्वजनिक स्थानों व मॉल आदि में जाकर लोगों को सामाजिक दूरी के नियमों का पालन करने को लेकर प्रेरित कर रही है। नोएडा के पुलिस कमिश्नर आलोक सिंह की अपील के बाद भी लोग मास्क नहीं लगा रहे हैं। बिना मास्क के सार्वजनिक स्थानों पर घूमने पर पुलिस अभी तक 8000 से ज्यादा लोगों पर कार्रवाई करके चालान काट चुकी है। अब भी लोग बिना मास्क के सार्वजनिक स्थानों पर घूमने से बाज नहीं आ रहे हैं।

कोरोना के लगातार बढ़ते मामलों को देखते हुए जिला प्रशासन ने एक बार फिर सख्ती बढ़ानी शुरू कर दी है। मास्क नहीं पहनते हुए घूमते पाए जाने पर जहां जुर्माना लगाया जाएगा, साथ ही जेल की हवा भी खानी पड़ सकती है। स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन द्वारा लगातार लोगों से मास्क पहनने की अपील की जा रही है।

मोबाइल बनाने वाली कंपनी में लगी आग

नोएडा। ग्रेटर नोएडा में मोबाइल निर्माता कंपनी ओप्पो में शनिवार की देर रात भीषण आग लगी है। सूचना मिलने पर पहुंची फायर ब्रिगेड की 10 गाड़ियां समाचार लिखने जाने तक आग बुझाने का प्रयास कर रही थी।

जानकारी के मुताबिक आग कंपनी के वेयरहाउस में लगी है। आग लगने से कंपनी में अफरातफरी मच गई। इसके बाद घटना की सूचना दमकल विभाग को दी गई जिसके बाद फायर बिग्रेड की 10 गाड़ियां मौके पर पहुंची। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आग से कंपनी में लाखों रुपए के माल जलने की आशंका जाहिर की जा रही है। आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हुआ है।

डासना स्थित शिवशक्तिधाम परिसर में उपवास पर बैठे देशभर से जुटे संत व समाज सेवी।

सनातन वैदिक राष्ट्र निर्माण के समर्थन में संतों ने रखा उपवास

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

● **दिल्ली जाने की नहीं मिली अनुमति**

सनातन वैदिक राष्ट्र के निर्माण के समर्थन में रविवार को देशभर से जुटे संतो ने शिवशक्तिधाम डासना परिसर में एक दिन का उपवास रखा और सरकार से आग्रह किया कि भारत वर्ष को अविलंब सनातन वैदिक राष्ट्र घोषित किया जाए।

पहले यह उपवास दिल्ली के जन्तर मंतर पर रखा जाना था लेकिन, किसान आन्दोलन के कारण सरकार ने ऐनवक्त पर उपवास रखने की अनुमति को रदद कर दिया। उपवास रखने से पूर्व संतों ने शिवशक्तिधाम परिसर में सबसे पहले सदबुद्दि के लिए देवी मां बंगलामुंखी और महादेव का यज्ञ किया गया।

इस मौके पर शिवशक्तिधाम के महन्त और फायर ब्रान्ड हिन्दू संत यतिनरसिंहा नन्द सरस्वती जी महाराज ने सनातन वैदिक राष्ट्र की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए बताया कि 2017 में एक समुदाय विशेष का जनसंख्या प्रतिशत 27 था,जो 2021 में 31 प्रतिशत और 2031 में 38 प्रतिशत हो जायेगा।

इस प्रकार वर्ष 2029 के लोकसभा चुनाव के पश्चात देश में हिन्दू प्रधानमंत्री बनने की सम्भावनाये कम हो जायेगी जिसके फलस्वरूप भारत की स्थिति सीरिया से भी अधिक विस्फोटक हो जायेगी। उन्होंने कहा कि इस संकट से निपटने के लिए भारत को वैदिक राष्ट्र के निर्माण के लिए अभी से तन मन और धन से इस अभियान को चलाना बहुत जरूरी है।

नोएडा पुलिस का सनसनीखेज खुलासा

दिल्ली पुलिस में नौकरी दिलाने वाले गैंग का भंडाफोड़

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

● **इनकम टैक्स व होम मिनिस्ट्री के अफसर फरार**

नोएडा पुलिस ने बड़ी कामयाबी हासिल की है। थाना सेक्टर-58 पुलिस ने दिल्ली पुलिस और अन्य सरकारी विभागों में नौकरी के लिए आवेदन करने वाले लोगों की जगह दूसरे को परीक्षा में बैठाकर लाखों रुपए की ठगी करने वाले गैंग का पर्दाफाश किया है।

अपर पुलिस आयुक्त कानून व्यवस्था लव कुमार कुमार ने बताया कि पुलिस का सूचना मिली थी कि सेक्टर-62 स्थित आईओन डिजिटल जोन में शनिवार को दिल्ली पुलिस की भर्ती की ऑनलाइन परीक्षा चल रही थी। जिसमें तीन परीक्षार्थियों की जगह उनका आई कार्ड लेकर कोई और व्यक्ति परीक्षा दे रहे हैं।

उन्होंने बताया कि सूचना के आधार पर पुलिस ने अर्पित, दिनेश चौधरी और अमन को हिरासत में लेकर पूछताछ की। उन्होंने बताया कि उनके छह अन्य साथी दिनेश जोगी, दिल्ली पुलिस के कांस्टेबल रविंद्र कुमार, दिल्ली पुलिस के कांस्टेबल मनजीत सिंह, शिव कुमार, मुकेश, सोनू परीक्षा केंद्र के बाहर खड़े हैं। लव कुमार ने बताया कि पुलिस ने इन सारे लोगों को भी गिरफ्तार कर लिया है। उनके अनुसार गिरफ्तार युवकों ने पूछताछ के दौरान बताया कि दिनेश जोगी और इनकम टैक्स में इंस्पेक्टर उसके मामा रवि कुमार और गृह मंत्रालय में तैनात उनके साथी अरविंद उर्फ नैन मिलकर गैंग चलाते हैं। उन्होंने बताया कि वर्तमान में रक्षा मंत्रालय में एएसओ के पद पर अपनी जगह किसी और को बैठाकर दिनेश ने नौकरी पायी है। आने वाले कुछ दिनों में उनकी ज्वाइनिंग होने वाली है। उन्होंने बताया कि दिल्ली पुलिस के दो कांस्टेबल रविंद्र और मनजीत का काम इस गैंग को प्रश्नपत्र हल करने वाला उपलब्ध कराना है।

उन्होंने बताया कि इस गैंग का मुख्य सरगना दिनेश जोगी है। अब तक ये लोग 100 लोगों को धोखाधड़ी से अन्य विभागों में नौकरी दिलवा चुके हैं।

अपर आयुक्त ने बताया कि ये लोग सरकारी नौकरी दिलवाने के नाम पर 10 लाख रुपए से लेकर 20 लाख रुपए तक की रकम आवेदकों से लेते हैं। उन्होंने बताया कि पकड़े गए बदमाशों से 210000 रुपए नगद, कई मोबाइल फोन, तीन लग्जरी कारें, दिल्ली पुलिस की दो वर्दी तथा फर्जी दस्तावेज बरामद हुआ हैं। उन्होंने बताया कि इस गैंग के सरगना आयकर विभाग में तैनात इंस्पेक्टर रवि कुमार और गृह मंत्रालय में तैनात अरविंद फरार हैं। पुलिस उनकी तलाश कर रही है।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक: चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादक: उषा श्रीवास्तव। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

आंदोलनः केंद्र सरकार तत्काल बिना शर्त किसानों से करे बातः केजरीवाल

सिंघू बॉर्डर पार कर दिल्ली की ओर आते किसान।

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को कहा कि नए कृषि कानूनों का विरोध कर रहे किसानों से केंद्र को तत्काल और बिना शर्त बातचीत करनी चाहिए।

किसान लगातार चार दिनों से नए कृषि कानूनों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं और राष्ट्रीय राजधानी के सिंघु और टिकरी बॉर्डर पर डटे हुए हैं। आम आदमी पार्टी (आप) ने किसानों के प्रदर्शन का समर्थन किया है। पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल ने केंद्र से कहा कि उसे तत्काल किसानों से मिलना चाहिए। उन्होंने एक ट्वीट में कहा, केंद्र सरकार को किसानों से तत्काल (और) बिना शर्त बातचीत करनी चाहिए। वहीं आप नेता सौरभ भारद्वाज ने कहा कि हैदराबाद में नगर निगम चुनाव का प्रचार में जुटे केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर आम आदमी पार्टी ने हमला बोला है।

आप नेता का कहना है तीन कृषि कानूनों के विरोध में किसान सड़क पर उतर गए हैं। वे दिल्ली की सीमा पर प्रदर्शन कर रहे हैं। उनका कहना है कि गृहमंत्री को हैदराबाद में चुनाव प्रचार करने का समय है, लेकिन किसानों से बात करने के लिए उनके पास समय नहीं है। वह शर्त रख रहे है कि जब तक किसान संत निरंकारी मैदान में नहीं आएंगे, तब तक उनसे बात नहीं करेंगे। आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता व विधायक आतिशी ने रविवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि अमित शाह हैदराबाद जाकर नगर निगम चुनाव में रोड शो करके सड़क, सीवर की बात कर सकते हैं, लेकिन किसानों की बात नहीं कर सकते हैं, जो किसान इस देश को खाना खिलाता है। देशभर के किसान अपने घरों, खेतों व गांव को छोड़कर दिल्ली की ओर कूच कर रहा है, क्योंकि केंद्र में बैठी भाजपा सरकार ने किसान विरोधी काले कानूनों को पास किया है।

उन्होंने कहा कि बड़े अफसोस की बात है कि केंद्र में बैठी तानाशाह सरकार किसानों से कहती है कि वे जब तक उसकी बताई हुई जगह पर जाकर नहीं बैठोगे। तब तक वह आपसे बात नहीं करेंगे। किसानों के परिवार से बूढ़ी महिलाएं अपना घर परिवार छोड़कर इस आस में दिल्ली आई हैं कि सरकार उनकी बात सुने। वे कड़ाके ठंड में सड़कों पर केंद्र सरकार की तरफ से बातचीत का इंतजार कर रही हैं। उन्होंने केंद्र सरकार से बिना शर्त किसानों से बात करने का अनुरोध किया है। पार्टी विधायक और प्रवक्ता आतिशी ने

● शाह रोड शो में भीड़ का कर रहे दावा, अन्नदाता के आंदोलन को बता रहे कोरोना फैलाने वाला : आप

एक अन्य संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया कि दिल्ली की सीमा पर बैठे हजारों किसानों के प्रति केंद्र "असहिष्णु है।

उन्होंने कहा, किसानों के लिए शर्तें रख कर सरकार कह रही है कि वह किसानों से तब तक बात नहीं करेगी, जब तक कि किसान किसी विशेष स्थान पर जाने की मांग को स्वीकार नहीं कर लेते। आप नेता राघव चड्ढा ने कृषि कानूनों को लेकर पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह पर हमला बोला और उन्हें किसानों के प्रदर्शन को "कुचलने के लिए समान रूप से जिम्मेदार" ठहराया। चड्ढा ने दावा किया, "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कैप्टन अमरिंदर सिंह के बीच सांठगांठ और दोस्ती है। वे दोनों मिलकर किसानों को धोखा दे रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया, अमरिंदर सिंह भाजपा की ओर से काम कर रहे हैं और भाजपा के मुख्यमंत्री बन गए हैं। वह पंजाब के किसानों को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की शर्तों को स्वीकार करने का निर्देश दे रहे हैं।

दिल्ली में कम हुआ कोरोना का प्रकोपः जैन

कोरोना टेस्ट कराती महिला।

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने दावा किया कि राजधानी दिल्ली में 7 नवम्बर को कोविड-19 महामारी का तीसरा चरण अपने चरम पर था। उसके बाद से कोरोना वायरस संक्रमण का प्रकोप कम हो रहा है।

अब महामारी के पॉजिटिविटी दर में संतोषजनक सुधार आ रहा है। जैन ने कहा कि किसान आंदोलन से दिल्ली में ऑक्सीजन सप्लाई पर कोई असर नहीं पड़ा है। यह लाइफ सेविंग है और इसे किसी ने रोका नहीं है। यह हरियाणा-दिल्ली के सिंघु बॉर्डर से बल्कि राजस्थान और उत्तर प्रदेश से आती है। सत्येंद्र जैन से रविवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पिछले तीन हफ्तों से पॉजिटिविटी दर धीरे-धीरे कम हो रही है। अब यह दर घट कर 7.24 प्रतिशत पर आ गई है।

यह संतोषजनक और राहत देने वाली बात है। दिल्ली सरकार ने एहतियातन कार्यालयों में 50 प्रतिशत कर्मचारियों को वर्क फ्रॉम होम की अनुमति दी है। इस संबंध में उपराज्यपाल अनिल बैजल को प्रस्ताव भेजा गया था। उन्होंने इस प्रस्ताव पर अपनी मंजूरी दे दी है।

बढ़ते संक्रमण को देखते हुए सरकार ने यह प्रस्ताव तैयार किया था, जिसे उपराज्यपाल ने अपनी सहमति दे दी है। इस आदेश के बाद ग्रेड-1 और वरिष्ठ अधिकारियों को छोड़कर बाकी सारे स्टाफ में से 50 प्रतिशत ही दफ्तर आएंगे। विभाग के मुखिया यह तय करेंगे कि आधे लोग घर से काम करें और बाकी को दफ्तर बुलाया जाए। निजी संस्थाओं में काम करने वालों के संबंध में स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि उन्हें भी यह सलाह दी गई है कि दफ्तर में शारीरिक दूरी को ध्यान में रखते हुए ही स्टाफ को बुलाएं।

दिल्ली सरकार का यह आदेश 31 दिसंबर तक लागू रहेगा। निजी संस्थान भी वर्क फ्रॉम होम को बढ़ावा दें और जहां तक संभव हो, कर्मचारियों को घर से काम करने की इजाजत दी जाए। कई बड़ी कंपनियां अपने कर्मचारियों को पहले से ही यह सुविधा दे रही हैं।

जैन ने किसान आंदोलन का समर्थन करते हुए कहा कि किसानों का यह आंदोलन शांतिपूर्ण है। केंद्र सरकार को किसानों से तुरंत बात करनी चाहिए। वह देश के अन्नदाता हैं। उन्हें भी अपनी आवाज उठाने का उनका हक है। दिल्ली वालों को हो रही परेशानी के सवाल के जवब में मंत्री ने कहा कि उन्हें अपनी परेशानी नहीं, बल्कि किसानों की परेशानी के बारे में सोचना चाहिए। किसान अपने घर परिवार से दूर यहां केंद्र सरकार से बात करने आए हैं।

दिल्ली सरकार 83% कम कर रही जांचः लांबा

● एक लाख की आबादी पर रोजाना 10 हजार टेस्ट की जरूरत, इस माह आंकड़ा 2700 का

अलका लांबा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रदेश कांग्रेस कोविड-19 की जांच को लेकर दिल्ली सरकार पर निशाना साधा है। पार्टी नेता ने दावा किया कि प्रति दस लाख की आबादी पर दस हजार जांच रोजाना करने की जरुरत है, जबकि इस माह आंकड़ा 2700 का ही रहा है।

गत 2 महीने से की जाने वाली जांच एक समान ही है। वर्तमान में कोविड-19 की जांच 83 प्रतिशत कम की जा रही है। कांग्रेस नेता ने केजरीवाल सरकार पर कोरोना वायरस संक्रमण की मामले कम दिखाने का भी आरोप मढ़ा।

पूर्व विधायक व कांग्रेस नेता अल्का लांबा ने रविवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि प्रदेश अध्यक्ष चौ. अनिल कुमार ने 11 मई को मुख्यमंत्री अरविन्द को पत्र लिखकर1 लाख टेस्ट रोजाना करने की मांग थी और सर्वदलीय बैठक में नई परिस्थितियों में आपातकाल को देखते 2 लाख टेस्ट प्रतिदिन की मांग की। जिसको 15 नवम्बर केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री केजरीवाल ने भी स्वीकार किया कि टेस्टों की संख्या बढ़नी चाहिए।

संक्रमण पर नियंत्रण पाने में आम आदमी पार्टी की सरकार पूरी तरह नाकाम साबित हुई है। उन्हांने कहा कि सर्वदलीय बैठक में कांग्रेस ने निशुल्क जांच की मांग की थी, अगर सरकार उसे लागू करे तो लक्षण और बिना लक्षण वाले सभी मरीज कोविड टेस्ट करा सकते है। लाम्बा ने कहा कि कांग्रेस शुरु से ही आरटी-पीसीआर जांच की मांग करती आ रही है, जबकि 1 से 24 नवम्बर के बीच कुल टेस्टों में 67 प्रतिशत टेस्ट रेपिड एंटीजेन टेस्ट किए गए।

देश के अन्नदाता किसानों संग आतंकियों जैसा व्यवहारः संजय सिंह

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राज्यसभा में आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने कहा कि किसान अपनी फसल की कीमत और स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट लागू करने की मांग कर रहे हैं। केंद्र सरकार उनके साथ आतंकवादियों जैसा व्यवहार कर रही है। आम आदमी पार्टी और दिल्ली सरकार पूरी तरह किसानों के साथ है। एक तरफ किसान आंदोलन कर रहे हैं दूसरी तरफ केंद्रीय गृहमंत्री हैदराबाद की सैर कर रहे हैं और उनके पास किसानों से बात करने का समय नहीं है। आजादी के बाद ऐसा गैर जिम्मेदार, गृहमंत्री पहली बार देखने को मिल रहा है। प्रधानमंत्री के बिल की तारीफ करने से स्पष्ट है कि केंद्र सरकार किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं करना चाहती। उन्होंने अमित शाह से अपने सभी कार्यक्रम रद्द करके किसानों से बात करने की मांग की है। साथ ही कहा कि एक काला कानून जो केंद्र सरकार द्वारा जबरन पास किया गया है।

किसानों का गुनाह यह है कि वह अपनी फसल का डेढ़ गुना दाम मांग रहे हैं। उन्होंने ने कहा कि केंद्र सरकार मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल किसानों के साथ है। आम आदमी पार्टी दिल्ली में उनका स्वागत करती है। लेकिन किसान जहां पर आंदोलन करना चाहते हैं गृहमंत्री को उनको वहां आंदोलन करने की जगह देनी चाहिए।

तस्करी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश, 30 किलो गांजा जब्त

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने नशीले पदार्थों की तस्करी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से 30 किलोग्राम गांजा जब्त किया गया है। आरोपी की पहचान सुखविंदर सिंह उर्फ चेतन के रूप में हुई है।

वह डिबरूगढ़ राजधानी एक्सप्रेस से दिल्ली पहुंचा था। पुलिस की अनुसार गत 27 नवंबर को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर गश्त करने वाली टीम की एक संदिग्ध व्यक्ति पर पड़ी। वह टीटीई की वर्दी में नॉर्थ यार्ड में बेस किचन के पास प्लेटफॉर्म से दो बैग अपने कंधों पर लादे जा रहा था। उसकी असामान्य हरकतों से गश्त करने वाली टीम कुछ शंका हुई। पुलिस ने तुरंत उसे रोका और पूछताछ की।

वह संतोषजनक ढंग से जवाब नहीं दे सका। जिससे टीम का शक और गहरा गया। तलाशी के दौरान उसके दो बैग में गांजा पाया गया। पुलिस ने तुरंत ही उसे गिरफ्तार कर दिया। उसने बताया कि लॉकडाउन से पहले वह जींस ट्रेडिंग व्यवसाय में था। लॉकडाउन के दौरान वह तस्कर के संपर्क में आया।

गुरु तेग बहादुर के 400वें परब को समर्पित 400 सहज पाठ रखे गए

नई दिल्ली। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी द्वारा साहिब गुरु तेग बहादुर के 400वें प्रकाश पर्व को समर्पित होकर 400 सहज पाठ रखे।

दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की वरिष्ठ उपाध्यक्षा बीबी रणजीत कौर ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रबंधक कमेटी द्वारा स्त्री अकाली दल और माई भागो बिग्रेड को इस कार्यक्रम की जिम्मेवारी सौंपी गई थी जिसके बाद उन्होंने कमेटी की 400 सहजपाठ रखने का कार्यक्रम बनाया और उन्होंने स्त्री दिल्ली इकाई की महिलाओं को इसकी जानकारी दी, दिल्ली के अलग अलग हिस्सों से कड़ी का हिस्सा है।

प्रदेश कांग्रेस का पुनर्गठन अगले सप्ताह

● सभी 270 ब्लॉक में वरिष्ठ कार्यकर्ताओं को पर्यवेक्षक बनाया जाएगा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष अनिल चौधरी ने कहा कि दिल्ली कांग्रेस में संगठनात्मक पुनर्गठन की प्रक्रिया ब्लॉक स्तर पर अगले सप्ताह आरंभ होने की संभावना है और कोरोना राहत कार्यों में योगदान देने वालों को प्राथमिकता दी जाएगी।

चौधरी ने कहा कि पार्टी की ब्लॉक इकाइयों के अध्यक्षों के तौर पर नियुक्ति की खातिर नामों को एकत्र करने के लिए सभी 270 ब्लॉक में पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं को पर्यवेक्षकों बनाया जाएगा। उन्होंने कहा, दिल्ली कांग्रेस ने अपने राज्यों को लौट रहे प्रवासी कामगारों की

अनिल चौधरी

मदद के लिए, उन्हें भोजन और राशन किट वितरित करके व्यापक स्तर पर राहत कार्य किए।

चौधरी ने कहा कि राहत कार्य के दौरान बढ़-चढ़ कर भाग लेने वाले नेताओं को बरकरार रखा जाएगा और नियुक्तियां की जाएंगी, लेकिन इन कार्यों में हिस्सा नहीं लेने वाले और कोई उत्साह नहीं दिखाने वालों को हटा दिया जाएगा। इससे पहले 2018 में दिल्ली कांग्रेस के तत्कालीन अध्यक्ष अजय माकन ने ब्लॉक स्तर पर बदलाव किए थे। पिछले दो साल में तीन अध्यक्ष बदल जाने के बावजूद दिल्ली कांग्रेस का संगठनात्मक पुनर्गठन काफी समय से लंबित था। चौधरी ने कहा कि 270 ब्लॉक अध्यक्ष पदों में से करीब 35 रिक्त हैं। कुछ ब्लॉक अध्यक्षों की कोरोना वायरस संक्रमण के कारण मौत हो गई।

डीयू के वित्त पोषित कॉलेजों में सांध्यकालीन कक्षाएं चलाने की मांग

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी के शिक्षक संगठन दिल्ली टीचर्स एसोसिएशन ने दिल्ली विश्वविद्यालय के छह कॉलेजों में शाम की कक्षाएं चलाने का सुझाव दिल्ली को दिया है।

एसोसिएशन द्वारा शैक्षणिक सत्र 2020-21 के लिए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और शिक्षामंत्री मनीष सिसोदिया को वित्त पोषित 12 कॉलेजों में से 6 कॉलेजों में सांध्य पारी के कॉलेज चलाने की मांग की है। दिल्ली टीचर्स एसोसिएशन ने (डीटीए) ने बताया कि इन नये कॉलेजों के खुलने पर ज्यादा संसाधनों की आवश्यकता नहीं पड़ेगी और न ही सरकार पर ज्यादा आर्थिक बोझ पड़ेगा।

साथ ही नये कॉलेज खोलने का दिल्ली की जनता से आप का वायदा भी पूरा होगा। इससे 12वीं कक्षा पास करने वाले छात्रों को दिल्ली के कॉलेजों में दाखिला आसानी से मिल सकेगा।

डीटीए के प्रभारी व पूर्व एकेडेमिक काउंसिल सदस्य हंसराज सुमन का कहना है कि यह छह कॉलेज भीमराव अंबेडकर कॉलेज, महाराजा अग्रसेन कॉलेज, आचार्य नरेंद्रदेव कॉलेज, दीनदयाल उपाध्याय कॉलेज, भाष्कराचार्य कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंस और केशव महाविद्यालय हैं। शैक्षिक सत्र 2021-22 से उपरोक्त कॉलेजों में शाम की पाली में कक्षाएं चलाने संबंधी यह प्रस्ताव दिल्ली सरकार विधानसभा में पारित कर नये कॉलेजों को खोलने का अपना वादा पूरा कर सकती है।

सुमन के अनुसार हर साल छात्रों की संख्या में बढ़ रही है। छात्रों की पहली प्राथमिकता दिल्ली विश्वविद्यालय में दाखिला लेने की होती है।

डीयू के कॉलेजों में कुल लगभग 70 हजार सीटें हैं। इसके अलावा दिल्ली की छात्राओं की नॉन कॉलेजिएट वीमेंस एजुकेशन बोर्ड में लगभग 15 हजार सीटें हैं। इसके बाद छात्रों के पास स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग (एसओएल) का विकल्प बचता है।

एक दशक में नवंबर का महीना रहा सबसे सर्द

● औसत न्यूनतम तापमान दस डिग्री सेल्सियस रहा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी में पिछले दस वर्षों में इस वर्ष नवंबर में सबसे ज्यादा ठंड पड़ी है और इस वर्ष नवंबर के महीने में औसत न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा है। दिल्ली में वैसे नवंबर महीने का औसत न्यूनतम तापमान 12.9 डिग्री सेल्सियस होता है।

वहीं भारत मौसम विज्ञान विभाग के आंकड़ों के अनुसार एक नवंबर से 29 नवंबर तक शहर में औसत न्यूनतम तापमान 10.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है, जो करीब एक दशक में सबसे कम तापमान है।

पिछले वर्ष औसत न्यूनतम तापमान 15 डिग्री सेल्सियस, वर्ष 2018 में 13.4 डिग्री सेल्सियस और वर्ष 2017 तथा 2016 में यह 12.8 डिग्री सेल्सियस रहा।

रविवार को दिल्ली का न्यूनतम तापमान सात डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इस माह यह सातवां दिन है जब न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा। मौसम विभाग के अनुसार सोमवार को भी न्यूनतम तापमान सात डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है।

दिल्ली-एनसीआर की वायु गुणवत्ता खराब श्रेणी में

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी की वायु गुणवत्ता रविवार को खराब श्रेणी में रही। तापमान में गिरावट आने तथा हवा की गति धीमी होने के बीच गुणवत्ता के और खराब होने की आशंका है। शहर का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) सुबह नौ बजे 245 रहा। शनिवार को 24 घंटे का औसत एक्यूआई 231 , शुक्रवार को 137, बृहस्पतिवार को 302 और बुधवार को 413 रहा।

भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार शनिवार को हवा की अधिकतम गति 15 किलोमीटर प्रति घंटे रही, रविवार और सोमवार के इसके आठ से 12 किलोमीटर प्रति घंटे रहने का अनुमान है। रविवार को हवा की गति मंद पड़ने का अनुमान व्यक्त किया गया है, इसलिए दिल्ली की वायु गुणवत्ता के और खराब होने और इसके खराब से बेहद खराब रहने की आशंका है। मौसम विभाग के अनुसार रविवार को न्यूनतम तापमान सात डिग्री सेल्सियस रहा वहीं अधिकतम तापमान के 26 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। फसलों की कटाई का सीजन खत्म होने के साथ दिल्ली के प्रदूषण में पराली जलने की हिस्सेदारी भी काफी कम हुई है।

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की वायु गुणवत्ता निगरानी प्रणाली सफर के मुताबिक शनिवार को दिल्ली के पीएम-2.5 स्तर में पराली जलाने की हिस्सेदारी चार प्रतिशत रही।

एक्यूआई लेवल

गाजियाबाद	273
नोएडा	248
ग्रेटर नोएडा	252
हापुड़	139

गुरुग्राम की फिजां खुशबूदार बनाने को बांटे फूलों के सेंपल

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

स्थानीय नगर निगम तथा आपसी एनजीओ के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को सेक्टर-29 स्थित रंगभूमि ओपन एयर थिएटर में रंग-बिरंगे फूलों के वितरण (फ्लॉवर सेप्लिंग डिस्ट्रीब्यूशन) फेस्ट का आयोजन किया गया। इस आयोजन के माध्यम से गुरुग्राम को स्वच्छ एवं सुंदर शहर बनाने का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम में मेयर मधु आजाद, हरियाणा सरकार के अतिरिक्त मुख्य सचिव सुनील गुलाटी, नगर निगम आयुक्त विनय प्रताप सिंह तथा फ्लॉवर मैन डा. रामजी जैमल ने शिरकत की। यहां गुरुग्राम के नागरिकों से आह्वान किया कि वे

कार्यक्रम के माध्यम से शहर की स्वच्छता और सौंदर्यकरण का दिया संदेश

गुरुग्राम के सभी मंदिरों में स्वच्छता के नाम से एक घंटी बांधने का आह्वान

शहर को स्वच्छ बनाने के साथ ही विभिन्न स्थानों पर फूलों वाले पौधे लगाकर शहर को सुंदर बनाने में भी अपना भरपूर योगदान दें। निगम आयुक्त विनय प्रताप सिंह ने गुरुग्राम में एक प्लास्टिक फ्री क्लब बनाने की भी घोषणा की। उपस्थित लोगों

सेक्टर-29 स्थित रंगभूमि ओपन एयर थियेटर में शहर की सुदंरता को पौधे वितरण कार्यक्रम में पौधे और जूट के थैलों के साथ शहर की स्वच्छता की प्रेरणा देते अतिथि।

को प्लास्टिक फ्री किट प्रदान करके प्लास्टिक का इस्तेमाल नहीं करने का आह्वान किया।

उन्होंने 25 दिसम्बर के दिन को जीरो वेस्ट दिन के रूप में मनाने का आह्वान किया। मेयर मधु आजाद ने नागरिकों से आह्वान किया कि वे जिस प्रकार अपने घर की साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखते हैं, उसी प्रकार गुरुग्राम शहर को भी अपना घर समझें तथा अपने आस-पास के क्षेत्र की सफाई का भी विशेष ध्यान रखें। हम सभी के संयुक्त प्रयासों से ही हम गुरुग्राम को स्वच्छ, सुंदर एवं बेहतरीन शहर बनाकर स्वच्छ सर्वेक्षण-2021 में स्वच्छता में नम्बर-1 पायदान हासिल करेंगे।

नगर निगम संयुक्त आयुक्त (स्वच्छ भारत मिशन) धीरज कुमार ने कहा कि गुरुग्राम के सभी मन्दिरों में अब एक घण्टी स्वच्छता के नाम से बांधी जाएगी। इस बारे में सभी मन्दिर संचालकों से अनुरोध करेंगे। यह एक अनूठा कार्य है, जो पहली बार नगर निगम गुरुग्राम द्वारा किया जाएगा। इस पर मेयर ने कहा कि वे जल्द ही शिव मंदिर में स्वच्छता के नाम से घण्टी बंधवाएंगी।

शून्य कचरा-अतुल्य गुरुग्राम का दिया नारा

कार्यक्रम के माध्यम से नगर निगम द्वारा कचरे को शून्य करके अतुल्य गुरुग्राम बनाने का नारा दिया। साथ ही बंधवाड़ी लैंडफिल साईट पर कचरे के पहाड़ को हटाने की चुनौती दी। कार्यक्रम में फ्लॉवर मैन डा. रामजी जैमल के जीवन पर आधारित लघु फिल्म बिफोर आई डाई का प्रदर्शन किया गया। यह फिल्म नकुल देव द्वारा बनाई गई है। फिल्म के माध्यम से आमजन से आह्वान किया गया कि वे डा. रामजी जैमल द्वारा तैयार किए गए फूलों के पौधे प्राप्त करें तथा उन्हें लगाकर उनका पालन-पोषण करें। कार्यक्रम में 8 स्वच्छता सैनिकों को सम्मानित भी किया गया। इसके साथ ही 29 स्वच्छता ब्रांड एम्बेसडरों को भी सम्मानित किया गया।

मुख्यमंत्री ने 500 बेड के नागरिक अस्पताल के विस्तार को दी हरी झंडी

मुख्यमंत्री ने किया राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय (बाल) का अवलोकन

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

शहर के सिविल लाइन स्थित पुराने नागरिक अस्पताल के 500 बेड का बनने का रास्ता साफ हो गया है। रविवार को मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने यहां अस्पताल के साथ राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय (बाल) परिसर का दौरा किया। इसी स्कूल में से जमीन का हिस्सा लेकर अस्पताल का विस्तार किया जाना प्रस्तावित है।

रविवार को मुख्यमंत्री मनोहर लाल गुरुग्राम से हिसार के लिए रवाना होने से पहले शहर के बीचों-बीच स्थित पुराने नागरिक अस्पताल

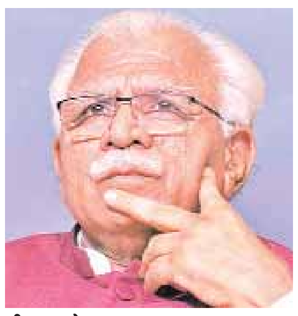

सीएम मनोहर लाल।

के विस्तार के लिए साथ लगते राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय (बाल) परिसर पहुंचे। इस दौरान आला अधिकारियों के अलावा शिक्षा और स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी उनके साथ थे। पुराने नागरिक अस्पताल भवन का विस्तार करके उसकी क्षमता बढ़ाकर 500 बेड करना प्रस्तावित है जिसके लिए साथ लगते राजकीय विद्यालय की जमीन का कुछ हिस्सा शिक्षा विभाग से स्वास्थ्य विभाग को हस्तांतरित किया जाना है। मुख्यमंत्री ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विद्यालय परिसर का अवलोकन करते हुए अस्पताल के विस्तार को हरी झंडी दी।

पुराना भवन गिराने को पीडब्ल्यूडी निकालेगा टेंडर : अस्पताल के पुराने भवन को गिराया जाएगा, जिसके लिए लोक निर्माण विभाग टेंडर आमंत्रित करेगा। सिविल सर्जन डॉ. वीरेंद्र यादव ने बताया कि पुराने नागरिक अस्पताल परिसर में बने सिविल सर्जन कार्यालय को भी शिफ्ट करने की कार्यवाही शुरू कर दी गई है, ताकि नए अस्पताल भवन निर्माण के लिए पूरी जगह लोक निर्माण विभाग को उपलब्ध करवाई जा सके।

स्कूल से ली जाने वाली जमीन पर होगी चारदीवारी

नागरिक अस्पताल भवन के विस्तार के बारे में चर्चा करते हुए आज यह फैसला लिया गया कि स्कूल की जमीन का जितना हिस्सा स्वास्थ्य विभाग को हस्तांतरित किया जाना है, उतने पर चार दीवारी खींचकर आगे की कार्यवाही शुरू की जाए। अवलोकन के दौरान मुख्यमंत्री ने जिला शिक्षा अधिकारी से बच्चों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था तथा स्कूल के लिए निर्धारित नियमों के बारे में जानकारी हासिल की, जिसमें जिला शिक्षा अधिकारी कैप्टन इंदु बोकन ने अवगत करवाया कि विद्यालय का जो भवन तोड़ने का प्रस्ताव है। उसमें लगाई जाने वाली कक्षाएं सुखराली के राजकीय विद्यालय में लगाई जा सकती हैं।

नपीनो श्रमिक यूनियन ने मनाया अपना स्थापना दिवस

कंपनी के मुख्य द्वार पर ध्वजारोहण करते श्रमिक।

गुरुग्राम। आईएमटी मानेसर क्षेत्र स्थित नपीनो ऑटो प्रतिष्ठान की श्रमिक यूनियन ने अपना स्थापना दिवस रविवार को धूमधाम से मनाया। बड़ी संख्या में यूनियन के सदस्य भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

श्रमिक यूनियन के प्रधान नरेश कुमार ने बताया कि हवन-यज्ञ का आयोजन भी किया गया था। उसी के बाद कंपनी के मुख्य द्वार पर यूनियन का झण्डा फहराया गया। इस कार्यक्रम में श्रमिकों का प्रतिनिधित्व करने वाली एटक के जिला महासचिव कामरेड अनिल पंवार भी अपनी टीम के साथ शामिल हुए। उन्होंने श्रमिक यूनियन को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे संगठित रहें और कंपनी के उत्पादन में पूरा सहयोग करें। एकजुट होकर ही श्रमिकों की समस्याओं का कंपनी प्रबंधन से समाधान कराया जा सकता है।

उन्होंने कंपनी प्रबंधन से भी आग्रह किया कि यूनियन के सामूहिक मांगपत्र पर यूनियन के पदाधिकारियों से बातचीत कर इसका निपटारा करें, ताकि श्रमिकों को आंदोलन करने की जरुरत ही न पड़े। श्रमिक अपनी एकता का प्रदर्शन नारेबाजी करते हुए दिखाई दिए। श्रमिकों को श्रमिक नेता परशुराम, कुलदीप, दुलीचंद, सुधीरपाल, राज बहादुर आदि ने भी संबोधित किया।

नया आलू आने के बावजूद कीमतें छू रहीं आसमान

सब्जियों के राजा ने बिगाड़ कर रख दिया गृहणियों की रसोई का बजट

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

महंगाई की मार का सामना विभिन्न क्षेत्रों व वर्गों के लोगों को करना पड़ रहा है। खाद्य पदार्थों सहित सब्जियों व दैनिक जीवन में इस्तेमाल होने वाली चीजों के दामों में भी लगातार वृद्धि होती जा रही है। शीत ऋतु में सब्जियां सस्ती हो जाती थी। गरीब वर्ग भी महंगी दाल की बजाय हरी सब्जियों का इस्तेमाल अधिक करते थे, लेकिन इस बार ऐसा होता दिखाई नहीं दे रहा है।

जहां पहले प्याज ने लोगों को रुलाया हुआ था, वहीं अब आलू ने भी गृहणियों के रसोई का बजट बिगाड़ कर रख दिया है। खुदरा बाजार में आलू 50 रुपए प्रतिकिलो मिल रहा है। आलू में यह वृद्धि पिछले एक माह से चल रही है। आलू की नई फसल आने के बाद भी आलू की कीमत आसमान छू रही है। यानि कि हर सब्जी का साथी आलू आम आदमी की पहुंच से दूर होता नजर आ रहा है। गृहणियों का भी कहना है कि आलू के दाम बढ़ जाने से उनकी रसोई का बजट गड़बड़ा गया है। उन्होंने कभी भी यह नहीं सोचा था कि आलू के दाम भी अन्य

सब्जियों की तरह से इतने बढ़ जाएंगे। माना जाता रहा है कि सर्दियों के मौसम में आलू की नई फसल आने के बाद आलू के दामों में कमी आ जाती है, लेकिन ऐसा इस बार नहीं हो रहा है।

आढ़तियों का कहना है कि मंडी में आवक काफी कम हो रही है। इसलिए आलू के भाव कम नहीं हो पा रहे हैं। नई फसल आने के बाद भी आलू के दामों में गिरावट आने की कोई संभावना नजर नहीं आ रही है। उनका कहना है कि किसान आंदोलन और शुरु हो चुका है। यदि यह आंदोलन और अधिक लंबा खिंच गया तो आलू के ही नहीं, अपितु अन्य सब्जियों के दामों में भी वृद्धि हो जाएगी। क्योंकि आंदोलन के कारण बाहर से आने वाले ट्रक जिनमें सब्जियां व आलू भरा है, उन्हें बॉर्डर पर ही रोका हुआ है।

इस प्रकार आलू के साथ-साथ अन्य सब्जियों के दाम भी आसमान छूने लग जाएंगे और इसका सीधा असर आम आदमी व गृहणियों की रसोई पर ही पड़ेगा। आलू एक ऐसी सब्जी है जिसकी सबसे अधिक खपत होती है।

अंतर जिला तबादल प्रक्रिया रद्द किए जाने से रोष

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

जेबीटी अध्यापकों ने अंतर जिला स्थानान्तरण मामले को लेकर राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ का एक प्रतिनिधिमंडल सोहना विधायक कवर संजय सिंह से मिले। जेबीटी शिक्षकों ने विधायक को ज्ञापन सौंपते हुए हाल ही में किया गया तबादला प्रक्रिया को रद न किए जाने की मांग की है।

रविवार को जेबीटी अध्यापक संघ के जिला प्रधान दुष्यंत ठाकरान की अध्यक्षता में सोहना विधायक संजय सिंह से सोहना में स्थित उनके कार्यालय में मिले। दुष्यंत ठाकरान ने

विधायक को ज्ञापन सौंपा

संघ की तरफ से जेबीटी शिक्षकों का जिला अंतरगत् किए तबादल प्रक्रिया को रद किए जाने से आई परेशानी को बताया। इस संबंध में संघ की तरफ से विधायक संजय सिंह को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन भी दिया गया। ज्ञापन सौंपने के बाद ठाकरान ने बताया कि जनरल एलिमेन्ट्री शिक्षा विभाग हरियाणा पंचकूला की ओर से अंतर जिला तबादले किए गए थे। जिनकी संख्या 2544 शिक्षक थी। इस सूची के आधार पर शिक्षकों को विभाग की

जेबीटी शिक्षकों विधायक संजय सिंह को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपते हुए।

तरफ से तीन दिन में अपना नया स्कूल ज्वाइन करने के आदेश जारी किए गए थे। करीब 15 दिन बीत जाने के बाद 27 नवंबर को पुराने आदेशों को शिक्षा विभाग ने रद्द करते हुए जेबीटी शिक्षकों को वापस अपने पुराने स्कूलों में ही ज्वाइन करने के आदेश जारी कर दिए है। जेबीटी शिक्षकों ने इस तुगलकी फरमान बताते मानने से इंकार कर दिया है।

दो साल पहले के हैं तबादले के आदेश

संघ के जिला अध्यक्ष ने बताया कि 23 अगस्त 2019 में ही तबादले के आदेश हो गए थे। मगर बार-बार फैसला बदलकर अध्यापकों की परेशानी को बढ़ाया जा रहा है। पहले तो आनन-फानन में तीन दिन के अंदर ज्वॉइनिंग का आदेश दिया और फिर अब तुगलकी फरमान के जरिए शिक्षकों को पुराने स्कूलों में ही ज्वॉइन करने के लिए बाध्य कर रहे हैं।

शहर में मनाए जाएंगे धार्मिक कार्यक्रम धूमधाम से

सिंह साहिब गुरुद्वारा सजा, शिव कुंड में गंगा स्नान के शाही स्नान की तैयारियां जोरों पर

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

धार्मिक कार्यक्रमों को मनाए जाने को लेकर शहर में तैयारियां जोरों से चल रही है। शहर के धार्मिक स्थलों पर मनाएं जाने वाले दो पर्वों की तैयारियां जोरों से की जा रही है। शहर के सिंह साहिब गुरुद्वारा को दुल्हन की तरह से सजाया गया है। वहीं गर्म पानी के शिव कुंड में गंगा स्नान के अवसर पर किया जाने वाला शाही स्नान की तैयारियां जोरों से की जा रही है। सोहना शहर में गंगा स्नान व गुरु पर्व मनाएं जाने को लेकर रविवार को लोगों में जोश

शिव कुंड पर गंगा स्नान को लेकर तैयारियां पूरी।

बना हुआ है। धार्मिक स्थाल शिव कुंड कमेटी के प्रधान अनुराग राणा ने बताया कि गंगा स्नान को देखते हुए भक्त आस्था की डुबकी लगाने के लिए दूर-दूर से आते हैं। कोविड-19 के चलते स्नान के दौरान सामाजिक दूरी पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। एक साथ अधिक लोग स्नान नहीं कर सकेंगे। भक्तों को स्नान करने के लिए अपना नंबर आने पर ही जाना होगा। कमेटी की तरफ से भक्तों को हर सुविधा मुहैया कराई जाएगी। सेनेटाइज कराने का प्रबंध किया गया है।

गुरु पर्व को लेकर तैयारियां

शहर में अब गुरु नानक जयंती और गंगा स्नान के पवित्र त्योहार को धूमधाम से मनाया जाएगा। शहर के पुराने बस स्टैंड पर स्थित सिंह साहिब गुरुद्वारा के कमेटी के प्रधान राजेन्द्र सिंह बागड़ी ने बताया कि गुरुनानक जयंती की तैयारी चल रही है। सुबह गुरुद्वारा में पाठ होने के बाद लंगर सेवा में स्थानीय लोग जुट जाएंगे। दोपहर के समय में गुरुद्वारा में प्रसादा वितरण किया जाएगा। गुरुद्वारा समेत आस के पास के मकानों को दूधिया रोशनी से जगमग किया गया है। पिछले दस दिन से सुबह शहर में होने वाली प्रभात फेरी को समाप्त कर दिया। हजारों की संख्या में लोग प्रसाद ग्रहण करने के लिए गुरुद्वारा में पहुंचेंगे, लेकिन प्रसाद वितरण के दौरान सामाजिक दूरी बनाएं रखने पर विशेष सुविधा रखी जाएगी।

चार नगर पालिकाओं में कई-कई अफसर नहीं

जिले की चारों नगरपालिकाएं रो रही अधिकारी न होने का रोना

पायनियर समाचार सेवा। तावडू

नगरपालिकाओं की बिगड़ैल व्यवस्थाओं में सुधार को लेकर प्रदेश सरकार ने हर जिले में डीएमसी (जिला नगर पालिका आयुक्त) की नियुक्ति की। लोगों को भी लगा कि इन नियुक्तियों से नगरपालिका की व्यवस्थाओं में काफी सुधार होगा व शहर सौंदर्यीकरण के साथ विकास की पटरी पर दौड़ेंगे। नगर पालिका की चेयरपर्सन मनीता गर्ग का कहना है कि अधिकारियों की कमी के चलते

सिविल व ऑफिशियल वर्क निरंतर प्रभावित हो रहे हैं। रही सही कसर पूरी कर दी डब्लयूएमएस पोर्टल ने। इस पोर्टल पर तकनीकी समस्या के चलते अपलोड कार्यों का फीडबैक नहीं मिलता। मेरा तो यही आग्रह है कि सरकार यहां सचिव सहित अन्य अधिकारियों की स्थाई तौर पर नियुक्ति करने केस साथ मेनुअली वर्क ऑर्डर शुरू करें, ताकि समयबद्ध कार्य हो सकें।

समाजसेवी रविंद्र गुप्ता का कहना है कि यहां या तो कोई अधिकारी सहज तौर पर आता नहीं है। जो आ गया वो कुछ ही दिनों में अपना ट्रांसफर करा चला जाता है। क्या इस सिस्टम से शहर विकसित होगा। वरिष्ठ भाजपा नेता राजकुमार मित्तल के मुताबिक तावडू नगरपालिका का जितना बुरा हाल है, शायद ही प्रदेश की किसी नगरपालिका का हो। इस नगरपालिका के पास करोड़ों का बजट है लेकिन अधिकारी तो यहां टिकता ही नहीं है। ऐसे में कैसे लोगों के कार्य होंगे।

समाजसेवी मुकेश सोनी का कहना है कि कभी यहां सचिव नहीं रहता तो कभी एमई व बीआई नहीं रहता। इतनी जल्दी ये लोग कैसे ट्रांसफर करा ले जाते हैं समझ नहीं आता। जब अधिकारी ही स्थाई तौर पर नहीं रहेंगे तो शहर का तो बंटाधार होना स्वाभाविक है। समाजसेवी टेकचंद सैनी ने कहा कि सरकार यहां स्थाई तौर पर अधिकारियों की नियुक्ति करें। आया राम, गया राम के सिस्टम से जनता प्रभावित होती है।

इस सिस्टम से लोगों का सरकार व प्रशासन से भी विश्वास कमजोर होता है। मार्केट कमेटी पूर्व उपाध्यक्ष महेंद्र गोयल का कहना है कि मार्केट यहां की नगरपालिका के पास विकास कार्यों को लेकर करोड़ों रूपये राशि है। लेकिन यहां अधिकारी तो कोई टिकता ही नहीं। सिफारिशी यहां आते हैं। जब तक मना करा काम किया व जब मन करा चलते बने। इस सिस्टम से शहर का कैसे सौंदर्यकरण होगा।

गुरू नानक देव जयंती पर नगर कीर्तन और लंगर नहीं

गुरुग्राम। सिख समुदाय के संस्थापक गुरु नानक देवजी की जयंती यानि कि प्रकाश पर्व का आयोजन सोमवार को शहरी व ग्रमीण क्षेत्रों स्थित गुरुद्वारों में धूमधाम से मनाया जाएगा। गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटियों द्वारा प्रकाश पर्व की सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इस बार इस पर्व पर नगर कीर्तन व भंडारे का आयोजन नहीं किया जाएगा। कोरोना के चलते यह निर्णय लिया गया है।

शहर के गुरुद्वारा श्रीगुरु सिंह सभा के संतोख सिंह साहनी व गुरमीत सिंह का कहना है कि गुरु नानकजी के 551वें प्रकाश पर्व को लेकर अखंड पाठ गुरुद्वारों में रखे हुए हैं। ये पाठ भी चल रहे हैं। कोरोना

गुरु नानक देवजी का 551वां प्रकाश पर्व सोमवार को मनाएंगे

महामारी के प्रकोप से बचाव के लिए जिला प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के पालन के तहत इस बार नगर कीर्तन का आयोजन नहीं होगा और न ही विशाल लंगरों का आयोजन श्रद्धालुओं के लिए किया जा सकेगा। श्रद्धालुओं से भी आग्रह किया गया है कि वे मास्क का इस्तेमाल करें और 2 गज दूरी नियम का पालन भी अवश्य करें। सैनिटाइजर की व्यवस्था भी गुरुद्वारा परिसर में की गई है।

संक्षिप्त समाचार

विधायक लीला राम ने वर्चुअल रैली को किया संबोधित

कैथल। विधायक लीला राम ने कहा कि हरियाणा में पंचायती राज व्यवस्था में पिछड़ा वर्ग-क को पंचायती राज संस्थाओं में आठ प्रतिशत आरक्षण देकर मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने सर्व वर्ग हितैषी होने का परिचय देते हुए समाज का मान बढ़ाया है। इस व्यवस्था से बीसी-ए वर्ग को आगे बढने् के अवसर मिलेंगे। विधायक लोक निर्माण विश्राम गृह के परिसर में बीसी-ए वर्ग को 8 प्रतिशत आरक्षण मिलने के उपलक्ष पर आयोजित वर्चुअल रैली में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। इससे पहले मुख्यमंत्री ने वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से वर्चुअल रैली को संबोधित किया। विधायक ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने पिछड़ा वर्ग के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएं चलाई हैं। पूर्व की सरकारों ने हमेशा ही पिछड़ा वर्ग की अनदेखी की है, पहली बार ऐसा हुआ है कि पिछड़ा वर्ग-क की आवाज को भाजपा सरकार और मनोहर लाल मुख्यमंत्री ने सुना और उसको लागू करने का कार्य भी किया। यह आरक्षण हरियाणा में पंचायती राज संस्थाओं में लागू हुआ है। उन्होंने कहा कि मैं पिछड़ा वर्ग से संबंध रखता हूं, एक गरीब परिवार से हूं और मैंने हमेशा पिछड़ा वर्ग के लिए लड़ाई लड़ी है।

बारात में हवाई फायरिंग करने के आरोपी की नहीं हुई पहचान

सोहना। सोहना सदर थाना पुलिस 72 घंटा से भी अधिक समय बीत जाने के बाद बारात में हवा में फायरिंग करने वाले आरोपी न तो पहचान कर सकी है। पुलिस आरोपी की पहचान होने व जल्द से जल्द गिरफ्तार करने का दावा कर रही है। मालूम रहे कि 26 नवंबर को गांव खरौदा में शादी समारोह में वरमाला के अवसर पर हवा में फायरिंग कर दी गई थी। दो राउंड चली गोलियां से पांच बेटियां जख्मी हो गई थी। जिन्हे गुरुग्राम व दिल्ली के अलग-अलग अस्पतालों में दाखिल कराया था। घायल बेटियों की अस्पतालों से डॉक्टरों ने उपचार देने के बाद घर के लिए छुट्टियां कर दी गई है। जिसमें एक बेटी जिला फरीदाबाद के ही गांव मेवला महाराजपुर की निवासी थी। मामले की जांच कर रहे एसआई देवेन्द्र सिंह ने बताया कि बारात में वरमाला के दौरान हवाई फायरिंग करने वाले आरोपी की 90 फीसदी पहचान हो गई है। जिसे जल्द ही गिरफ्तार किया जाएगा। थाना प्रभारी इंस्पेक्टर सुरेश चंद ने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी के बाद ही हथियार लाइसेंसी था या अवैध पूछताछ से ही खुलाशा होगा। जिस समय हवा में फायरिंग की गई थी। उसम समय आरोपी ने शराब पी रखी थी या अन्य कोई रंजिश में फायरिंग की थी। यह सब बातों का खुलासा आरोपी की गिरफ्तारी के बाद ही हो सकेगा। पुलिस जल्द से जल्द आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए भरस्क प्रयास कर रही है।

मछलियों का शिकार कर रहे लोग

रादौर। पश्चिमी यमुना नहर में गांव कांजनू के पूल के पास पिछले कई दिनों से भारी संख्या में लोग अवैध तरीके से मछलियों का शिकार कर रहे हैं। दिनभर लोग नहर के पुल के नजदीक मछलियों का अवैध रूप से शिकार करने में लगे रहते हैं, लेकिन नहरी विभाग कुंभकर्णी नींद सोया हुआ है। जिसका लाभ उठाकर काफी संख्या में हर रोज लोग दूर दूर से गांव कांजनू में आकर बेखौफ मछलियों का अवैध तरीके से शिकार करने में लगे हुए हैं। जिससे लोगों में विभाग की कार्यप्रणाली को लेकर भारी रोष है। क्षेत्र निवासी राजवीर, विक्की, प्रदीप, रामकुमार आदि ने बताया कि नहर में इन दिनों पानी बहुत कम है। ऐसे में लोग नहर में घुसकर अवैध तरीके से जाल द्वारा मछलियों का शिकार कर रहे हैं। उनकी मांग है कि नहर में अवैध तरीके से मछलियों का शिकार करने वाले लोगों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही की जाये।

फर्दों में हेराफेरी कर बैंक से लिया 10 लाख का लोन, केस दर्ज

रादौर। हरियाणा ग्रामीण बैंक रादौर से एक व्यक्ति ने भुमि की फर्दों में हेराफेरी करके षडयंत्र के तहत बैंक से 10 लाख रूपये का लोन लेकर हड़प लिया। बैंक द्वारा मामले को लेकर संबंधित व्यक्ति को नोटिस भेजे गये, लेकिन संबंधित व्यक्ति द्वारा बैंक से ली गई राशि को वापिस नहीं लौटाया गया। जिसके बाद रादौर पुलिस ने बैंक के पूर्व मैनेजर की शिकायत पर एक व्यक्ति के विरूद्ध धारा 420, 467,468, 471 व 120बी के तहत मामला दर्ज किया है। मामले में नामजद व्यक्ति को पुलिस द्वारा अभी गिरफ्तार नहीं किया गया है। हरियाणा ग्रामीण बैंक रादौर के पूर्व मैनेजर प्रदीप पंजेटा खरकाली ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 27 जनवरी 2016 को सुरेशपाल ने बैंक से अपनी भुमि को रहन करके 10 लाख रुपये का लोन लिया था, लेकिन उसने लोन नहीं चुकाया। बाद जांच करने पर पाया गया कि सुरेशपाल ने पहले भी अपनी इस भूमि पर दूसरे बैंक से लोन लिया हुआ था। उसने अपनी भूमि की फर्द में हेराफेरी करके फिर से उसी भुमि पर उनके बैंक से लोन लेकर हेराफेरी की है। मामले की जांच के बाद आगामी कार्यवाही की जायेगी।

चेयरमैन रणधीर गोलन करेंगे विभिन्न विकास कार्यों का शुभारंभ

कैथल। हरियाणा पर्यटन निगम के चेयरमैन रणधीर गोलन 30 नवंबर को दोपहर 12 बजे गांव हाबड़ी के गुरुद्वारा में जनसभा को संबोधित करेंगे। उनके निजी सचिव संजीव कुमार ने बताया कि चेयरमैन रणधीर गोलन 1 दिसम्बर को 2 बजे पूंडरी शहर में सीवरेज सिस्टम का शुभारंभ करेंगे। इसके उपरांत 3 बजे गांव जड़ौला व 4 बजे पोबाला में बोरवैल का शुभारंभ करेंगे। उन्होंने बताया कि 2 दिसंबर को 3 बजे पाई गेट पूंडरी कम्युनिटी हॉल में गली का शुभारंभ करेंगे। चेयरमैन 3 दिसंबर को 12 बजे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में बनाए जाने वाले वाले रिहायशी मकानों का शिलान्यास करेंगे व 4 दिसंबर को गांव पाई में 2 बजे कबड्डी अकैडमी का शिलान्यास करेंगे।

कला प्रेमियों को मिला एक भव्य मंच

कैथल। स्थानीय माइलस्टोन सीनियर सेकेंडरी स्कूल कैथल में रविवार को नगर के कलाकारों एवं सांस्कृतिक, साहित्यिक अभिरुचि रखने वाले लोगों का जमावड़ा हुआ।

जिसमें प्रधान पद डॉ प्रद्युम्न भल्ला व उप प्रधान विश्वजीत के हांथों में सौंपा गया। राज बेअकल को प्रेस-प्रचार और डिजाइनिंग का दायित्व सौंपा गया। वहीं कुनाल और रविंदर रवि कैशियर के पद पर व अतुल शर्मा को महासचिव नियुक्त किया गया। महिला प्रतिनिधि वंदना शर्मा को व कुमार सुशील को सांस्कृतिक सचिव का पदभार ग्रहण करवाया गया। इस अवसर पर डॉ प्रद्युम्न भल्ला ने कहा कि सूफी गायन हो या गजल गीत, कविता, नृत्य - हर क्षेत्र के अभिरुचि रखने वालों को इस मंच से जोड़ा जा रहा है, ताकि कला का कोई भी क्षेत्र अछूता न रह पाए। ताकि अनभिज्ञ लोगों तक कला पहुंचाई जा सके व मृत होती कलाओं को जीवित रखा जा सके। कला का कोई भी क्षेत्र हो जैसे गायन, वादन, लेखन, चित्रण आदि सभी कलाकार इस मंच में आमंत्रित हैं। बैठक में कई उच्कोटी के सूफी गायक, वक्ता, कवि शामिल हुए जिन्होंने अपनी-अपनी कला से समा बांधा। इस अवसर पर रविंद्र रवि व डॉ प्रद्युम्न भल्ला और संजीव कुमार ने भी अपनी प्रस्तुति दी। सुलोचना वत्स ने सभी उपस्थितजनों का स्वागत सत्कार व मंच को अपनी गतिविधियों के लिए स्थान देकर किया। डॉ प्रद्युम्न भल्ला ने अतुल वत्स और उनकी माता सुलोचना वत्स का आभार व्यक्त किया।

110 गर्भवती महिलाएं पाई गई एचआईवी पॉजिटिव

कविता। फरीदाबाद

सरकार और स्वास्थ्य विभाग के लाख प्रयासों के बावजूद भी ज्यादातर लोग जानलेवा बीमारी एचआईवी के प्रति जागरूक नही हो रहे है। पिछले 12 सालों में ऐसे ही 110 मामले सामने आए है, जिनमें गर्भावस्था के दौरान की गई जांचों में महिलाओं को एचआईवी से ग्रस्त पाया गया। काउंसलिंग से पता चला कि महिलाएं अपने पति की लापरवाही से एचआईवी ग्रस्त हुई है।

जानकारी के मुताबिक एनआईटी निवासी एक 25 वर्षीय गर्भवती महिला करीब एक महीने पहले बीके अस्पताल में जांच के लिए आई थी। डाक्टरों की सलाह पर जांच कराने पर पता चला गर्भवती एचआईवी ग्रस्त है। पति को बुलाकर जांच की तो वह भी एचआईवी ग्रस्त पाया गया। काउंसलिंग करने पर पता चला कि महिला पति की वजह से एचआईवी की चपेट में आई है।

पिछले 12 सालों में ऐसे ही 110 मामले सामने आए है

अधिकारी का कथन

जिला डिप्टी सिविल सर्जन डॉ. शीला भगत ने बताया कि अधिकतर गर्भवती महिलाएं अपने पति की लापरवाही के कारण एचआईवी की चपेट में आई है। उन्होंने बताया कि कम उम्र में शादी के बाद मां बनना और फिर एचआईवी से ग्रस्त पाया जाना काफी गंभीर मामला है। बीते 12 सालों के आंकड़े देखे तो अब तक 110 गर्भवती महिलाएं एचआईवी की चपेट में आई है।

एचआईवी ग्रस्त महिलाओं का आंकड़ा

वर्ष	गर्भवती महिलाएं
2009	09
2010	05
2011	06
2012	07
2013	06
2014	11
2015	06
2016	11
2017	13
2018	16
2019	15
2020 अक्टुबर	05

जिले में लगा पहला प्लाज्मा डोनेशन का शिविर

फरीदाबाद। जिला प्रशासन के द्वारा फरीदाबाद मे प्लाज्मा बैंक स्थापित किये गये है। जिसमें सन्त भगत सिंह प्लाज्मा बैंक में रविवार को पहला प्लाज्मा शिविर सभी संस्थाओं के सहयोग से लगाया गया। रक्तदान शिविर की तरह ही प्लाज्मा शिविर मे कोरोना से ठीक हुए शहर के 17 लोगो ने अपने रक्त के सैम्पल दिये। जिसमे से 13 लोगो के सैम्पल में एंटीबॉडी पाई गई। प्लाज्मा की भारी कमी और बढ़ती हुई मांग को देखते हुए जगह जगह स्क्रीनिंग कैम्प और घरों से सैम्पल ले कर लोगों को संस्थाओ के सहयोग से फरीदाबाद डीसी यशपाल यादव की निगरानी में एसडीएम जितेन्द्र के नेतृत्व में ये प्लाज्मा बैंक द्वारा निरंतर तौर पर प्लाज्मा जागरुकता अभियान चलाये जा रहे है।

बैंक्वेट हॉल संचालक कराएं कोविड नियमों का पालन : डीसीपी

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

कोविड-19 के बारे में स्वास्थ्य विभाग व हरियाणा सरकार द्वारा जारी दिशा निर्देशों की पालना सुनिश्चित करवाने के लिए पुलिस उपायुक्त डॉ अर्पित जैन के दिशा निर्देशों पर कार्य करते हुए फरीदाबाद के सभी थाना व चौकी प्रभारी उनके एरिया में पढ़ने वाले बैंक्विट हॉल के मालिकों के साथ आवश्यक दिशा निर्देशों की पालना करवाने के बारे में मीटिंग कर रहे हैं। डॉ अर्पित जैन ने कहा की अभी शादियों का सीजन चल रहा है जिसके चलते बहुत ज्यादा भीड़ एक स्थान पर इकट्ठे हो रही है जिससे कोरोनावायरस फैलने का खतरा ओर अधिक बढ़ रहा है।

इसलिए आवश्यक है कि बैंक्विट हॉल के मालिकों को इसके बारे जागरूक किया जाए और समारोह में ज्यादा भीड़ इकट्ठी न हो, मास्क पहनना और पहनाना सुनिश्चित करें और प्रवेश द्वार पर सैनिटाइजर का प्रयोग करने संबंधित आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए हैं। इसलिए सभी थाना व चौकी प्रभारियों को आदेश दिए गए हैं कि वह अपने थाना क्षेत्र में पड़ने वाले सभी बैंक्विट हॉल मालिकों के साथ इस संबंध में मिले और उन्हें आवश्यक दिशा निर्देशों के बारे में अवगत कराया जाए।

धोखाधड़ी में बिल्डर चचेरे भाइयों को किया गिरफ्तार

फ्लैट देने के नाम पर 3 साल में हड़प लिये थे 21 लाख रुपये

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

फ्लैट देने का झांसा देकर लोगों से लाखों रुपये हड़पने वाले दो बिल्डरों को अपराध शाखा सेक्टर 30 की टीम ने गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी आपस में चचेरे भाई हैं। दोनों काफी दिनों से दर्ज मामले में फरार चल रहे थे। अब पुलिस इस मामले में लिप्त एक अन्य आरोपी की तलाश करने में जुटी हुई हैं।

क्राइम ब्रांच सेक्टर 30 प्रभारी इंस्पेक्टर विमल की टीम ने धोखाधड़ी के मामले में दो बिल्डर चचेरे भाइयों सुमित और वैभव को नोएडा से गिरफ्तार किया है। आरोपियों के खिलाफ थाना बीपीटीपी में शिकायतकर्ता द्वारा दी गई शिकायत के आधार पर सितंबर

2020 में धोखाधड़ी की धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता ने बताया था कि उन्होंने वर्ष 2011 में ईरा बिल्डर से नोएडा में एक फ्लैट बुक किया था। जिसमें 3 लाख 50 हज़ार रुपये डाउन पेमेंट लेने

दोनों काफी दिनों से दर्ज मामले में फरार चल रहे थे

के पश्चात 3 वर्ष तक हमने बिल्डरों को किस्त में पैसा दिया था। परंतु वर्ष 2014 तक बिल्डर ने फ्लैट मुहैया नहीं करवाया।

इसके पश्चात शिकायतकर्ता ने फ्लैट नहीं लेने की बात बिल्डर को कहीं और अपने पैसे वापस मांगे। परंतु बिल्डर शिकायतकर्ता के पैसे लौटाने में आनाकानी करता रहा। काफी समय बीतने के पश्चात भी जब शिकायतकर्ता को उसके पैसे वापस नहीं मिले तो उन्होंने कंपनी के डायरेक्टर के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवा दिया। क्राइम ब्रांच सेक्टर 30 व आर्थिक अपराध शाखा की टीम ने 26 नवंबर को बिल्डर के घर रेड कर 2 आरोपियों को धर दबोचा। जबकि इनका एक साथी हेम सिंह जोकि वैभव का पिता है, अभी भी फरार चल रहा है।

दोनो आरोपियों से गहनता से पूछताछ करने के लिए अदालत में पेश करके 1 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया। पूछताछ करने पर सामने आया कि काम ठप होने की वजह से वे शिकायतकर्ता को फ्लैट नहीं दे पाए और इनके पैसों की सारी जानकारी एक के तीसरे साथी वैभव के पिता हेम सिंह के पास है। पूछताछ करने के पश्चात दोनों आरोपियों को अदालत में पेश किया गया है। आरोपी वैभव के पिता की तलाश की जा रही है।

कोरोना: 6 मौत, 380 पॉजिटिव से आंकड़ा पहुंचा 40152

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिले में कोरोना के मरीजों की संख्या का आंकड़ा दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। रविवार को जिले में 380 मामले सामने आने से कोविड-19 का आंकड़ा 40152 पर पहुंच गया है। वहीं आंकड़ों में छह मौते बढ़ाकर मृतकों की संख्या का आंकड़ा 337 पर पहुंचा दिया गया है। लेकिन आंकड़ों में कोरोना नोडल अधिकारी डॉ. रामभगत ने मृतकों का पता बताने से इंकार कर दिया। उनका कहना है कि जिला सिविल सर्जन के द्वारा आदेश जारी किए गए है, कि अब मृतकों का पता नहीं बताया जाएगा। वहीं राहत की बात यह रही कि जिले में 736 लोगों ने कोरोना की जंग को जीत लिया, जिससे जिले का रिकवरी रेट 90.0 प्रतिशत पर पहुंच गया है।

यहां से पॉजिटिव

जिले में 380 पॉजिटिव में सेहतपुर, एनआईटी-1, यादव कालोनी, अमर नगर, प्रतापगढ़, आदर्श नगर, राजीव कालोनी, दयालपुर, सेक्टर-65, 82, 81, 86, 28, 77, 30, 88, 18, प्रहलादपुर, बड़ौली, भूपानी, पुरी प्रणायाम, बसंतपुर, पर्वतीया कालोनी, जवाहर कालोनी, चावला कालोनी, डबुआ, एसजीएम नगर, सेक्टर-37, 15, 11, एनएच-5, ग्रीनफिल्ड कालोनी, ईसमाईलपुर, मंझावली, हाउसिंग बोर्ड कालोनी, टिकावली, संजय इंक्लेव, गांधी कालोनी, सेक्टर-22, 55, 21, लकड़पुर, अनंगपुर, खेड़ीकला, भारत कालोनी, सेक्टर-7, 8, 10, 49, 45, 16, 17, जिला जेल, फ्रैंडस कालोनी, सैनिक कालोनी, नाहर सिंह कालोनी, एनएचपीसी कालोनी, बल्लभगढ़, और अन्य एरियों से मरीज शामिल है।

यह है आंकड़ा

जिले अब तक जांचे	335737
रिपोर्ट पॉजिटिव	40152
रिपोर्ट आनी शेष	295065
रिपोर्ट आनी शेष	520
गंभीर हालत में दाखिल	90
वेंटिलेटर पर भर्ती	17
अब तक कुल मौते	337
अब तक ठीक हुए	36145

संक्षिप्त समाचार

गुरू पर्व : इस बार नहीं निकलेगा नगर कीर्तन

गुरू पर्व के अवसर पर रोशनी से जगमगाता गुरूद्वारा

फरीदाबाद। गुरूद्वारा कमेटियों के द्वारा सोमवार को श्री गुरू नानक देव जी के प्रकाश उत्सव मनाने की तैयारियां पूरी कर ली। आज शहर में गुरूद्वारा कमेटियों के द्वारा इस बार कोरोना को ध्यान में रखते हुए नगर किर्तन नहीं निकाला जाएगा। कोरोना को ध्यान में रखते हुए सामाजिक दूरी और संक्रमण के बचाव का विशेष पालन किया जाएगा। एसजीएम नगर स्थित गुरुद्वारा दुख निर्वाण गुरुनानक दरबार के ग्रंथी जसविंदर सिंह और सेक्टर-15 स्थित गुरुद्वारा श्री सिंह सभा के जनरल सेक्रेटरी राणा भट्टी ने बताया कि प्रकाश उत्सव पर सोमवार को सुबह 5.30 प्रभात फेरी की जाएगी। उसके बाद सुखमनी साहब पाठ, मंडली द्वारा कीर्तन होने के बाद पैकिंग रूप में प्रसाद बांटा जाएगा। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के दौरान कोविड से बचाव के नियमों का विशेष पालन किया जाएगा। सेक्टर-16 स्थित सुखमनी भवन गुरुद्वारा कमिटी के सदस्य सरदार कुलदीप सिंह साहनी, टोनी पहलवान का कहना है कि प्रकाश उत्सव पर भीड़-भाड़ नहीं होने दी जाएगी। हर साल गुरुद्वारा और सार्वजनिक स्थानों पर आयोजित होने वाले विशाल लंगर का आयोजन न होकर पैकिंग में लंगर वितरण किया जाएगा। गुरुद्वारा में आने वाले लोगों की थर्मल स्क्रेनिंग से जांच और हाथ को सैनिटाइज कराने के बाद ही अंदर आने की अनुमति दी जाएगी। कहीं पर भी भीड़ न लगे इसके लिए प्रबंधन टीम विशेष इंतजाम करने में जुटी हुई है। जिसको लेकर सभी प्रकार की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

बिना मास्क घर से निकले तो भरना होगा जुर्माना : डॉ. जैन

फरीदाबाद। पुलिस हर तरीके से लोगों को कोरोना वायरस से बचाने में लगी हुई है। चाहे उसके लिए लोगों में जागरूकता अभियान चलाना हो, लोगों में मास्क वितरित करने हों या बिना मास्क वाले लोगों के चालान काटने हो। सवास्थ्य विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का उल्लंघन करने वालों के लगातार चालान काटे जा रहे हैं। फरीदाबाद पुलिस ने बीते 2 दिन में 19972 लोगों को नुक्कड़ सभाएं करके कोरोना बारे जागरूक किया और मास्क ना पहनने वाले 3462 लोगों के चालान किए हैं। इसके अलावा पुलिस ने कोरोना वायरस के दौरान अभी तक 53944 लोगों के चालान किए हैं और साथ ही नुक्कड़ सभाएं करके 2,53,714 लोगों को कोरोना वायरस के प्रति जागरूक भी किया है। पुलिस उपायुक्त मुख्यालय, डॉक्टर अर्पित जैन ने कहा कि बिना मास्क पहनकर घर से बाहर निकलकर चालान कटवाकर जुर्माने के भागीदार न बने। पुलिस किसी भी व्यक्ति का मास्क का चालान काटकर उनको आर्थिक हानि नहीं पहुंचाना चाहती। उन्होंने कहा कि लोगों को लगता है कि पुलिस जानबूझकर उनका चालान काटती है परन्तु उनको यह समझना चाहिए कि पुलिस का यह कर्तव्य है कि वह अपने नागरिकों को कोरोना जैसी महामारी से बचाए। उन्होंने बताया कि पुलिस ने अभी तक 2,53,714 लोगों को कोविड-19 के बारे में जागरूक करने के साथ-साथ उल्लंघन करने वाले 53,944 लोगों के चालान काटकर 2 करोड़,69 लाख,72 हजार रुपयों का जुर्माना किया गया है।

स्वाधीनता की सुरक्षा के लिए एकजुट होना आवश्यक: विवेक

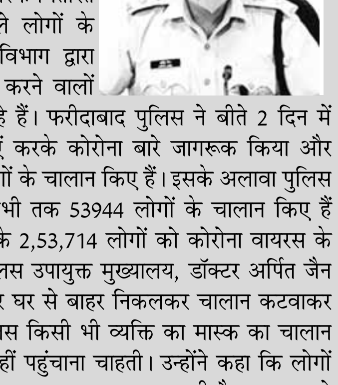

फरीदाबाद। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद हरियाणा के तत्वाधान में स्वाधीनता की सुरक्षा के उपाय विषय पर एक संगोष्ठी गूगल मीट व फेसबुक पर आयोजित की गई। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता आर्य केंद्रीय सभा पानीपत के प्रधान सुरेश गुगलानी ने की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हरियाणा फार्मेसी काउंसिल के अध्यक्ष धनेश अदलखा व हरियाणा फार्मेसी काउंसिल के सदस्य बीबी सिंघल रहे। परिषद के हरियाणा प्रधान स्वतंत्र कुकरेजा ने कार्यक्रम का सुंदर संचालन किया। कार्यक्रम की शुरुआत चंडीगढ़ से मीना सेठी ने अपने मधुर गीतों से की जिसने सभी को भावविभोर किया। उनके भजनों ने ईश्वर भक्ति का संदेश दिया। हरियाणा सरकार के राज्य औषधि नियंत्रक व केंद्रीय आर्य युवक परिषद के हरियाणा प्रभारी नरेन्द्र आहूजा विवेक ने स्वाधीनता की सुरक्षा के उपायों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि यह स्वतंत्रता के ऊपर आयोजित होने वाली संगोष्ठी का दूसरा भाग है। हमें अपनी पुरातन सनातन वैदिक संस्कृति की जड़ों से जुड़ना होगा, पाखण्डों अंधविश्वास के दीमक से बचना होगा, आपसी फूट के रोग से बचना होगा, स्वदेशी अपना कर वोकल फ़ॉर लोकल होना होगा। ब्रेन ड्रेन को रोक कर स्वदेशी अनुसंधान पर बल देना होगा। उग्रवाद आतंकवाद नक्सलवाद जैसी वामपंथी मानसिकता का सच जानना आवश्यक है। सृष्टि में रहने वाले सभी लोगों के लिए ईश्वर ने आचार संहिता के रूप में वेद का ज्ञान प्रदान किया है उसको मानना अत्यंत आवश्यक है। धर्म से जुड़कर ही हम पाश्चात्य संस्कृति के कुप्रभाव जैसे भोगवाद और विलासिता से मुक्ति पा सकते हैं। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने हरियाणा की समस्त इकाई को कार्यक्रम की सफलता के लिए आशीर्वाद दिया। उन्होंने स्वतंत्रता की इस व्याख्यान सीरीज को लंबा चलाने का भी सुझाव दिया। कार्यक्रम में मुख्य रुप से रोशन बिआला, संजय भारती वाशी चौधरी, संतोष अग्रवाल, शांतिप्रकाश आर्य, सुमित्रा कुकरेजा, सतपाल गुप्ता, विनय मल्होत्रा, भारत भूषण, रोशन आर्य, अंजू आहूजा, नरेश सोनी बिठमड़ा, नीरज अरोड़ा, रमन महाजन आदि उपस्थित रहे।

पार्क के सौंदर्यीकरण को दिये पार्षद ने एक लाख रुपये

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

मेरे जैसे मामूली सें इंसान को पार्षद बनाने में जिन लोगों ने मदद की उनके लिए मेरा भी कुछ कर्तव्य बनता है। यह बात वार्ड-21 के पार्षद जितेन्द्र भड़ाना (जित्ते भाई) ने दयाल बाग आरडब्लूए के प्रधान अजय सिंह और भगवान दास को अपने निजी कोष से 1 लाख रूपये का चैक सौपनें के उपरांत कही। इस कोष का इस्तेमाल आरडब्लूए सी-ब्लॉक के पार्क के जीर्णोदार और सौंदर्यीकरण पर खर्च करेगी। इस अवसर पर जितेन्द्र भड़ाना ने कहा कि वार्ड-21 मेरा परिवार है जहां के लोगों ने हमेशा मुझे अपने सिर आखों पर बिठाया है। उन्होनें कहा कि वार्ड में लोगो को सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हो इसके लिए वो कृतसंकल्प है। उन्होनें कहा कि इस पार्क के नवीनीकरण की फाईल उन्होनें नगर निगम में लगा रखी है लेकिन पार्क की हालत बहुत खराब हो रही थी इसी को देखते हुए एक पार्षद और वार्ड-21 के परिवार का सदस्य होने के नाते अपना फर्ज निभाते हुए मैने 1 लाख रूपये का चैक आरडब्लूए को सौपा।

ईनामी मोस्टवांटेड बदमाश पलवल से गिरफ्तार

आरोपी ने मुजेसर की मछली मार्किट के व्यापारी से की थी मारपीट

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

अपराधियों के विरुद्ध चलाये गये अभियान में आयुक्त ओपी सिंह, पुलिस उपायुक्त अपराध व सहायक पुलिस उपायुक्त अपराध के दिशा निर्देशों पर कार्य करते हुए क्राइम ब्रांच सेक्टर 17 प्रभारी इंस्पेक्टर संदीप मोर व उनकी टीम ने 5000 रुपये के ईनामी मोस्टवांटेड योगेश को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है।

गत 26 नवंबर को गुप्त सुचना मिलीं कि पलवल जिले के गांव जलाह्का का रहने वाला योगेश अपने घर वालों से मिलने आयेगा। गुप्त सुचना के आधार पर तुरंत कार्यवाही करते हुए उच्च अधिकारियो को अवगत किया गया और आरोपी के घर रेड की गयी। आरोपी योगेश पुलिस को देख कर बचने की नियत से अपने घर की छत से कूद कर भागने लगा।

क्राइम ब्रांच की टीम ने साहस का परिचय देते हुए छत से कूद कर आरोपी का पीछा किया। आरोपी योगेश छत से कूदने की वजह से ज्यादा भाग नही सका और वही गिर गया जिसे तुरन्त काबू किया गया। आरोपी ने बताया कि उसके दोनों पैरों में दर्द हो रहा है, आरोपी को हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया तो पता चला कि आरोपी के दोनो पैरों की हड्डी में फ्रैक्चर है। आरोपी को अस्पताल से छुट्टी मिलने के पश्चात आरोपी को गिरफ्तार कर पूछताछ की गई। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि उसने जून 2020 में अपने दोस्त सोनू व अन्य साथियों के साथ मुजेसर की मच्छी मार्केट में अंसार अली के ऑफिस में उसके साथ मारपीट की और उसे जान से मारने की धमकी देकर वहां से फरार हो गए थे। इस मामले में उनके खिलाफ थाना मुजेसर में लड़ाई झगड़े व अवैध हथियार के जुर्म के तहत मुकदमा नंबर 303 दर्ज किया गया था। आरोपी के पांच अन्य साथियों को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है।

एआईसीटीई के चेयरमैन करेंगे जगदीश चंद्र बोस की प्रतिमा का अनावरण

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) के अध्यक्ष प्रो. अनिल सहस्त्रबुद्धे 30 नवंबर, 2020 को महान वैज्ञानिक जगदीश चंद्र बोस की 162वीं जयंती के उपलक्ष्य में जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में जगदीश चंद्र बोस की प्रतिमा का अनावरण

करेंगे। जगदीश चंद्र बोस की प्रतिमा को विज्ञान के लिए उनके योगदान के शिलालेख के साथ कुलपति सचिवालय के सामने स्थापित किया जा रहा है।

इस संबंध में कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने बताया कि जगदीश चंद्र बोस को देश के सबसे बड़े अंत:विषय वैज्ञानिक के रूप में देखा स्वीकार किया जाता है। वह रेडियो और वायरलेस संचार के जनक थे और यह साबित करने वाले पहले वैज्ञानिक थे कि पौधों में भी जीवन होता है।

रक्तदान के लिए पुलिस कर्मी आगे आए

फरीदाबाद। सेक्टर 9 के रोटरी ब्लड बैंक में खून की कमी के चलते आपातकाल में एक दिन के नोटिस पर आयोजित रक्तदान शिविर में फरीदाबाद पुलिस रक्तदान करने के लिए आगे आई। जिसमें कुल 18 यूनिट ब्लड डोनेट किया गया। इस रक्तदान शिविर का आयोजन पुलिस उपायुक्त डॉ अर्पित जैन की पहल पर ब्लड बैंक रोटरी क्लब ऑफ़ फरीदाबाद सिटी व स्क्रू लेबोरेट्री की मदद से किया गया।

वूमेंस पावर ने किया रक्तदान शिविर का आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

वूमेंस पावर टीम ने लगाया अपना दूसरा ब्लड डोनेशन कैंप रोटरी ब्लड चैरिटेबल एसोसिएशन के सहयोग से लगाया। जिसमें रोटरी से दीपक प्रसाद और डॉ. हेमंत अत्रि और उनकी टीम मौजूद रही। इस शिविर में सभी सेक्टर 23 वासियों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। वूमेंस पावर के प्रेसिडेंट चांदनी आजाद अली फर्स्ट ब्लड डोनेशन कैंप में ही यह प्रण लिया था, कि वूमेंस पावर हर 4 महीने में ब्लड डोनेशन कैंप का आयोजन करेगी, जोकि

थैलेसीमिया ग्रस्त बच्चों के लिए जाए। एडवोकेट अरविंद छाबड़ी, हिंदू महासभा ट्रस्ट से जग विजय वर्मा, वीर भारत ट्रस्ट से संगीता नेगी, दिनेश सिंह और सेक्टर 23 से सामाजिक कार्यकर्ता प्रवीण दत्त, दीपांशु अरोड़ा, शुभम मित्तल, साहिल खान, अनिल दहिया, दीपक नरूला मौजूद रहे।

परिवार पहचान पत्र से मिलेगा सरकारी सुविधाओं का लाभ

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

उपायुक्त यशपाल के दिशा निर्देशों पर जिला के शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में रविवार को निर्धारित स्थानों पर कैम्प लगाकर लोगों के परिवार पहचान पत्र बनाने का कार्य जिला प्रशासन द्वारा जन प्रतिनिधियों के सहयोग से किया जा रहा है। रविवार को जिला मे अतिरिक्त उपायुक्त कम परिवार पहचान पत्र बनाने के नोडल अधिकारी सतबीर मान के मार्ग दर्शन मे जिला के तीनों फरीदाबाद, बड़खल तथा बल्लभगढ़ उपमडंलो के शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में परिवार पहचान बनाने का काम निरन्तर किया जा रहा है। परिवार पहचान पत्र बनाने के लिए उपमडंल स्तर पर उपमडंल (नागरिक) अधिकारी को यह दायित्व सौंपा गया है। जिला में दो दिवसीय शनिवार और रविवार के कैम्पों के लिए शहरी क्षेत्रों में तहसीलदार को और ग्रामीण क्षेत्रों में बीडीपीओ को इन कैम्पो का प्रशासनिक इन्चार्ज बनाया गया है।

एडीसी ने बताया कि जिला में प्रशासन द्वारा शहरी क्षेत्रों और ग्रामीण क्षेत्रों में दोनों

दिनों में प्रात: 10 से सायं 05 बजे तक प्रशासन द्वारा अलग अलग प्रस्तावित जगहों पर शहरो में सम्बन्धित वार्ड पार्षदो और गावों मे सरपंचों के सहयोग से आम जन के लिए परिवार पहचान पत्र बनाने के कार्य निशुल्क किया गया। उन्होंने बताया कि जिला में शनिवार और रविवार को प्रशासन द्वारा लोगों के परिवार पहचान पत्र बनाने में जन प्रतिनिधियो का सहयोग लिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि शहरी क्षेत्रों के सम्बन्धित वार्ड पार्षदो तथा ग्रामीण क्षेत्रों में सरपंचों के सहयोग से सरकार द्वारा जारी हिदायतो के अनुसार हजारों लोगों की आई डी प्रुफ परिवार पहचान पत्र बनाने के लिए ऑनलाईन किए गए। एडीसी सतबीर मान ने बताया कि रविवार को बल्लभगढ़ वार्ड नंबर 36 के आजाद नगर में, सामुदायिक भवन मुजेसर, सामुदायिक भवन सैक्टर-23, फरीदाबाद में बीजेपी कार्यालय मे शहरी क्षेत्रों में और गांव अटाली, सागरपूर, अटेरना, हरफला, फतेहपुर बिलौच, दयालपुर, कैलगांव, गढखेड़ा, खनदावली व करनेरा तथा टीकावली, पलवली, भूपानी, ताजपुर, सूरपूरा, खेड़ी खुर्द, खेड़ी कलां, लालपूर, नचौली, राजपूर कलां, भतोला, तिलपत, आलमपुर, बड़ौली, भाकला, कांवरा सहित ग्रामीण क्षेत्रों में सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार परिवार पहचान पत्र बनाने का कार्य किया गया।

उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार भविष्य में परिवार पहचान पत्र बनाने के बाद सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ, बुढापा पैंशन सहित अन्य सभी सरकारी लाभ लोगों को इसी के माध्यम से मिलेंगे। उन्होंने बताया कि परिवार पहचान पत्र बनाने के लिए जागरूकता अभियान बारे प्रशासनिक अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों सरपंचों, वार्ड पार्षदो और वैलफेयर सोसाइटियो के प्रतिनिधियो तथा समाज सेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियो की एक बैठक भी आयोजित की गई थी। इसी कडी में गत शनिवार और रविवार को जिला के शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में सार्वजनिक स्थानों पर प्रात: 10 बजे से सायं 05 बजे तक प्रशासन द्वारा सम्बन्धित जनप्रतिनिधियों के सहयोग से इन परिवार पहचान पत्र बनाने के लिए कैम्पों का आयोजन किया जा रहा है। एडीसी ने बताया कि परिवार पहचान पत्र बनाने के लिए परिवार की दो आईडी और आधार कार्ड व आय कर दाता हो तो उसका पैन कार्ड होना अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि रविवार को परिवार पहचान पत्र बनाने के जरूरी कागजात आनॅलाईन अपलोड किए गए। उन्होंने आगे बताया कि रविवार को आम जन के परिवार पहचान पत्र बनाने का पीपीपी मोड पर किया गया। एडीसी सतबीर मान ने आगे बताया कि जिला के सभी सरल केन्द्र, अटल सेवा केन्द्रो पर वर्किगं डे/कार्य दिवसों पर प्रति दिन परिवार पहचान पत्र बनाने का कार्य नियमित रूप से किया जा रहा है।

हैदराबाद की जंग

भाजपा की तेलंगाना पर नज़र

शहर के निकाय चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने चोटी के नेता मैदान में उतार कर स्पष्ट कर दिया है कि वह 2023 में तेलंगाना पर विजय पाना चाहती है। केन्द्र में सत्तारूढ़ भाजपा एक के बाद दूसरे राज्य पर कब्जा करने के लिए प्रयासरत है। जिस प्रकार वह बंगाल में अति-सक्रिय है और किसी कीमत पर वहां विजय पाना चाहती है, उसी प्रकार दक्षिण के राज्यों में भी कब्जा जमाने को प्रयासरत है जहां उसका कर्नाटक पर शासन है। उसने 1 दिसंबर को होने वाले ग्रेटर हैदराबाद म्यूनिसिपल कार्पोरेशन-जीएचएमसी चुनाव में प्रचार के लिए अपने दिग्गज नेताओं को मैदान में उतार दिया है। इनमें केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जे.पी.नड्डा, कई केन्द्रीय मंत्री तथा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शामिल हैं। पार्टी अपने मतदाताओं को एकजुट कर इसे तेलंगाना विधानसभा पर कब्जे का प्रवेशद्वार बनाना चाहती है। भाजपा हैदराबाद में केवल चार वार्ड जीत सकी थी, जबकि तेलंगाना राष्ट्र समिति-टीआरएस के कब्जे में 99 तथा असदुद्दीन ओवैसी के नेतृत्व वाली एआईएमआईएम का 44 वार्डों पर कब्जा था। 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा 17 सीटों में से चार पर विजय पा सकी थी। हालांकि, 2014 में उसकी केवल एक सीट थी। दुबक्का विधानसभा उपचुनाव में विजय से भाजपा को उम्मीद बंधी है कि वह अब यहां अपना प्रसार कर सकती है। यह मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव-केसीआर के विधानसभा क्षेत्र से सटी सीट है जहां भाजपा की विजय से मनोवैज्ञानिक प्रभाव पैदा हुआ है। राज्य में कांग्रेस की पूरी तरह बरबादी को देखते हुए भाजपा उसके स्पेस पर कब्जा करना चाहती है। हैदराबाद एक साइबर हब है और इस दृष्टिकोण

से उसका स्थान बैंगलुरू के निकट है। भाजपा यहां कब्जा कर स्वयं को डिजिटल रूप से सशक्त भारत में ज्ञान अर्थव्यवस्था का प्रतिनिधि बनाना चाहती है। हैदराबाद का व्यापक मुस्लिम चरित्र भाजपा के हिंदुत्व के खिलाफ है। यदि भाजपा यहां मतदाताओं को अपने पक्ष में लाने में सफल होती है तो यह उसकी विचारधारा की विजय भी होगी। इससे भाजपा को ओवैसी से मुक्ति पाने में भी सहायता मिलेगी जिन्होंने सेक्युलर शक्तियों की कीमत पर अपनी राजनीति चमकाई है। अब तक ओवैसी को भाजपा की बी टीम तथा वोटकटवा कहा जाता है, लेकिन अब महाराष्ट्र और बिहार में विस्तार के बाद वे केवल हैदराबाद तक सीमित नहीं हैं तथा बंगाल में भी अपना विस्तार करना चाहते हैं। हैदराबाद में जीतने का अर्थ ओवैसी को उनके घर तक सीमित करना होगा। यह भाजपा नेता तेजस्वी सूर्या के बयानों से स्पष्ट है जो ओवैसी को मुहम्मद अली जिन्ना का अवतार बताते हैं। इस प्रकार नगर निकाय चुनाव में स्थानीय मुद्दों के अलावा पाकिस्तान, ओसामा बिन लादेन, आतंक, रोहिंग्या, आदि पर बातें हो रही हैं।

इस परिदृश्य में केसीआर की क्या स्थिति है? उन्होंने संसद में महत्वपूर्ण विधेयक पास कराने में भाजपा की सहायता की और विवादास्पद मुद्दों पर तटस्थ रहे। लेकिन 2019 लोकसभा चुनाव में भाजपा की भारी विजय के बाद अब उसे सहयोगियों के बजाय राज्यों में अपनी शक्ति बढ़ाने की जरूरत महसूस हो रही है। बिहार के जनादेश ने दिखा दिया है कि मोदी के व्यक्तित्व का आकर्षण बना हुआ है और ऐसे में राव को अपने राज्य में नेता के रूप में अपनी छवि मजबूत करनी होगी। उन्होंने इसके लिए धार्मिक के बजाय सामाजिक मुद्दों पर जोर दिया है तथा जनता के अधिकारों को महत्वपूर्ण माना है। टीआरएस ने भाजपा-विरोधी बयानबाजी तेज कर हर वार्ड में अपनी विजय सुनिश्चित करने का प्रयास किया है। केसीआर जानते हैं कि अभी भाजपा की बंगाल में तृणमूल कांग्रेस से कड़ी टक्कर है और वह दिल्ली में आम आदमी पार्टी-आप को नहीं हरा सकी है। केसीआर को हिंदू-मुस्लिम जाल में नहीं फंसना तथा उन सामाजिक लक्ष्यों को पुनर्जीवित करना चाहिए जिनके पक्ष में वे खड़े थे। हिंदू वोट गंवाने के भय से वे ओवैसी से दूरी बना रहे हैं। केसीआर को चुनाव में सार्वजनिक क्षेत्र की ट्रेड यूनियनों का समर्थन प्राप्त है।

नाजुक मोड़ पर बंगाल की राजनीति

अभी भी बहुत सी समस्याएं हैं जिनसे भाजपा के लिए सर्वाधिक महत्वपूर्ण है यह सुनिश्चित करना कि 2019 में जो समर्थन पश्चिम बंगाल में उसने हासिल किया था वह न केवल बना रहे बल्कि अतिरिक्त वोट भी हासिल हो सकें।

स्वपन दासगुप्ता
(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं सांसद हैं)

कुछ पाश्चात्य लोकतंत्रों के विपरीत जहां राजनीतिक दलों के साथ जुड़ाव आजीवन बने रहने की प्रवृत्ति होती है, एक्टिविस्टों के लिए राजनीतिक संबद्धता में अच्छी-खासी तरलता पाई जाती है। ऐसा अंशतः इसलिए - अपवादस्वरूप कांग्रेस, भाजपा, कम्युनिस्ट एवं चंद क्षेत्रीय दलों को छोड़कर, भारत में दलीय व्यवस्था अभी भी उद्विकसित हो रही है और व्यक्तियों पर अत्यधिक निर्भर होती है। इसके अतिरिक्त, चूंकि राजनीति केवल सत्ता प्राप्ति के लिए की जाती है, और मेरा अर्थ यह नहीं है कि यह बात निंदा का विषय है, व्यक्ति राजनीतिक दलों को अपने लक्ष्यों की पूर्ति के साधन के तौर पर देखते हैं। परिणामस्वरूप, किसी भी राजनीतिक दल का राजनीतिक दीर्घवृत्त अनवरत रूप से राजनीतिक दलों के बीच लोगों के आवागमन का साक्षी बनता है। आज, उदाहरण के लिए, राम मनोहर लोहिया के पूर्ववर्ती अनुयायी लगभग सभी राजनीतिक दलों में पाए जाते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि भारतीय समाजवादियों का राजनीतिक दल सृजित करने एवं उनका पोषण करने का भयावह रिकार्ड रहा है।

आने वाले चुनाव सामान्य तौर पर सक्रिय कार्यकर्ताओं के लिए वफादारियां बदलने का अवसर होते हैं। ऐसे दलबदलों को जनमत का बैरोमीटर भी माना जाता है, चूंकि अपने राजनीतिक भविष्य पर निगाह लगाए स्थानीय नेता संभावित रूप से जीतने वाले पक्ष की ओर जाने को उद्यत रहते हैं। जनवरी 1977 में, जगजीवन राम, हेमवती नंदन बहुगुणा और नंदी सत्पथी द्वारा कांग्रेस से दल बदलकर चले जाने से राजनीतिक भूचाल आ गया जिसकी चरम परिणिति इंदिरा गांधी की पराजय के रूप में हुई।

इस अवस्था में पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की सरकार से सुवेंदु अधिकारी के त्यागपत्र के प्रभाव की प्रत्याशा करना कठिन है। त्यागपत्र से पहले कई महीनों तक तनावपूर्ण संबंधों का दौर चला जो राजनीतिक अवस्थापना में मुख्यमंत्री के भतीजे अभिषेक बनर्जी की भूमिका पर केंद्रित था। अधिकारी ने, तृणमूल कांग्रेस प्रमुख के पुराने समय के सहयोगियों के साथ, अभिषेक की बढ़ती ताकत एवं उन्हें नुकसान पहुंचाने के उसके प्रयासों का विरोध किया था। मुकल रॉय, जो कभी तृणमूल कांग्रेस में नंबर-2 माने जाते थे, ने पार्टी छोड़कर 2017 में भाजपा का दामन थाम लिया था। अब अधिकारी, जिनका मिदनापुर के दो जिलों में अच्छा-खासा प्रभाव है, ने पाला दिल लिया है। यद्यपि वो अभी भी नाममात्र के तौर पर तृणमूल में ही हैं, कुछ ही समय बचा है जब वो अन्य लोगों के साथ पार्टी छोड़ देंगे। वो भाजपा में शामिल होने में ज्यादा लंबा समय नहीं लेंगे।

पिछले 18 महीनों में, लेकिन मुख्यत: 2019 के आम चुनावों के पश्चात जब यह देखकर सभी आश्चर्यचकित रह गए थे कि भाजपा ने राज्य की 42 लोकसभा सीटों में से 18 पर जीत हासिल कर ली और 40 प्रतिशत लोकप्रिय मत हासिल किए, भाजपा पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के लिए बड़ी चुनाती बनकर उभरी है। भाजपा, जो राज्य में कभी मामूली हैसियत रखती थी और स्थानीय राजनीति में उसकी वास्तविक मौजूदगी नहीं हुआ करती थी, ने वामपंथी दलों व कांग्रेस को पीछे छोड़ दिया है। 2019 के आम चुनाव में, वामपंथ का जनाधार काफी सिकुड़ गया था और उसका काफी बड़ा हिस्सा भाजपा के खाते में चला गया।

वहां पर अभी भी बहुत सी समस्याएं हैं जिनसे भाजपा को पार पाना होगा यदि वह अगले ग्रीष्मकालीन विधानसभा चुनावों में तृणमूल कांग्रेस को पछाड़ना चाहती है। इनमें से सर्वाधिक महत्वपूर्ण है यह सुनिश्चित करना कि 2019 में जो 40 प्रतिशत समर्थन उसने हासिल किया था वह न केवल बना रहे बल्कि अतिरिक्त वोट भी हासिल हो सकें। यह एक चुनौतीपूर्ण संभावना है क्योंकि तृणमूल कांग्रेस सरीखे क्षेत्रीय दल लोकसभा चुनावों की तुलना में विधानसभा चुनावों में ज्यादा बेहतर प्रदर्शन करते हैं। वामपंथ, जिसका प्रदर्शन 2019 के चुनावों में बहुत खराब रहा था और राज्य में लोकसभा की एक भी सीट जीत नहीं पाया, जैसा कि 1952 से पहली बार हुआ, पर आज वामपंथ भी उम्मीद रखे हुए है कि कांग्रेस के साथ उसका गठबंधन विधानसभा चुनावों में उसके लिए लाभकारी साबित होगा। ऐसी स्थिति में, भाजपा के पास दो विकल्प हैं।

सर्वप्रथम, उसे तृणमूल कांग्रेस के वर्तमान जनाधार में सेंध लगाने की आवश्यकता है। 2019 के लोकसभा चुनावों में, भाजपा अधिकारी परिवार के गढ़ माने जाने वाले पूर्वी मिदनापुर में भीतर तक प्रविष्ट होने में विफल रही थी। अधिकारी परिवार के सदस्यों ने जुमलुक और कोंताई की सीटें जीती थीं। इसके अतिरिक्त तृणमूल ने घटाल सीट पर जीत हासिल की थी। यदि अधिकारी परिवार के सदस्य भाजपा में शामिल हो जाते हैं, तो भगवा पार्टी पश्चिम बंगाल के पैमानों पर अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए बेहतर स्थिति में आ जाएगी। यदि सुवेंदु अधिकारी को आवश्यकता है कि भाजपा राज्य में अपनी राजनीतिक प्रासंगिकता प्रदर्शित करे, भाजपा को अपनी पूर्व अस्तित्वमान ताकत में इजाफा करने के लिए संपूर्ण पूर्वी इलाके व पूर्वी मिदनापुर में प्रभाव जमाने की आवश्यकता होगी। भाजपा में वे लोग जिनका मानना है कि अन्य दलों को छोड़कर आने वालों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए क्योंकि पार्टी के अपनी वर्तमान ताकत पर जीतने की बात यथार्थपरक नहीं है। समर्थन में ऐसे महत्वपूर्ण अंतराल हैं जिन्हें भाजपा को पाटना होगा, कोलकाता के इर्द-गिर्द नगरीय गुच्छ इसके महत्वपूर्ण उदाहरण हैं, यदि वह 2021 में कोलकाता में सरकार बनाने की उम्मीद रखती है।

दूसरे, भाजपा की यह धारणा महत्वपूर्ण है कि तृणूमल कांग्रेस अपने स्वयं के अंतरविरोधों के बोझ तले टूट रही है। किसी भी चुनाव में विभिन प्रकार के प्रभाव होते हैं जहां अनिर्णय की स्थिति से गुजर रहे मतदाता उस पार्टी की ओर चले जाते हैं जो स्पष्ट लाभ की स्थिति में नजर आती है। पश्चिम बंगाल के मुस्लिम समुदाय में, जहां मतदाताओं की सामर्थ्य 27 प्रतिशत से 30 प्रतिशत तक है, अहम भूमिका अदा करती है। यह तबका भाजपा की पहुंच के बाहर है ओर तृणमूल कांग्रेस के समर्थन में खड़ा है, सिर्फ तीन जिलों को छोड़कर जहां कांग्रेस का प्रभाव है। यदि ऐसा होता नजर आए कि ममता का नैया डगमगा रही है, तो मुस्लिम मतदाताओं में या तो वामपंथ-कांग्रेस गठबंधन अथवा उन मुस्लिम दलों की ओर जाने की होड़ पैदा होगी जो मुसलमानों को स्वतंत्र आवाज देने के लिए आक्रामक ढंग से प्रचार कर रहे हैं। वैकल्पिक रूप से, भाजपा से खतरे को भांपकर, मुस्लिम समुदाय वापस तृणमूल कांग्रेस की ओर मजबूत मताधार बनकर जा सकता है। हालांकि, मुसलमान मतदाताओं के समक्ष गैर-तृणमूल विकल्प रखना कठिन होगा यदि धारणा सत्ताधारी दल के पक्ष में जाती है। यही कारण हैं कि सुवेंदु अधिकारी ड्रामे के अगले कुछ कदमों को निकट से देखे जाने की आवश्यकता है। पश्चिम बंगाल की राजनीति बहुत नाज़ुक दौर में पहुंच गई है।

आंकड़ा सुरक्षा की आवश्यकता

"भारत को डेटा सुरक्षा की आवश्यकता समझते हुए फेसियल आइडेंटीफिक्रेशन तकनीक के प्रयोग पर सहमति बनाने का प्रयास करना चाहिए।"

कुणाल किसलय
(लेखक इंटीग्रेटेड विजार्ड साल्यूशंस के सीईओ हैं)

कोविड-19 महामारी ने अनेक उद्यमों को किसी प्रकार अपना जीवन बचाने के लिए प्रेरित किया है। उन्होंने प्रभावी व सुरक्षित रूप से काम करने के लिए कंप्यूटर विज़न जैसी तकनीकें अपनाने का प्रयास किया है। कंप्यूटर विज़न सीसीटीवी नेटवर्क का प्रयोग कर एक कार्ययोजना बनाता है। अनेक कार्यालयों ने कांटैक्टलेस हाजिरी की व्यवस्था शुरू की है जहां फेस आइडेंटीफिक्रेशन तकनीक के प्रयोग से कैमरा मास्क लगाए व्यक्ति को भी पहचान लेता है। फेसलेस तकनीक का प्रयोग कोरोनावायरस संक्रमण का फैलाव रोकने के लिए भी हो रहा है, लेकिन इस तकनीक के विस्तार ने विश्व स्तर पर नस्ली भेदभाव का दुरुपयोग जैसी आशंकाओं को भी जन्म दिया है। अश्वेत समुदाय के लोगों के खिलाफ अनेक प्रकार के पूर्वाग्रहों को देखते हुए अमेरिकी डेमोक्रेटिक पार्टी के विधि-निर्माताओं ने एक कानून पेश किया है जिसमें कानून लागू करने वाली परिसंघीय एजेंसियों द्वारा फेसियल रिकग्नीशन तकनीक पर प्रतिबंध लगाने को कहा गया है।

भारत ने अभी देशव्यापी स्तर पर फेस रिकग्नीशन तकनीक कार्यक्रम की शुरुआत नहीं की है। ऐसे चरण पर हमें दूसरों की गलतियों से सीख लेकर ऐसे कानून बनाने चाहिए जो शक्तिशाली तकनीक पर लगाम लगाएं ताकि हमारे नागरिकों की स्वतंत्रता व निजता का हनन न हो सके। फेसियल रिकग्नीशन तकनीक के ऐसे अनेक प्रयोग हैं जो पूरी तरह हानिरहित दिखते हैं। उदाहरण के लिए फेसबुक टैग इसका प्रयोग चित्रों में व गूगल फोटो चेहरों के अनुसार संगठन में करते हैं। इस तकनीक ने इमैजिनेशन प्रक्रिया को सुरक्षित, सरल और तेज बना दिया है। इसमें 160 देशों से एकत्रित सूचना का प्रयोग कर अपराधियों

का डेटाबेस बनाया गया है। इससे 650 से अधिक गायब लोगों की पहचान 2016 में की गई थी। आज इसका प्रयोग अनेक क्षेत्रों में हो रहा है। निजता और निगरानी के सरोकार अनेक प्रकार के नस्ली भेदभाव तथा सूचनाओं के अवैध प्रयोग से पैदा हुए हैं। मिशिगन में एक निरपराध व्यक्ति को पूरा दिन पुलिस हिरासत में बिताना पड़ा था क्योंकि फेस रिकग्नीशन व्यवस्था ने गलती से उसे एक दूकान में चोरी करने वाला बता दिया था। अश्वेत लोगों की गलत पहचान करने के अनेक उदाहरण हैं। इसका कारण यह है कि श्वेत लोगों की तुलना में अश्वेत लोगों के बारे में अनेक गलत गणनायें गलत नतीजे निकालती हैं। अनेक प्रदर्शनों व ब्लैक लाइव्स मैटर्स आंदोलन के कारण कानून द्वारा संघीय फंडिंग के लिए फेस रिकग्नीशन तकनीक पर प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव किया गया है। अमेरिका की सीमा के बाहर इस तकनीक का प्रयोग अवैध होगा। प्रस्तावित कानून का उल्लंधन करने वाली प्राप्त सूचना का प्रयोग न्यायिक कार्यवाहियों में नहीं हो सकेगा। इसमें स्पष्ट रूप से अधिकतम सुरक्षा सुनिश्चित करने की बात कही गई है। नस्ली भेदभाव के मामले अमेरिका में चिन्ता के कारण हैं और मई में जार्ज फ्लायड की हत्या के बाद फेस रिकग्नीशन तकनीक पर भी निशाना लग रहा है। अनेक अध्ययनों से पता चला है कि यह अश्वेत लोगों तथा खासकर अश्वेत महिलाओं की पहचान में अधिकतम गलतियां करती है, जबकि श्वेत पुरुषों की पहचान में ठीक काम करती है।

भारत में विभिन्न रंगों वाली त्वचा के लोग हैं, लेकिन दंड न्याय प्रणाली उनके रंग के कारण भेदभाव पर आधारित नहीं है। हम जाति, नस्ल, आर्थिक स्तर व धर्म के आधार पर भेदभाव करते हैं। ऐसे में भारत में फेस रिकग्नीशन साफ्टवेयर अमेरिका की तरह खतरा नहीं पैदा करता है। लेकिन तकनीक के दुरुपयोग से निजता पर खतरे की बात कही जाती है। सीबीएसई व भारतीय रेलवे बड़े पैमाने पर फेस रिकग्नीशन तकनीक का प्रयोग करने वाले संस्थान हैं। बैंगलुरू रेलवे स्टेशन में एक शक्तिशाली सीसीटीवी व्यवस्था हे जो अपराधियों का डेटाबेस तैयार करने में फेस रिकग्नीशन तकनीक का प्रयोग करती है। तकनीक की हर चरण पर निगरानी करनी पड़ती है। भारत में कुछ लोग इसके कारण डेटा सुरक्षा तथा सूचनाओं के दुरुपयोग को लेकर चिन्तित हैं।

तकनीक में प्रगति को देखते हुए सामाजिक असुरक्षा की संभावित स्थितियों पर गौर करना होगा। हमें डेटा निजता, संरक्षण व नैतिकता पर ध्यान देना होगा ताकि मजबूत कानूनी ढांचा बना कर बायोमीट्रिक व फेसियल रिकग्नीशन साफ्टवेयर के दुरुपयोग से बचा जा सके। पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन बिल, 2019 की समीक्षा कर इसे कानून बनाना चाहिए। फेसियल रिकग्नीशन तकनीक के साथ काम करने वाले लोगों को डेटा फीडिंग व इसके आधार पर नतीजे निकालने में सावधानी बरतनी होगी। हमें इस तकनीक के प्रयोग पर सहमति जुटानी होगी। लगातार सुधार से गलतियां पूरी तरह दूर होने की उम्मीद है। उचित नीतियों व कानून से फेस रिकग्नीशन तकनीक कानून को अंधा नहीं रहने देगी क्योंकि कानून लागू करने वाली एजेंसियां चौबीसों घंटे लाखों सीसीटीवी के माध्यम से देश भर में सुरक्षा सुनिश्चित कर सकेंगी।

आप की बात

यह कैसा स्वागत?

अक्सर यह देखा गया है कि जब कोई नेता, विधायक, मंत्री किसी आपराधिक प्रकरण में दोषी पाए जाते हैं और उन्हें जेल होती है। जमानत होते ही बधाई और स्वागत का सिलसिला शुरू हो जाता है जो यह सोचने को मजबूर करता है कि अपराध आखिर कौन सी बहादुरी का काम है? इस तरह के प्रयास नैतिक पतन के साथ ही गुनाहों को पोषण देने वाले हैं। भोपाल के विधायक की अग्रिम जमानत की अर्जी मंजूर होने पर स्वागत किया जाना समझ से परे है। जाहिर है कि 30 अक्टूबर को भोपाल विधायक द्वारा भीड़ एकत्रित करके फ्रांस का ध्वज और राष्ट्रपति का पुतला जलाया गया था।इतना ही नहीं विधायक ने केंद्र के मंत्रियों की रीति नीति पर भी सवाल उठाए थे। बात यहां से भी आगे बढ़ी और जोश में भरे विधायक हिंदुस्तान में ईट से ईट बजाने का दावा कर गए। इस मामले को लेकर विधायक के साथ ही 400 अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। आरिफ फरार रहे और हाईकोर्ट से अग्रिम जमानत मिलने पर कांग्रेस कार्यालय पहुंचे जहां उनका मंत्रोचार के साथ स्वागत तिलक लगाकर और आरती उतार कर किया गया जो निश्चित रूप से अपराध को संरक्षण देने जैसा है। ऐसे में सख्त कार्रवाई से ही घटनाओं की पुनरावृति रुक सकेगी।

– **अमृतलाल मारू**, दसई, मप्र

सायबर अपराध पर अंकुश

सायबर अपराधों पर नकेल कसने जे लिए ग्रह मंत्रालय का नया फेम वर्क सरहानीय और् सार्थकता भरा साबित होगा। सायबर अपराध और अपराधियों पर सख्ती से नकेल कसने के लिए भारत सरकार ने एक नया फ्रेमवर्क तैयार किया है। जो जनता को सायबर अपराधों से निजात दिलाएगा।नए फ्रेमवर्क के अन्तर्गत देश , प्रदेश, और् शहरी स्तर पर एक आम नागरिक या संस्था सायबर अपराध की रोकथाम और् जागरुकता में सरकार के साथ जुड़कर अपना योगदान दे सकते है। भारत सरकार के ग्रह मंत्रालय भारतीय सायबर अपराध समन्वयन केंद्र ने इसके लिए एक राष्ट्रीय स्तर का पोर्टल तैयार किया। देश हित मे इस पोर्टल से जुड़ने के लिए तीन श्रेणियां रखी गई है। बहुत ही बढ़िया कारगर प्रयास सायबर अपराधों को रोकने के लिए किया। और इसमे आम नागरिक या समाज सेवी संस्थाएं सुरक्षा के दृष्टिकोण से रजिस्ट्रेसन करवाकर निश्चित ही इन अपराधों पर कदमताल मिलाकर, सरकार का साथ देकर सायबर अपराधों को नेस्तनाबूद कर सकते है। इस अनुकरणीय पहल की बहती गंगा में 152 लोगो ने रजिस्ट्रेशन करवाकर मप्र सरकार के साथ कदमताल मिलाकर सायबर अपराधों को रोकने की पहल भी की।

– **योगेश जोशी**, बड़वाह, मप्र

मोदी बनाम भाजपा

प्रधानमंत्री का पद संभालने के बाद से ऐसा प्रतीत हो रहा, जैस प्रधानमंत्री मोदी जी पार्टी से ऊपर हैं। हम अक्सर सुनते हैं बीजेपी सरकार नहीं बल्कि मोदी सरकार। हाल ही में हुए कई सम्मेलन में हमने प्रधानमंत्री मोदी जी को ही शिरकत करते हुए देखा। चाहे वो व्यापार से जुड़े हो या फिर स्वास्थ्य से, सभी में प्रधानमंत्री को मीटिंग करते हुए देखा गया। ऐसा प्रतीत होता है जैसे प्रधानमंत्री को अपने पर औरों से ज्यादा विश्वास है। व्यापार समझौतों में प्रधानमंत्री जी बिना वित्त मंत्री के निवेशकों को लुभाने में लगे हैं।उसी प्रकार से पिछले कुछ दिनों में हमने देखा कि प्रधानमंत्री जी सीरम इंस्टीट्यूट गए, कॉविड वैक्सीन की जानकारी ली लेकिन वहां भी हमने स्वास्थ्य मंत्री को नहीं देखा। तो क्या मोदी जी की छवि एक विचारधारा बन गई है, जो पार्टी और उसके ऊपर है। अगर ऐसा है तो बीजेपी कि नैया तभी तक तैरेंगी जबतक प्रधानमंत्री मोदी देश की राजनीति में हैं। अब यह तो देशवासियों को ही तय करना है कि वे देश में मोदी सरकार चाहते हैं या बीजेपी सरकार?

– **अमन जायसवाल**, दिल्ली

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से responsemail.hindipioneer@gmail.com पर भी भेज सकते हैं।

फरमाया

किसानों की समस्याएं वास्तविक हैं। इसीलिए स्टेडियमों को जेलों में रूपांतरित करने के दिल्ली पुलिस के अनुरोध को ठुकराया जा रहा है।

– **दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री**
सत्येंद्र जैन

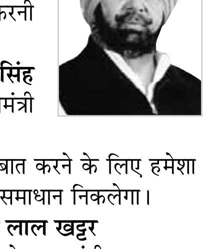

विरोध प्रदर्शन अधिकार के प्रयोग हेतु किसानों को दिल्ली में प्रवेश करने की अनुमति के निर्णय का में स्वागत करता हूं। अब उन्हें बातचीत की पहल करनी चाहिए।

– **कैप्टन अमरिंदर सिंह**
पंजाब के मुख्यमंत्री

केंद्र सरकार किसानों से बात करने के लिए हमेशा तैयार है। बातचीत से ही समाधान निकलेगा।

– **मनोहर लाल खट्टर**
हरियाणा के मुख्यमंत्री

निवेशकों के लिए आकर्षक डेस्टिनेशन बनकर उभरा यूपीः योगी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● मुख्यमंत्री ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से ग्रेटर नोएडा में डेटा सेंटर पार्क का किया शिलान्यास

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से आज ग्रेटर नोएडा में हीरानंदानी समूह द्वारा स्थापित किए जाने वाले डेटा सेण्टर पार्क का शिलान्यास किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पिछले 2 वर्षों से प्रदेश में डेटा सेण्टर्स की स्थापना के लिए प्रयास किए जा रहे थे। इनकी स्थापना के लिए एक नीति की आवश्यकता महसूस की गई, जो अभी तैयार की जा रही है और 31 दिसम्बर तक लागू कर दी जाएगी।

उन्होंने कहा कि नीति के प्रख्यापन से पूर्व ही राज्य सरकार को डेटा सेण्टर स्थापना के कई प्रस्ताव मिले हैं, जिन पर सक्रियता से कार्य किया जा रहा है। राज्य सरकार की यह नीति है कि मेगा प्रोजेक्ट स्थापना के लिए मिलने वाले प्रस्तावों पर भूमि का आवंटन 15 दिन के अंदर कर दिया जाए। राज्य सरकार की मेगा परियोजनाओं हेतु भूमि आवंटन योजना के अंतर्गत ही हीरानंदानी समूह को 15 दिनों में 20 एकड़ भूमि उपलब्ध करायी गयी है।

हीरानंदानी समूह द्वारा स्थापित किए जा रहे 250 मेगावाट क्षमता वाले इस डेटा सेण्टर पार्क में कुल 06 हजार करोड़ रुपए का निवेश प्रस्तावित है। यह सेण्टर 20 एकड़ भूमि पर स्थापित किया जाएगा। प्रथम चरण में 1 हजार करोड़ रुपए के निवेश से डेटा सेण्टर पार्क की स्थापना की जा रही है, जिसमें 40 मेगावाट की क्षमता वाली प्रथम इकाई जून, 2022 तक आरम्भ करने का लक्ष्य है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार की नीति उद्योगों को बढ़ावा देते हुए उनकी समस्याओं के त्वरित निदान की है। प्रदेश में निवेश के लिए उत्कृष्ट वातावरण तैयार किया गया है। राज्य सरकार के प्रयासों के चलते आज उत्तर प्रदेश ईज़ आफ डुइंग बिज़नेस में देश में दूसरे स्थान पर है। ऐसा इसलिए सम्भव हुआ कि राज्य सरकार ने वर्ष 2019 के ब्िबज़नेस रिफार्म एक्शन प्लान के तहत भारत सरकार के उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग द्वारा निर्धारित 187 सुधारों में से 186 सुधारों को लागू किया है

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार निवेशकों के साथ है और उनकी सभी समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए तत्पर है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह डेटा सेण्टर पार्क शीघ्र बनकर तैयार होगा और अपना काम शुरू कर देगा। उन्होंने कहा कि इस डेटा सेण्टर की स्थापना से आने वाले समय में अन्य डेटा सेण्टर भी स्थापित हो सकेंगे। इन डेटा सेण्टर्स की स्थापना से बड़े पैमाने पर रोजगार सृजित होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा प्रदेश में डेटा सेण्टर की स्थापना के लिए उत्तर प्रदेश डेटा सेण्टर नीति बनाए जाने का निर्णय लिया गया है। नीति के तहत 3 डेटा सेण्टर्स पार्क स्थापित किए जाने का लक्ष्य है। डेटा सेण्टर्स की स्थापना से इनके आसपास बड़ी संख्या में सूचना प्रौद्योगिकी तथा इससे समर्थित इकाइयों की स्थापना होती है, जिससे बड़ी संख्या में रोजगार की सम्भावनाएं होती हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्व के वर्तमान आर्थिक परिदृश्य में राज्य सरकार को 56 से अधिक निवेश आशय मिले हैं, जिनमें जापान, यूएसए, यूके, कनाडा, जर्मनी, दक्षिण कोरिया आदि लगभग 10 देशों की कम्पनियों के लगभग 45 हजार करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव शामिल हैं। कार्यक्रम को उप मुख्यमंत्री डा दिनेश शर्मा, औद्योगिक विकास मंत्री सतीश महाना, हीरानंदानी समूह के संस्थापक एवं अध्यक्ष निरंजन हीरानंदानी, हीरानंदानी समूह के सीईओ दर्शन हीरानंदानी ने भी सम्बोधित किया।

इस अवसर पर इलेक्ट्रानिक्स, सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री अजीत सिंह पाल, मुख्य सचिव आरके तिवारी, अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त आलोक टण्डन, अपर मुख्य सचिव अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आलोक कुमार, अपर मुख्य सचिव सूचना नवनीत सहगल, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री एवं सूचना संजय प्रसाद सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

निवेश की गाड़ी दौड़ाने को मुंबई में उद्योगपतियों से मिलेंगे योगी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● स्टाक एक्सचसेज में दो दिसंबर को लखनऊ नगर निगम के म्यूनिसपल बांड की करेंगे लांचिंग

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दो दिसंबर को देश की आर्थिक राजधानी और मायानगरी मुंबई में होंगे। यूं तो मुख्यमंत्री बनने के बाद उनका कई बार मुंबई जाना हुआ, लेकिन यह दूसरा मौका होगा जब वे देश के दिग्गज उद्योगपतियों और बॉलीवुड की नामचीन हस्तियों से मिलेंगे। इससे पहले इस मकसद से मार्च 2017 में उत्तर प्रदेश की सत्ता संभालने के बाद दिसंबर 2017 में वह उप्र इन्वेस्टर्स समिट में संबंधित लोगों से मिलने और आमंत्रित करने मुंबई गये थे।

दरअसल मुख्यमंत्री की पहल पर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में इन्वेस्टर्स समिट होना था। उसके पहले देश के प्रमुख महानगरों में सेक्टर्स को फोकस करते हुए रोडशो हुए थे। मुंबई के रोडशो में योगी खुद गये थे। उस समय उनसे मुकेश अंबानी, रतन टाटा, आनंद महिन्द्रा समेत आदि से उनकी मुलाकात हुई थी। फरवरी 2018 में लखनऊ में आयोजित इन्वेस्टर्स समिट में भी इनमें से अधिकांश आए थे। उस दौरान करीब चार लाख 52 हजार करोड़ रुपये के मेमोरंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग (एमओयू) पर दस्तखत हुए थे। इसके बाद हुए दो बार के ग्राउंड ब्रेकिंग सेरमोनी के दौरान अब तक दो लाख हजार करोड़ रुपए के निवेश धरातल पर उतारे जा चुके हैं। यह प्रकिया लगातार जारी है।

तबसे अब तक उप्र में कानून व्यवस्था, बुनियादी ढांचा, एयर कनेक्टिविटी के लिहाज से बहुत कुछ बदल चुका है। नोएडा में देश की सबसे बेतरीन फिल्म सिटी एवं फाइनेंस सिटी, जेवर में एशिया का सबसे बड़ा ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट, डिफेंस कॉरिडोर, पूर्वांचल, बुंदेलखंड और गंगा एक्सप्रेसवे, अलग अलग महानगरों में मेट्रो का विस्तार, अयोध्या में भगवान श्रीराम का भव्य मंदिर बनने और अयोध्या के कायाकल्प के साथ आने वाले वर्षों में प्रदेश में बहुत कुछ बदल जाएगा। इन तमाम प्रयासों के साथ निवेश की प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए सिंगल विंडो सिस्टम का नतीजा भी दिखने लगा है। कुछ महीने पहले जारी ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में उप्र 10 अंकों की छलांग के साथ देश में दूसरे नंबर पर आ गया। वैश्विक महामारी कोरोना के दौरान भी प्रदेश सरकार की इन्वेस्टर्स फ्रेंडली नीतियों के नाते देश विदेश की 52 कंपनियों ने उप्र में 45 हजार करोड़ रुपए के निवेश में रुचि दिखाई। यही नहीं इस दौरान बैंकों से समन्वय कर 6 लाख 46 हजार सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों को 20 हजार करोड़ रुपए का ऋण देकर चलवाया गया। लॉक डाउन के नाते करीब 45 लाख श्रमिकों की दूसरे प्रदेशों से वापसी हुई। सरकार ने न केवल सबकी सुरक्षित और ससम्मान वापसी सुनिश्चित कराई बल्कि इनको राशन किट और भरण पोषण भत्ते के रूप एक हजार रुपये भी दिया। इनमें से करीब 25 लाख लोगों को उनकी दक्षता के अनुसार स्थानीय स्तर पर रोजगार भी मुहैया कराया गया। स्वाभाविक है कि मुख्यमंत्री उद्योग और फिल्म जगत की नामचीन हस्तियों से मुलाकात के दौरान इन मुद्दों पर चर्चा करेंगे। साथ ही उनसे उत्तरप्रदेश को हर लिहाज से देश का सर्वोत्तम प्रदेश बनाने के लिए अलग अलग सेक्टर्स में और निवेश के लिए भी आमंत्रित करेंगे।

मुख्यमंत्री 1 दिसंबर को मुंबई पहुंच जाएंगे और दो दिसंबर को सुबह वह मुंबई स्टॉक एक्सचेंज में लखनऊ नगर निगम के बॉन्ड को प्रतीकात्मक रूप से लांच करेंगे। मालूम हो कि हाल ही में लखनऊ नगर निगम ने प्रदेश की राजधानी को हर लिहाज से विकास, सौंदर्यीकरण और साफ-सफाई आदि से स्मार्ट बनाने के लिए 200 करोड़ का बॉन्ड जारी किया था। कोविड काल में भी सरकार पर भरोसा कर निवेशकों ने इसे हाथों हाथ लिया। नतीजन यह 225 फीसदी से अधिक सब्सक्राइब हुआ है। इस तरह का बांड जारी करने वाला लखनऊ उत्तर भारत का पहला नगर निगम है। इससे उत्साहित सरकार आने वाले समय में गाजियाबाद, वाराणसी, कानपुर और आगरा जैसे बड़े नगर निकायों का बांड भी जारी करेगी। मुख्यमंत्री इसके बाद नरीमन प्वाइंट स्थित होटल ट्राइडेंट में देश के दिग्गज उद्योगपतियों, बालीउड की नमाचीन हस्तियों और बड़े बैंकर्स से मुलाकात करेगें। इन मुलाकातों में प्रदेश में निवेश, प्रस्तावित फिल्म और फाइनेंस सिटी पर चर्चा होगी।

इन दिग्गजों से होगी मुख्यमंत्री की मुलाकात

एन चंद्रशेखरन चेयरमैन टाटा सन्स, डॉ निरंजन हीरानंदानी चेयरमैन हीरानंदानी ग्रुप, एसएन सुब्रमणयम, चेयरमैन एलएंडटी, संजय नायर चेयरमैन केकेआर इंडिया एडवाइजर्स, सुप्रकाश चौधरी सीईओ सिमंस इंडस्ट्री, बाबा कल्यानी चेयरमैन भारत फोर्ज लिमिटेड, जसपाल बिंद्रा, चेयरमैन सेंट्रम कैपिटल लिमिटेड अमित नायर, वाइस प्रेसीडेंट वन 97 कम्यूनिकेशन्स, विकास जैन एके कैपिटल सर्विसेज, वरूण कौशिक एसोसिएट डायरेक्टर एके कैपिटल सर्विसेज के अलावा डिफेंस सेक्टर के नामी उद्यमी एसपी शुक्ल चेयरमैन एफआईसीसीआई डिफेंस एंड एरोस्पेस कमेटी, सुकरन सिंह, सीईओ व एमडी टाटा एडवांस सिस्टम, सुशील कुमार एवीपी व हेड गर्वनमेंट इनोवेशन एंड स्किल डेवलपमेंट टाटा टेक्नोलॉजी, हर्षवर्धन गुने हेड डिफेंस टाटा टेक्नोलॉजी, अशोक वाधवान चेयरमैन पीएलआर सिस्टम प्राइवेट लिमिटेड, टीएस दरबारी, सीईओ व एमडी टैक्समैको डिफेंस सिस्टम, आशीष राजवंश हेड डिफेंस अडानी डिफेंस, रजत गुप्ता, हेड डिफेंस बिजनेस अशोक लेलैंड, कर्नल आरएस भाटिया (रिटायर्ड) प्रेसीडेंट डिफेंस भारत फोर्ज, जेडी पाटिल होल टाइम डायरेक्टर व मेम्बर ऑफ बोर्ड एलएंडटी, विजय सुजान, सीईओ जेएनवी वेनचर्स इंडिया। फिल्म जगत से आनंद पंडित, मनमोहन शेट्टी, बोनी कपूर और सुभाष घई आदि हैं।

चीनी मिलों के सुचारु संचालन पर विशेष ध्यान देंः सीएम

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चीनी मिलों के सुचारु संचालन पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि किसानों को चीनी मिलों में गन्ने की आपूर्ति में कोई समस्या न हो। उन्होंने गन्ना किसानों को बुआई के लिए गन्ने की बेहतर वेराइटी उपलब्ध कराए जाने के निर्देश भी दिये हैं। मुख्यमंत्री रविवार को अपने सरकारी आवास पर विभिन्न विभागों के कार्य की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने धान क्रय की निरंतर समीक्षा करने के निर्देश देते हुए कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि किसानों को एमएसपी के तहत अपनी उपज बेचने में कोई दिक्कत न हो।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन गांव में विभिन्न विकास योजनाओं को उत्कृष्ट ढंग से लागू किया गया है, ऐसे ग्रामों को मॉडल के रूप में प्रस्तुत करते हुए वहां जनप्रतिनिधिगण का भ्रमण कराया जाए। इससे अन्य ग्रामों में भी इसी प्रकार विकास कार्य को बेहतर ढंग से लागू करने में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि कृषक उत्पादक संगठन के गठन को बढ़ावा दिया जाए। इनके गठन के उपरान्त इनका प्रशिक्षण कराते हुए इनकी गतिविधियों को निर्यात के साथ जोड़कर एक्सपोर्ट बढ़ाने के लिए कार्य किया जाए। उन्होंने जनपदों की मैपिंग कराकर उनकी जीडीपी भी तय किये जाने के निर्देश दिये है। मुख्यमंत्री ने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान (पीएम कुसुम योजना) प्रारम्भ की गयी है। यह महत्वाकांक्षी योजना उत्तर प्रदेश में भी संचालित की जा रही है। इस योजना के अन्तर्गत सोलर पम्पों की स्थापना की जा रही है। उन्होंने निर्देश दिये कि यह कार्य समयबद्ध ढंग से पूर्ण कराया जाए।

धान खरीद क्रय केन्द्रों के 33 प्रभारियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● 24 केन्द्र प्रभारी-सचिव का निलम्बन, एक केन्द्र प्रभारी को पद से हटाया गया और 28 केन्द्र प्रभारियों-सचिवो से मांगा गया स्पष्टीकरण

● धान खरीद कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगीः एमवीएस रामी रेड्डी

प्रदेश में खरीफविपणन वर्ष 2020-21 में मूल्य समर्थन योजना के अन्तर्गत सहकारिता विभाग की सहकारी समितियों के धान खरीद क्रय केन्द्रों पर उदासीनता एवं अनियमितता पाये जाने पर 33 केन्द्र प्रभारियों के विरूद्ध प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करायी गयी है। यह जानकारी अपर मुख्य सचिव-आयुक्त एवं निबन्धक एमवीएस रामी रेड्डी ने दी। उन्होने बताया कि इसी क्रम में 24 क्रेन्द्र प्रभारी-सचिव के विरूद्ध निलम्बन की कार्रवाई की गयी है। 4 केन्द्र प्रभारियों-सचिवों को प्रतिकूल प्रविष्टि दी गयी है। 71 केन्द्र प्रभारियों-सचिवों को चेतावनी निर्गत की गयी है। एक केन्द्र प्रभारी को पद से हटाया गया और 28 केन्द्र प्रभारियों-सचिवों से स्पष्टीकरण मांगा गया है। उन्होंने यह भी बताया कि जनपद औरैया के जिला प्रबन्धक पीसीयू एवं जिला प्रबन्धक यूपीएसएस एवं जनपद सोनभद्र के जिला प्रबन्धक पीसीएफ को निलम्बित किया गया है साथ ही कानपुर मण्डल के क्षेत्रीय प्रबन्धक पीसीएफको निलम्बित कर दिया गया है एवं जिला प्रबन्धक पीसीएफ फेतहपुर को स्थानान्तरित कर दिया गया है। श्री रेड्डी ने यह भी कहा है कि धान खरीद कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी। उन्होंने कहा कि धान क्रय केन्द्रों पर किसानों को किसी प्रकार की कोई असुविधा नहीं होने पाये इसका विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए।

सपा-बसपा ने यूपी को 15 साल तक लूटाः स्वतंत्र देव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि प्रदेश में हो रहे शिक्षक, स्नातक क्षेत्र के विधान परिषद चुनाव में मतदाताओं के समर्थन से पार्टी प्रत्याशी विजयी होंगे। मोदी-योगी के नेतृत्व में बन रहे नए भारत व नए उत्तर प्रदेश के निर्माण को गति प्रदान करने के लिए प्रदेश में हो रहे विधान परिषद के चुनाव में मतदाता भाजपा के समर्थन में है। प्रदेश अध्यक्ष ने पार्टी कार्यकर्ताओं का अवाहन किया कि प्रत्येक मतदाता से सम्पर्क व संवाद स्थापित कर मतदान के दिन वोट डलवाने की जिम्मेदारी का निर्वहन करें। पार्टी द्वारा आयोजित किये जा रहे मतदाता सम्मेलन आज संपन्न हो गए। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस ने केन्द्र की सत्ता में रहते हुए देश को लूटा तो उसकी बी टीम सपा-बसपा ने भी पिछले 15 वर्षों में उत्तर प्रदेश की सत्ता में रहते हुए सिर्फ जातिवाद, वंशवाद को बढ़ावा देकर जनधन की लूट की। भाजपा की नीतियों व कार्यकर्ताओं के परिश्रम के बल पर विधान परिषद के चुनाव में भी पार्टी को ऐतिहासिक सफलता मिलेगी।

राज्यपाल व सीएम ने कार्तिक पूर्णिमा व गुरु नानक जयंती की बधाई दी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कार्तिक पूर्णिमा एवं गुरु नानक जयन्ती के अवसर पर समस्त प्रदेशवासियों को हार्दिक मंगलकामनाएं प्रेषित करते हुए उनके स्वस्थ एवं निरोगमय जीवन की कामना की है। राज्यपाल ने अपने बधाई संदेश में कहा है कि गुरु नानक की शिक्षाएं सिख धर्म के साथ ही सभी धर्मों के लिए अनुकरणीय हैं, जो हमें समाज के उत्थान के लिए प्रेरित करती हैं। उन्होंने कहा कि सभी भारतीय पर्वों का अपना विशेष सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक महत्व है। हमें अपनी सांझी संस्कृति को बनाये रखते हुए देश एवं प्रदेश के विकास में सहयोग करना चाहिए। पटेल ने प्रदेशवासियों का आह्वान करते हुए कहा कि सभी लोग कोरोना महामारी के परिप्रेक्ष्य में सावधान और सतर्क रहें, भीड़भाड़ से बचें तथा सामाजिक दूरी के साथ मास्क का प्रयोग करते हुए पर्व को मनायें। मुख्यमंत्री ने कहा कि सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक देव जी के सर्व धर्म समभाव एवं सामाजिक सद्भाव के सन्देश में सम्पूर्ण मानवता का कल्याण निहित है। उन्होंने कहा कि गुरु नानक देव जी ने आडम्बरों और अंधविश्वासों का प्रतिकार करके समाज को नई दिशा प्रदान की। मुख्यमंत्री ने गुरु नानक जयन्ती के अवसर पर समस्त अनुष्ठानों में कोविड.19 के प्रोटोकॉल तथा सोशल डिस्टेसिंग का पूर्ण पालन करने की अपील की है। कार्तिकपूर्णिमा पर मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय सांस्कृतिक परम्परा में इस अवसर का विशेष महत्व है। भगवान विष्णु ने इसी दिन मत्स्य अवतार लेकर प्रलय के अंत तक सप्त ऋषियों एवं वेदों की रक्षा की, जिससे पुनः सृष्टि का निर्माण सम्भव हो सका। इसके साथ ही, भगवान शंकर ने इसी दिन त्रिपुरासुर नामक राक्षस का अंत किया। उन्होंने कहा कि यह पर्व मानव मात्र को प्रकृति से जुड़ने का अवसर प्रदान करता है।

विकास कार्य ठप, सरकार अपराधियों के आगे नतमस्तकः अखिलेश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि उत्तर प्रदेश सरकार अपराधियों के आगे नतमस्तक है। विकास कार्य अवरुद्ध हैं। किसान आंदोलित हैं। इसके बावजूद मुख्यमंत्री देशाटन पर हैं। अपनी संवैधानिक जिम्मेदारी का निर्वहन करने के बजाय उनका मन स्टार प्रचारक बनकर दूसरे राज्यों में जाने और उनके शहरों के नाम बदलवाने में ज्यादा लगता है।

अखिलेश ने कहा कि प्रदेश के अन्नदाता की भाजपा सरकार को परवाह नहीं। किसानों के प्रति नफरत रखना, उन्हें आतंकवादी और गुण्डा बताना भाजपा की ओछी मानसिकता का प्रदर्शन है। खेती, किसान, गांव में रहने वालों और गरीबों के लिए भाजपा में कोई हमदर्दी नहीं। उन्हें चिंता है तो बस कारपोरेट घरानों की कि कैसे उनकी झोलियां भरी जाएं और प्रदेश की सम्पत्ति उनकी मर्जी से बंधक बनाई जाए। उन्होंने कहा कि किसानों को आतंकवादी कहकर अपमानित करना भाजपा का निकृष्टतम रूप है। ये अमीरों की पक्षधर, भाजपा का खेती-खेत छोटा व्यापार, दुकानदारी, सड़क परिवहन सब कुछ, बड़े लोगों को गिरवी रखने का षड्यंत्र है। अगर भाजपा के अनुसार किसान आतंकवादी है तो भाजपाई कसम खाएं उनका उगाया अन्न नहीं खाएंगे। अखिलेश ने कहा कि भाजपा-आरएसएस की रीतिनीति ही यही है कि जनसामान्य के हितों के मुद्दों से ध्यान भटकाया जाए और व्यर्थ के मुद्दों में उलझाया जाए। भाजपा आदर्श की बड़ी बड़ी बातें करती है, किन्तु उसके राज में बहन बेटियों की जिंदगी सबसे ज्यादा असुरक्षित हो गई है। आखिर जो सरकार लोगों को सुरक्षा और सम्मान पूर्वक जीने की गारन्टी नहीं दे सकती उसे सत्ता में बने रहने का क्या अधिकार है, मुख्यमंत्री जी को उत्तर प्रदेश को संवारने का दायित्व मिला थाए उसकी देश भर में बदनामी कराने का नहीं।

यूपी के 61 फीसदी उपभोक्ताओं ने खारिज कर दिए स्मार्ट मीटर

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

स्मार्ट मीटर फीडबैक में पहले दिन का रुझान सामने आ गया है। इसमें 61 प्रतिशत उपभोक्ताओं ने स्मार्ट मीटर को फेल बताया है। पहले दिन 2230 उपभोक्ताओं से स्मार्ट मीटर के बारे में फीडबैक लिया गया। ऊर्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा के निर्देश पर स्मार्ट मीटर के बारे में उपभोक्ताओं से फीडबैक लेने का काम शुरू हुआ है। प्रदेश में करीब 12 लाख स्मार्ट मीटर उपभोक्ता हैं। अधिकारियों के मुताबिक, पावर कार्पोरेशन के कॉल सेंटर 1912 के माध्यम से भी उपभोक्ताओं से फीडबैक लिया जा रहा है। स्मार्ट मीटर के बारे में उपभोक्ता नाराजगी जाहिर कर रहे हैं। फीडबैक के पहले दिन 61 प्रतिशत उपभोक्ताओं ने स्मार्ट मीटर पर अपनी असंतुष्टि जाहिर करते हुए इसे नकार दिया है केवल 38 प्रतिशत उपभोक्ताओं ने संतुष्टि व्यक्त की है। कुल 2230 उपभोक्ताओं में 1067 ने स्मार्ट मीटर पर नाराजगी जाहिर की, 669 ने संतुष्टि और 6 ने पूर्ण संतुष्टि जाहिर की और 488 उपभोक्ताओं का कोई फीडबैक रिपोर्ट में अंकित नहीं किया गया। राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं से अपील की है कि वो स्मार्ट मीटर से आने वाली सभी समस्याओं व दिक्कतों के बारे मे बेबाक होकर अपनी राय दें।

कृषि कानूनों पर केंद्र पुनर्विचार करे तो बेहतरः मायावती

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

पिछले चार दिनों से दिल्ली-हरियाणा बार्डर पर कृषि कानून को वापस करने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे किसानों के समर्थन में बसपा सुप्रीमो मायावती उतर आई हैं। मायावती ने कहा है कि केंद्र ने इस कानून को बिना किसानों की सहमति के बनाया है और इसे किसानों की मांग पर केंद्र को पुनर्विचार करना चाहिए। किसान हाल ही में पास तीन कृषि कानूनों को वापस लेने की मांग कर रहे हैं। किसानों का कहना है कि इन कानूनों के बनने से केंद्र द्वारा चली आ रही न्यूनतम समर्थन मूल्य की प्रणाली खत्म हो जाएगी और किसान बड़े कॉरपोरेट की शर्तों पर उन्हें अपना उपज बेचने को मजबूर होंगे। किसानों को समर्थन देते हुए मायावती ने ट्वीट किया कि पूरे देश में किसान केंद्र सरकार द्वारा कृषि से संबंधित हाल में लागू किये गये तीन कानूनों को लेकर काफी नाराज हैं और इनके खिलाफ आंदोलन कर रहे हैं। उन्होंने ट्वीट किया कि केंद्र सरकार किसानों की आम सहमति के बिना बनाये गये इन कानूनों पर अगर पुनर्विचार कर ले तो बेहतर होगा।

योगी सरकार की नीतियों ने बढ़ाई गन्ने की मिठास

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● मिलों की बढ़ी क्षमता, खांडसारी इकाइयां और एथनाल बनीं मददगार

योगी सरकार की नीतियों से गन्ने की मिठास बढ़ गई है। अत्याधुनिक नई मिलें, पुरानी मिलों की बढ़ी क्षमता, खांडसारी इकाईयां और एथनाल इसमें और मददगार साबित होने जा रही हैं। प्रदेश में गन्ना किसानों की बड़ी संख्या के नाते राजनीतिक रूप से यह बेहद संवेदनशील फसल है । गन्ना मूल्य के बकाये से लेकर पेराई न होना आदि बड़ा मुद्दा बन जाता है। बता दें कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का साफ निर्देश है कि जब तक खेत में किसानों का गन्ना है तब तक उस क्षेत्र की मिल को चलना चाहिए।

मार्च 2017 में योगी सरकार के आने के पहले बकाया बड़ा मुद्दा था। सरकार ने आने के साथ ही पहला फोकस बकाये के भुगतान पर किया। तीन साल के दौरान योगी सरकार अब तक 1 लाख 12 हजार करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान कर चुकी है। भुगतान के साथ ही सरकार ने सबसे ज्यादा जोर पुरानी मिलों के आधुनिकीकरण और नयी मिलों की स्थापना पर दिया । इस क्रम में 11 मिलों की क्षमता बढ़ायी गयी और गोरखपुर के पिपराइच, बस्ती के मुंडेरा और बागपत के रमाला में अत्याधुनिक और अधिक क्षमता की नई मिलें लगायी गयीं । उल्लेखनीय है कि बसपा और सपा शासन काल में 2007 से 2017 के दौरान बंद होने वाली 29 मिलों को देखते हुए नयी मिलों को खोलना और पुरानी मिलों का आधुनिकीकरण किसानों के हित में ऐतिहासिक कदम रहा ।

स्थानीय स्तर पर गन्ने की पेराई हो इसके लिए 25 साल बाद पहली बार किसी सरकार ने 100 घंटे के अंदर खांडसारी इकाइयों को ऑनलाइन लाइसेंस जारी करने की व्यवस्था की। इसके दायरे में पहले से चल रही इकाइयां भी थीं। सरकार के अनुसार मौजूदा समय में 105 इकाइयों को लाइसेंस निर्गत किया जा

चुका है। इससे पेराई क्षमता में 27850 टीडीएस की वृद्धि हुई है। लोग गुड़ के गुण और स्वाद को जानें इसके लिए सरकार ने मुजफ्फरनगर में गुड़ महोत्सव का आयोजन किया। प्रसंस्करण के जरिए गुड़ को और उपयोगी बनाने के उद्देश्य से सरकार ने गुड़ को मुजफ्फरनगर और अयोध्या का एक जिला, एक उत्पाद घोषित कर रखा है। मिलर्स को चीनी का अधिक दाम मिले इसके लिए कुछ मिलों में सल्फरमुक्त चीनी बनाने का काम भी शुरू हुआ है । मिलें ऊर्जा के मामले में आत्म निर्भर बनें इसके लिए उनमें को जेनरेशन प्लांट भी लगाये जा रहे हैं। करीब छह दर्जन मिलों के को जेनरेशन प्लांट से 2000 मेगावाट बिजली का उत्पादन हो रहा है।

एथनॉल से गन्ने को ग्रीन गोल्ड बनाने का प्रयास

योगी सरकार एथनॉल के जरिए गन्ने को ग्रीन गोल्ड बनाने का प्रयास कर रही है। सरकार के प्रयास से अब उप्र देश का सर्वाधिक 126.10 करोड़ लीटर वार्षिक आपूर्ति करने वाला राज्य बन चुका है। कुल 50 आसवानियां एथनॉल बना रही हैं । पिछले वर्ष दो मिलें हैवी मोलासिस से एथनॉल बना रही थीं। इस साल इनकी संख्या बढक़र 20 हो गयी।

177 लाख लीटर सेनीटाइजर का उत्पादन कर बनाया रिकार्ड

योगी सरकार ने कोरोना काल में 9 महीने की अवधि के दौरान सेनीटाइजर का 177 लाख लीटर उत्पादन कर राजस्व वृद्धि का एक नया रिकार्ड बनाया । राज्य की चीनी मिलों और छोटी इकाइयों से 24 मार्च से 15 नवंबर 2020 तक 177 लाख लीटर सेनीटाइजर का रिकॉर्ड मात्रा में उत्पादन कर 137 करोड़ रुपये का राजस्व जुटाया । योगी सरकार ने इस सफलता से चीनी मिलों को घाटे का सौदा बता कर कौड़ियों के भाव बेच देने वाली पिछली सरकारों को न सिर्फ आइना दिखाया बल्कि गन्ना किसानों को रोजगार और मुनाफे के नए आयाम से भी जोड़ा । आबकारी विभाग के मुताबिक यूपी के बाहर 78.38 लाख लीटर सेनीटाइजर की बिक्री हुई है । वहीं यूपी में कुल 87.01 लाख लीटर सेनीटाइजर बेचा गया है । सेनीटाइजर की कुल बिक्री 165.39 लाख लीटर हुई है। अपर मुख्य सचिव आबकारी संजय आर भूसरेड्डी के मुताबिक आपदा में अवसर मंत्र का पालन करते हुए आबकारी विभाग ने सेनीटाइजर का समय पर उत्पादन कराया। साथ ही बाजार में समय पर सेनीटाइजर की उपलब्धता भी सुनिश्चित की ।

चीनी की रिकवरी के क्षेत्र में भी रिकॉर्ड बनाया

पेराई और भुगतान के साथ सरकार ने चीनी की रिकवरी (11.46 फीसद) के क्षेत्र में भी रिकॉर्ड बनाया। गन्ने की ढुलाई का मानक किमी की बजाय प्रति कुंतल करने से भी किसानों को लाभ हुआ। पहले सरकार 8.75 रुपये प्रति किमी की दर से भुगतान करती थीए इसे बदलकर 42 पैसे प्रति कुंतल कर दिया गया। फर्जी बांड गन्ना माफियाओं का सबसे प्रभावी हथियार था। सरकार ने दो लाख से अधिक फर्जी बांड रद्द कर इन माफियाओं की कमर तोड़ दी। पारदर्शिता के लिए गन्ना किसानों का पंजीकरण शुरू किया गया। इसी क्रम में गन्ना एप भी लांच किया गया।

हैदराबाद इस बार भाजपा का महापौर चुनेगाः अमित शाह

भाषा। हैदराबाद

केन्द्रीय गृह मंत्री तथा भाजपा के शीर्ष नेता अमित शाह ने रविवार को कहा कि तेलंगाना के लोग सत्तारूढ़ तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) और असदुद्दीन औवेसी की एआईएमआईएम के गठजोड़ से नाराज और आक्रोशित हैं। उन्होंने दावा किया कि हैदराबाद इस बार नगर निकाय चुनाव में भाजपा का महापौर चुनेगा। यहां पुराने शहर में भाग्यलक्ष्मी देवी मंदिर में दर्शन कर शाह ने कहा कि हैदराबाद के लोग सुशासन चाहते हैं और उन्हें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व तथा भाजपा पर विश्वास है।

शाह ने टीवी न्यूज चैनलों से कहा, तेलंगाना की जनता ने जिस प्रकार लोकसभा चुनाव (2019 के संसदीय चुनाव) के दौरान मोदी जी का साथ दिया...मुझे लगता है कि बदलाव की शुरुआत हो चुकी है और हैदराबाद नगर निगम अगला पड़ाव है। वह ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) चुनाव के प्रचार के अंतिम दिन सिकंदराबाद में रोड शो कर रहे हैं। शाह ने भरोसा जताया कि भाजपा उम्मीदवार शहर का महापौर बनेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि हैदराबाद बीते कई साल से बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहा है। उन्होंने कहा, ...हाल ही में हुई बारिश में हैदराबाद के बाढ़ में डूबने और जिस प्रकार एक पार्टी के आशीर्वाद पर अतिक्रमण फल-फूल रहा है...उससे यहां के लोग टीआरएस और औवेसी के गठजोड़ से नाराज और आक्रोशित हैं।

शाह ने कहा कि लोगों का हुजूम बता रहा है कि हैदराबाद में भाजपा का महापौर बनने वाला है। उन्होंने कहा, हैदराबाद के लोगों को भाजपा को एक मौका देना चाहिए।

हम हैदराबाद को निजाम संस्कृति से मुक्त करना चाहते हैं। शाह ने कहा कि देश प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि जहां भी भाजपा जीती है वहां कभी सांप्रदायिक दंगे नहीं हुए। शाह ने अक्टूबर में भारी बारिश और बाढ़ से बुरी तरह प्रभावित हुए हैदराबाद में राहत कार्यों के लिए कोई केन्द्रीय मदद नहीं मिलने के टीआरएस नेताओं के आरोपों के बारे में पूछे जाने पर कहा कि केन्द्र ने हैदराबाद को अधिकतम मदद मुहैया कराई। जीएचएमसी चुनाव के लिए एक दिसंबर को चुनाव होने हैं। चार दिसंबर को मतगणना होगी।

ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम चुनाव के लिए प्रचार अभियान थमा

हैदराबाद। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) चुनाव के लिए प्रचार अभियान रविवार शाम छह बजे थम गया और अब एक दिसंबर को मतदान होना है। चौबीस विधानसभा क्षेत्रों में जीएचएमसी के 150 वार्डों के लिए होने वाले चुनाव में 1,122 उम्मीदवार मैदान में हैं। इस चुनाव के लिए पंजीकृत मतदाताओं की संख्या 74.67 लाख से अधिक है। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और गृह मंत्री अमित शाह समेत शीर्ष नेताओं ने पार्टी के लिए प्रचार किया जबकि तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष ने अपनी पार्टी के लिए प्रचार का जिम्मा संभाला। तेलंगाना कांग्रेस के अध्यक्ष उत्तम कुमार रेड्डी और वरिष्ठ नेताओं ने भी अपनी पार्टी के उम्मीदवारों के लिए प्रचार किया। हैदराबाद से लोकसभा सांसद तथा एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन औवेसी तथा उनके भाई विधायक अकबरुद्दीन औवेसी ने भी कई रैलियां कीं।

हैदराबाद में गृहमंत्री अमित शाह को भाग्य लक्ष्मी अम्मावती मन्दिर की यात्रा के दौरान स्मृति चिन्ह भेंट किया गया।

तमिलनाडु, केरल, तटीय आंध्र में बरसात की संभावना

भाषा। चेन्नई

बंगाल की खाड़ी के ऊपर निम्न दबाव का क्षेत्र बन गया है और इसके अवदाब में बदलने की संभावना है, जिससे तमिलनाडु, पुडुचेरी, केरल और आंध्र प्रदेश के दक्षिण तटीय हिस्से में तीन दिसंबर तक बारिश होने की संभावना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने रविवार को यह जानकारी दी। क्षेत्रीय मौसम केंद्र ने एक बुलेटिन में बताया कि शनिवार से दक्षिण अंडमान सागर और दक्षिणपूर्वी बंगाल खाड़ी से सटे इलाकों में निम्न दबाव क्षेत्र बना हुआ है। बुलेटिन में बताया गया, इसके अगले 36 घंटे में गहरे अवदाब वाले क्षेत्र में तब्दील होने की संभावना है। इसके पश्चिम-उत्तरपश्चिम की तरफ बढ़ने और दो दिसंबर को दक्षिणी तमिलनाडु तट के नजदीक पहुंचने की संभावना है। इसके प्रभाव की वजह से तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराइकल में तीन दिसंबर तक हल्की से मध्यम बारिश या गरज के साथ छींटे पड़ने का पुर्वानूमान है। बुलेटिन में बताया गया कि इन क्षेत्रों में दूरदराज के इलाकों में बारिश शुरू होने के बाद इसके कई क्षेत्रों में आगे बढ़ने और फिर अगले चार दिनों में ज्यादातर इलाकों में बारिश की संभावना है। आईएमडी ने ट्वीट करके बताया, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराइकल, केरल और माहे, लक्षद्वीप, आंध्र प्रदेश के दक्षिणी तटीय इलाके और दक्षिण रायलासीमा में एक दिसंबर से तीन दिसंबर के बीच हल्की या भारी बारिश की संभावना है।

चुनाव में चर्चा का केंद्र बिंदु बना भाग्यलक्ष्मी मंदिर

हैदराबाद। शहर में ऐतिहासिक चारमीनार के पास स्थित भाग्यलक्ष्मी मंदिर एक दिसंबर को होने वाले ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) के चुनाव प्रचार के दौरान चर्चा का केंद्रबिंदु बन गया है जहां केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने चुनाव प्रचार के लिए यहां पहुंचने के बाद पूजा-अर्चना की। यह मंदिर पुराने शहर के दक्षिणी भाग में स्थित है। इस इलाके को एक समुदाय विशेष की अधिक आबादी के कारण एक समय सांप्रदायिक दृष्टि से संवेदनशील समझा जाता था। शहर के इस हिस्से में असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम का प्रभाव है। चुनाव प्रचार अभियान की शुरुआत के दौरान राज्य निर्वाचन आयोग ने सरकार को वर्षा प्रभावित लोगों से 10,000 रुपए की राहत राशि के लिए आवेदन लेना बंद करने का आदेश दिया था। इसके बाद सोशल मीडिया पर विभिन्न पोस्ट में दावा किया गया कि प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बी संजय कुमार के पत्र के बाद आयोग ने सहायता रोकने का आदेश दिया।

बाद में कुमार ने चुनौती दी थी कि मुख्यमंत्री भाग्यलक्ष्मी मंदिर आएं। उन्होंने कहा कि वह मुख्यमंत्री की मौजूदगी में देवी के नाम पर शपथ लेने को तैयार हैं। इसके बाद भाजपा नेता मंदिर भी गए। तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) के नेताओं का आरोप है कि भाजपा नेता जानबूझकर भाग्यलक्ष्मी मंदिर की बात कर रहे हैं क्योंकि यह सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील इलाके में पड़ता है। राजनीतिक विश्लेषक और पूर्व विधान परिषद सदस्य प्रोफेसर नागेश्वर के अनुसार भाजपा नेता बार-बार मंदिर जाकर वोटों का ध्रुवीकरण करने का प्रयास कर रहे हैं और दुर्भाग्य की बात है कि एआईएमआईएम भी यही चाहती है।

भाग्यलक्ष्मी मंदिर विवादित है। एआईएमआईएम भी इसका विरोध कर रही है और यह पुराने शहर में पड़ता है। भाजपा भाग्यनगर (हिंदुओं के लिए) बनाम हैदराबाद (मुस्लिमों के लिए) की बहस को जन्म देना चाहती है। भाजपा का शासन का कोई एजेंडा नहीं है। वे केवल वोटों का ध्रुवीकरण चाहते हैं। एमआईएम के पास भी शासन का कोई वैकल्पिक एजेंडा नहीं है। वे भी वोटों का ध्रुवीकरण चाहते हैं। तेलंगाना भाजपा के मुख्य प्रवक्ता कृष्ण सागर राव ने कहा कि पुराने शहर में स्थित मंदिर के संजय कुमार के दौरे को मुद्दा टीआरएस ने बनाया है। उन्होंने कहा कि टीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामाराव द्वारा मंदिर जाने का बार-बार मजाक बनाए जाने से हैदराबाद के नागरिकों के मन में सवाल पैदा हुए हैं।

कृष्ण सागर राव ने पीटीआई भाषा से कहा, क्या हिंदुओं को पुराने शहर में मंदिरों में जाने के लिए एमआईएम की अनुमति लेनी होगी? क्या केटीआर और उनके पिता के चंद्रशेखर राव (मुख्यमंत्री) फैसला करेंगे कि हमारे पार्टी अध्यक्ष को किस मंदिर में जाना चाहिए? टीआरएस के मुस्लिम तुष्टीकरण के कारण भाग्यनगर का मंदिर इस प्रचार अभियान में चर्चा का केंद्रबिंदु बन गया है। मंदिर में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के पहुंचने के बारे में पूछे जाने पर राव ने कहा कि ऐसा यह संदेश देने के लिए है कि टीआरएस जैसी पार्टियों द्वारा मुस्लिम तुष्टीकरण के लिए हिंदुओं को दबाया नहीं जा सकता या अपमानित नहीं किया जा सकता। जब एआईएमआईएम के एक वरिष्ठ नेता से संपर्क किया गया तो उन्होंने कहा कि चारमीनार के पास 1969 से पहले कोई मंदिर नहीं था। भाग्यलक्ष्मी मंदिर जाकर भाजपा नेता वोटों का ध्रुवीकरण करने का प्रयास कर रहे हैं।

उदयनराजे ने महाराष्ट्र सरकार पर मराठा आरक्षण के मामले को लटकाने का लगाया आरोप

मुंबई। भाजपा नेता एवं राज्यसभा सदस्य उदयनराजे भोसले ने रविवार को आरोप लगाया कि महाराष्ट्र में मराठा समुदाय के आरक्षण का मामला जानबूझकर लटकाया जा रहा है। वे आरक्षण के मामले को लटकाने के लिए जिम्मेदार लोगों से जवाब मांगे। भोसले ने संवाददाताओं से कहा कि मराठा समुदाय के आरक्षण को मंडल आयोग की रिपोर्ट लागू होने के समय भी नजरअंदाज कर दिया गया, क्योंकि उस समय (1990 में) राज्य में सत्ता में रही पार्टी ने समुदाय की समस्याएं नजरअंदाज कीं। उस समय राकांपा प्रमुख शरद पवार महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री थे। भोसले ने कहा, मराठा समुदाय के अलावा शेष सभी समुदायों को मंडल आयोग के तहत आरक्षण दिया गया। इस मामले को आगे नहीं ले जाने के लिए उद्धव ठाकरे नीत सरकार पर निशाना साधा और दावा किया कि राज्य सरकार का वकील उच्चतम न्यायालय में आरक्षण के मामले पर सुनवाई के दौरान उपस्थित नहीं हुआ।

क्विक न्यूज

स्टेन स्वामी से सिपर जब्त करने की खबरों को एनआईए ने किया खारिज, गलत और झूठा बताया

नई दिल्ली। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने रविवार को इस तरह की खबरों को झूठा, गलत और शरारतपूर्ण कहकर खारिज कर दिया जिनमें आरोप लगाया गया है कि एजेंसी ने मानवाधिकार कार्यकर्ता फादर स्टेन स्वामी के स्ट्रॉ और सिपर जब्त कर लिए है और सिपर मुहैया कराने की स्वामी की याचिका पर जवाब देने के लिए अदालत से 20 दिन का समय मांगा है। स्वामी (83) को एल्गार परिषद मामले में उनकी कथित संलिप्तता के लिए आठ अक्टूबर को रांची में उनके घर से गिरफ्तार किया गया था और वह मुंबई की तलोजा जेल में बंद हैं। एनआईए के एक प्रवक्ता ने कहा कि स्वामी प्रतिबंधित संगठन भाकपा (माओवादी) के कट्टर कार्यकर्ता हैं और भीमा-कोरेगांव एल्गार परिषद मामले में संलिप्तता के लिए सात अन्य लोगों के साथ उनके खिलाफ आरोप-पत्र दाखिल किया गया है। मामला पुणे के शनिवारवाड़ा में 31 दिसंबर, 2017 को एल्गार परिषद कार्यक्रम के आयोजन से जुड़ा है जहां कथित रूप से भड़काऊ भाषण दिए गए और हिंसा भड़क जाने से जान-माल का नुकसान हुआ। एनआईए प्रवक्ता ने कहा कि जांच एजेंसी ने कभी उन्हें पुलिस हिरासत में नही लिया और उनकी मेडिकल जांच समेत सभी जरूरी कानूनी औपचारिकताएं पूरी की गई। प्रवक्ता ने कहा कि तब से वह तलोजा केंद्रीय जेल में न्यायिक हिरासत में है। स्वामी ने करीब एक महीने बाद छह नवंबर को मुंबई की एनआईए अदालत में आवेदन कर अपने स्ट्रॉ और सिपर वापस दिए जाने का अनुरोध किया था। अधिकारी ने कहा कि स्वामी ने गलत तरह से यह दावा किया कि ए सामान एनआईए ने रख लिए है। अदालत ने एनआईए से 26 नवंबर को जवाब दाखिल करने को कहा था। प्रवक्ता के अनुसार एनआईए ने अदालत में अपने जवाब में कहा कि उसने स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी में स्वामी की जांच की थी और ऐसा कोई स्ट्रॉ या सिपर उनके पास से नही मिला। इसके बाद अदालत ने स्वामी की अर्जी को खारिज कर दिया और 26 नवंबर को जेल अधिकारियो को उन्हें स्ट्रॉ तथा सिपर देने के संबंध में जरूरी निर्देश दिए थे।

बंगाल में आलू संकट कृत्रिम, तृणमूल सरकार जिम्मेदार : घोष

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की तृणमूल कांग्रेस सरकार की आलोचना करते हुए भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप घोष ने रविवार को आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ दल से संरक्षण प्राप्त लोगों ने राज्य में कृत्रिम तरीके से आलू का संकट पैदा किया है। आलू की कीमत में अचानक हुई वृद्धि पर चिंता जताते हुए घोष ने कहा कि इससे आम आदमी की जेब पर बड़ी मार पड़ी है। उन्होंने यहां संवाददाताओं से बातचीत में कहा, आलू की कीमत इतनी अधिक क्यों है? यह संकट कृत्रिम तरीके से उन लोगों द्वारा पैदा की गई है, जिन्हे सत्तारूढ़ दल का संरक्षण प्राप्त है। यह संकट उन लोगो द्वारा पैदा की गई है जो हर चीज के लिए कटमनी (किसी भी काम के लिए पैसा) लेते हैं। भाजपा नेता ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस के सदस्यो का एक धड़ा भी पार्टी नेतृत्व की कार्यप्रणाली से नाखुश है। उन्होंने दावा किया कि बागी कार्यकर्ता पीके हटाओ और तृणमूल कांग्रेस बचाओ नारा बुलंद कर रहे है। उन्होने दावा किया कि तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ता पार्टी द्वारा 2021 के विधानसभा चुनाव के लिए चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर (पीके) की सेवाएं लेने का विरोध कर रहे है। जब घोष से पूछा गया कि उत्तरी बंगाल में गोरखा जनमुक्ति मोर्चा नेता बिमल गुरुंग के राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) से अलग होने और तृणमूल कांग्रेस से मिलने से लगे झटके से क्या भगवा पार्टी उबर जाएगी, तो इसपर उन्होने कहा कि यह दार्जिलिंग के लोगो के साथ विश्वासघात है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा, गुरुंग ने पहाड़ के लोगो के साथ विश्वासघात किया है और बिनय तमांग गुट की स्वीकार्यता नही है जबकि भाजपा लंबे समय से यहां के लोगो के साथ खड़ी रही है। पहाड़ों में हमारे सांसद लोकप्रिय है।

नौसेना को अरब सागर में दुर्घनाग्रस्त मिग का कुछ मलबा मिला

मुंबई, पणजी। भारतीय नौसेना को तीन दिन पहले गोवा के तट से अरब सागर में लापता हो गए मिग-29 के विमान का कुछ मलबा मिल गया है। एक प्रवक्ता ने रविवार को बताया कि लापता पायलट कमांडर निशांत सिंह की तलाश के लिए पोत और विमानों के जरिए खोज अभियान जारी रहेगा। एक रक्षा विज्ञप्ति में कहा गया है कि खोज अभियान में नौ युद्धपोतों के साथ ही 14 विमान लगे हुए है। भारतीय नौसेना के फास्ट इंटरसेप्टर क्राफ्टै को भी तट के किनारे पानी में खोज के लिए तैनात किया गया है। विज्ञप्ति में कहा गया, मिग-29 के प्रशिक्षण विमान के दूसरे पायलट का पता लगाने के लिए भारतीय नौसेना का खोज एवं बचाव अभियान जारी रहेगा। विज्ञप्ति में बताया गया है कि यह विमान 26 नवंबर को गोवा के तट के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। उसमें बताया गया है कि विमान का टर्बो चार्जर, ईंधन टैंक इंजन विंग इंजन समेत कुछ मलबा मिला है। विज्ञप्ति में बताया गया है कि मरीन पुलिस और तटीय पुलिस भी तलाश कर रही है और पास के मछली पकड़ने वाले गांवो के लोगो को भी इस बाबत सूचित किया गया है। अधिकारियो ने बताया कि रूस निर्मित विमान ने बृहस्पतिवार को विमान वाहक पोत आईएनएस विक्रमादित्य से उड़ान भरी थी और शाम में करीब पांच बजे यह दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। उन्होंने बताया था कि विमान के एक पायलट को बचा लिया गया था।

पटना में बिहार के उपमुख्यमंत्री तार किशोर प्रसाद भाजपा नेता स्वर्गीय सूरज नंदन कुशवाहा के जन्मदिवस के अवसर पर पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी के साथ श्रद्धांजलि देते हुए

पार्टी में जाति आधारित प्रकोष्ठ के पक्ष में नहीं हूं : गडकरी

नागपुर। केंद्रीय मंत्री नीतिन गडकरी ने कहा कि वह किसी भी राजनीतिक दल में जाति, धर्म अथवा समुदाय आधारित प्रकोष्ठ के पक्ष में नहीं हैं। इन कारकों की तुलना में प्रतिभा अधिक महत्वपूर्ण है। गडकरी राजनीतिक दलों में विभिन्न जातियों एवं समुदायों का प्रतिनिधित्व करने के लिए बने अलग अलग प्रकोष्ठों का हवाला दे रहे थे। पूर्वी विदर्भ स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार संदीप जोशी के पक्ष में गडकरी रैली को संबोधित कर रहे थे। मेरी स्पष्ट राय है कोई भी व्यक्ति जाति के हिसाब से नहीं बल्कि प्रतिभा के बल पर महान होता है। भाजपा में भी हमारे अलग अलग प्रकोष्ठ हैं ... जब मैं पार्टी का अध्यक्ष था तो मुझे इसका अनुभव हुआ।

मेरी राय यह है कि जाति एवं धर्म के आधार पर कोई प्रकोष्ठ नहीं बनाना चाहिए क्योंकि ऐसी इकाईयों का उपयोग नहीं है। इन प्रकोष्ठों के प्रतिनिधि पूछते हैं कि उनकी जाति के कितने लोगों को पार्टी ने टिकट दिया है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री ने कहा, मैं हमेशा कहता हूं कि हमारी पार्टी, हमारे कार्यकर्ता हमारा परिवार हैं। हमने कभी जाति एवं समुदाय के आधार पर राजनीति नहीं की। हम उन पार्टी कार्यकर्ताओं के पीछे खड़े हैं जो कठिन मेहनत करते हैं, हम उन्हें परिवार का सदस्य मानते हैं...यही भाजपा की विशेषता है। गडकरी ने कहा कि वह सामाजिक कार्य करने अथवा जरूरतमंदों की मदद करते हुए किसी की जाति और धर्म के बारे में विचार नहीं करते हैं।

आंतरिक मतभेदों के चलते गिर जाएगी महाराष्ट्र सरकारः भाजपा नेता

नांदेड़। भाजपा नेता प्रवीण दारेकर ने रविवार को यहां कहा कि शिवसेना नीत महाराष्ट्र विकास आघाड़ी सरकार गिर जाएगी क्योंकि इस गठबंधन के सहयोगी दलों के बीच समन्वय का अभाव है।

आंध्र प्रदेश के आईटी मंत्री पर राज मिस्त्री ने हमला की कोशिश की

भाषा। अमरावती

आंध्र प्रदेश के सूचना एवं परिवहन मंत्री पेर्नी नानी पर उनके गृह नगर मछलीपट्टनम में एक राजमिस्त्री ने रविवार को कथित रूप से हमला करने की कोशिश की, जिसमें वह बच गए और सुरक्षित हैं। पुलिस ने बी नागेश्वर राव नाम के राज मिस्त्री को पकड़ लिया है। बताया जाता है कि वह नशे की हालत में था। मंत्री ने पत्रकारों से कहा कि वह सुरक्षित हैं और यह समझ नहीं पा रहे हैं कि व्यक्ति ने उनपर पर हमला करने की कोशिश क्यों की। मंत्री ने कहा, उसने मेरे पांव छूने का प्रयास किया और अचानक से करणी निकाली और मुझ पर हमला करने की कोशिश की। पेर्नी ने कहा, मैंने सौभाग्य से खुद को झुका लिया और मेरे सुरक्षा अधिकारियों ने हमलावर को पकड़ लिया। कृष्णा जिला के पुलिस अधीक्षक रवींद्र बाबू ने कहा कि वह हमले का कारणों का पता लगाने के लिए अलग-अलग कोणों से मामले की जांच कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हम सीसीटीवी फुटेज और अन्य सबूत खंगाल रहे हैं। राज्य के नागरिक आपूर्ति मंत्री के श्रीवेंकटेश्वर राव (नानी) पेर्नी नानी से मिलने पहुंचे और घटना के बारे में उनसे जानकारी ली। यह घटना तब हुई है जब मंत्री अपनी मां की मुत्यु का अनुष्ठान करने के संबंध में इंतजामों की निगरानी कर रहे थे। घटना के वक्त मंत्री के कई समर्थक उनके घर पर थे। राज मिस्त्री को बाद में पूछताछ के लिए स्थानीय थाने ले जाया गया।

चुनाव कश्मीर समस्या का कोई हल नहीं पाकिस्तान से बातचीत होः महबूबा मुफ्ती

श्रीनगर। पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने रविवार को कहा कि चुनाव कश्मीर समस्या का हल नहीं है और उन्होंने मुद्दे के हल के लिए भारत और पाकिस्तान के बीच बातचीत पर जोर दिया। उन्होंने केंद्र की भाजपा नीत सरकार पर आरोप लगाया कि वह जिला विकास परिषद (डीडीसी) के चुनावों के नाम पर 'लोकतंत्र की हत्यौ कर रही है और गठबंधन के उम्मीदवारों को घरों में ही नजरबंद कर दिया गया, वहीं अन्य लोगों को प्रचार करने की पूरी आज़ादी मिली हुई थी। महबूबा ने अपने गुपकर स्थित निवास पर संवाददाताओं से कहा, चुनाव कश्मीर समस्या का कोई हल नहीं है। दोनों देशों के बीच बातचीत होनी चाहिए। अगर हम चीन से बातचीत कर रहे हैं, जिसने हमारी जमीन ले ली है, तो पाकिस्तान के साथ क्यों नहीं? क्या यह मुस्लिम देश होने के नाते है क्योंकि अब सब चीजें सांप्रदायिक हैं। पुलिस ने हिजबुल मुजाहिदीन के साथ कथित संबंधों को लेकर पीडीपी युवा इकाई के प्रमुख वहीद पारा को गिरफ्तार किया था। इसके बाद पुलिस ने पूर्व मुख्यमंत्री को पुलवामा जिले में वहीद पारा के आवास पर जाने से रोक दिया था। महबूबा को शुक्रवार को सम्मेलन को संबोधित करने की अनुमति नहीं दी गई थी।

महबूबा ने शनिवार के मतदान प्रतिशत के महत्व के बारे में पूछे जाने पर कहा कि पहले भी मतदान प्रतिशत ज्यादा होते रहे हैं, लेकिन यह कश्मीर मुद्दे का हल नहीं है। यहां लगभग नौ लाख सुरक्षा बल हैं। किस अन्य राज्य में असैनिक क्षेत्रों में इतनी अधिक संख्या में सुरक्षा बल हैं? यदि अनुच्छेद 370 (निरस्त) ने सभी मुद्दों का हल कर दिया है, तो अब भी कश्मीर में सेना क्यों तैनात है? उन्हें सीमा पर जाना चाहिए था? पीडीपी प्रमुख ने कहा कि गठबंधन के उम्मीदवारों को डीडीसी चुनावों में स्वतंत्र रूप से प्रचार करने की अनुमति नहीं थी। उन्होंने आरोप लगाया, हमारे लोगों के पास सुरक्षा नहीं है। उन्हें अपने घरों तक सीमित कर दिया गया है और उन्हें चुनाव अभियान चलाने की अनुमति नहीं है, वहीं भाजपा के उम्मीदवार स्वतंत्र रूप से घूम रहे हैं... क्या यह देश भाजपा के एजेंडे पर चलेगा? महबूबा ने कहा कि उन्हें विभिन्न मुद्दों पर बोलने की आजादी नहीं है। जो कोई भी आवाज उठाने की कोशिश करता है, उसके खिलाफ यूएपीए के तहत मामला दर्ज कर लिया जाता है। वहीद से ज्यादा शांतिप्रिय कोई व्यक्ति नहीं है, लेकिन उसके खिलाफ यूएपीए के तहत मामला दर्ज किया गया है। यहां जो हो रहा है, वह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है।

शुक्रवार को अपनी नजरबंदी का जिक्र करते हुए महबूबा ने कहा कि काल्पनिक बात को कश्मीर में वास्तविकता के रूप में दर्शाया जा रहा है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि मुझे हिरासत में लिए जाने के बाद, चुनाव आयोग और अन्य अधिकारियों ने कहा कि मैं हिरासत में नहीं हूं। यह बताता है कि जम्मू कश्मीर में क्या हो रहा है...। उन्होंने रोशनी मुद्दे पर कहा कि यह कोई घोटाला नहीं है बल्कि गरीबों के लिए एक योजना है। उन्होंने कहा, असल घोटाला चुनावी बांड है। उन्हें इसकी जांच करने दीजिए। अगर भाजपा भूमि कब्जा के मुद्दे पर इतनी गंभीर है, तो उसे बड़े लोगों को पकड़ना चाहिए, न कि उन गरीबों को, जिनके पास अपनी पांच मरला जमीन भी नहीं है।

पटना में केन्द्रीय गृहराज्य मंत्री नित्यानंद राय एनसीसी की वर्षगांठ के अवसर पर कबूतर उड़ाते हुए।

शीघ्र ही देश के हर रेल स्टेशन पर कुल्हड़ में चाय मिलेगी : गोयल

● कहा-प्लास्टिक मुक्त भारत में रेलवे का भी यह योगदान रहेगा

भाषा। जयपुर

रेल मंत्री पीयूष गोयल ने रविवार को कहा कि आने वाले समय में देश के हर रेलवे स्टेशन पर प्लास्टिक मुक्त कुल्हड़ में ही चाय मिलेगी।

राजस्थान के अलवर में ढिगावड़ा रेलवे स्टेशन पर ढिगावड़ा - बांदीकुई रेलखंड पर विद्युतीकृत रेलमार्ग के लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए गोयल ने कहा, आज देश में लगभग 400 रेलवे स्टेशनों पर कुल्हड़ में ही चाय मिलती है। आगे चलकर हमारी योजना है कि देश के हर रेलवे स्टेशन पर सिर्फ कुल्हड़ में चाय बिकेगी.. प्लास्टिक मुक्त भारत में रेलवे का भी यह योगदान रहेगा। इससे लाखों भाई बहनों को रोजगार मिलता है। उन्होंने कहा कि पहले एक जमाना था जब रेलवे स्टेशनों पर कुल्हड़ में ही चाय मिलती थी। जब 2014 में केन्द्र में नरेन्द्र मोदी की सरकार आई तब तक कुल्हड़ गायब हो गए और प्लास्टिक के कप में चाय मिलनी शुरू हो गई। रेल मंत्री ने कहा कि खादी ग्रामोद्योग विभाग के लोगों ने रेलवे के साथ मिलकर इस कार्य को गति दी है। गोयल ने कहा, मैं अभी कुल्हड़ में चाय पी रहा था.. वास्तव में कुल्हड़ में चाय पीने का स्वाद ही कुछ और होता है.... और पर्यावरण को भी आप बचाते हो। मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी 2014 में जब से सत्ता में आए है तब से वह लोगों के स्वास्थ्य के प्रति चिंतित है। उन्होंने निर्णय किया है कि देशभर की रेलवे लाइन का शत प्रतिशत विद्युतीकरण करेंगे। उन्होंने कहा कि 2009 से 2014 के बीच में राजस्थान में रेलवे का शून्य विद्युतीकरण हुआ था और 2014 के बाद 1433 किलोमीटर लंबी रेलवे लाइन का विद्युतीकरण हो चुका है। गोयल ने कहा, आज के इस विद्युतीकरण के खत्म हो जाने के बाद

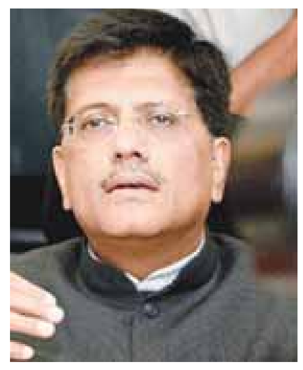

अब रेवाडी से अजमेर तक जाने वाले रेलमार्ग पर अब शत प्रतिशत विद्युतीकरण हो चुका है और अब पूरी तरह से गाडियां इलेक्ट्रिक लाइन पर चलेगी.. आपके क्षेत्र में डीजल की गाड़ियां बंद करके हम आपके क्षेत्र के प्रदूषण को पूरी तरीके से शून्य करेंगे। इससे ट्रेन की गति भी बढ़ेगी और उद्योग, किसानों के उत्पाद को जल्दी भेज सकेंगे। उन्होंने कहा, हमारी किसान रेल किसानों का सरसों देश के कोने काने तक पहुंचा पाएगी और किसानों को सही मूल्य और दाम मिलेगा। जिस व्यक्ति से किसानों को पूरी कीमत मिल सकेगी उन्हें वे अपना माल भेज सकेंगे। गोयल ने कहा कि रेल मार्ग के विद्युतीकरण से यहां से दिन रात चलने वाली मालगाडियों के खर्च को कम कर पाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी विकास का लाभ देश के हर कोने तक हर व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। गोयल ने कहा कि राजस्थान में 2009 से 2014 के बीच पांच वर्ष में रेलवे के 65 अंडरपास बने थे जबकि 2014 से 2020 के बीच छह गुना अधिक 378 अंडरपास बनाए गए। उन्होंने कहा कि इसी तरह 2009 से 2014 के बीच रोड ओवरब्रिज पांच साल में मात्र चार बने थे वहीं 2014 से 2020 के बीच 30 रोड ओवरब्रिज बने। उन्होंने कहा कि राजस्थान में 10,000 करोड़ रुपए के निवेश से सात नई लाइनों पर काम चल रहा है। इस अवसर पर रेल मंत्री ने 34 किलोमीटर के नए विद्युतीकृत ढिगावड़ा-बांदीकुई रेल खंड पर पहली ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

मंगलुरु में एक और भड़काऊ भित्तिचित्र सामने आया

मंगलुरु। कर्नाटक के तटीय शहर मंगलुरु में रविवार को एक और भड़काऊ भित्तिचित्र सामने आया। इससे पहले इसी तरह से दीवार पर भड़काऊ लेख देखने को मिला था। पुलिस ने बताया कि यह भित्तिचित्रण एक घर की दीवार पर किया गया था। पुलिस ने बताया कि उसने सूचना मिलते ही मौके पर पहुंच कर दीवार पर बने भित्तिचित्र को मिटाया और अज्ञात लोगों के खिलाफ दो समुदायों में विद्वेष उत्पन्न करने और सार्वजनिक सम्पत्ति को नुकसान पहुंचाने की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया। मंगलुरु के पुलिस आयुक्त विकास कुमार ने कहा कि इस भित्तिचित्र को भी पहले वाले लेख के दौरान ही बनाया गया था लेकिन यह संज्ञान में बाद में आया। गौरतलब है कि 26 नवंबर को मुंबई पर हुए आतंकी हमले की 12वीं बरसी के मौके पर मंगलुरु में एक अर्पाटमेंट परिसर की दीवार पर बना भड़काऊ भित्तिचित्र सामने आया था जिसमें हमले के लिए जिम्मेदार आतंकवादी संगठन लश्कर -ए-तैयबा की सराहना की गई थी। उक्त भित्तिचित्र में लिखा था, हमें संघियों और मनुवादियों का मुकाबला करने के लिए लश्कर-ए-तैयबा और तालिबान को बुलाने के लिए मजबूर नहीं करें।

नंदीग्राम आंदोलन के शिल्पी रहे शुभेंदु अधिकारी के तीखे तेवरों से सांसत में तृणमूल कांग्रेस

● ममता बनर्जी सरकार में नंबर दो की हैसियत रखने वाले अधिकारी कई हफ्तों से मंत्रिमंडल की बैठक से नदारद रहकर अपनी नाराजगी दर्ज करा रहे थे

भाषा। नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस में अपनी उपेक्षा से खफा चल रहे शुभेंदु अधिकारी ने शुक्रवार को मंत्री पद से इस्तीफा देकर अपने कड़े तेवरों का पार्टी को अहसास करा दिया।

ममता बनर्जी सरकार में नंबर दो की हैसियत रखने वाले अधिकारी कई हफ्तों से मंत्रिमंडल की बैठक से नदारद रहकर अपनी नाराजगी दर्ज करा रहे थे और उन्होंने हुगली रिवर ब्रिज आयोग का अध्यक्ष पद भी छोड़ दिया। नंदीग्राम सीट से विधायक 49 वर्षीय अधिकारी ने मंत्री पद से इस्तीफे के साथ ही अपनी जेड प्लस सुरक्षा वापस कर दी है साथ ही सरकारी आवास भी छोड़ दिया है। पार्टी नेतृत्व के प्रति अपने रुख को कठोर करते जा रहे अधिकारी ने हालांकि सुलह की गुंजाइश बरकरार रखी है, क्योंकि उन्होंने तृणमूल की सदस्यता से अभी इस्तीफा नहीं दिया है। कांथी पी.के कॉलेज से स्नातक शुभेंदु अधिकारी ने छात्र जीवन में ही राजनीति में कदम रखा और 1989 में छात्र परिषद के प्रतिनिधि चुने गए। इसके बाद वह 36 साल की उम्र में पहली बार वर्ष 2006 में कांथी दक्षिण सीट से विधायक निर्वाचित हुए। इसी साल वह कांथी नगर पालिका के चेयरमैन भी बने। सक्रिय राजनीति के दौरान शुभेंदु वर्ष 2009 और 2014 में तुमलुक लोकसभा सीट से सांसद निर्वाचित हुए। वर्ष 2016 उन्होंने नंदीग्राम विधानसभा सीट पर जीत दर्ज की जिसके बाद उन्हें ममता सरकार में मंत्री बनाया गया था। शुभेंदु के सियासी कद को उंचाई प्रदान करने में पूर्वी मिदनापुर के वर्ष 2007 के नंदीग्राम आंदोलन ने बड़ी भूमिका निभाई। ममता बनर्जी के नेतृत्व में हुए नंदीग्राम आंदोलन के शुभेंदु शिल्पी रहे। इंडोनेशियाई रासायनिक कंपनी के लिए भूमि अधिग्रहण के खिलाफ उन्होंने भूमि उच्छेद प्रतिरोध कमेटी के बैनर तले आंदोलन खड़ा किया। आंदोलनकारियों की पुलिस और माकपा कैडरों के साथ खूनी झड़प हुई। पुलिस द्वारा प्रदर्शनकारियों पर की गई गोलीबारी में कई लोगों की मौत के बाद आंदोलन और उग्र हो गया, जिससे तत्कालीन वाम मोर्चा सरकार को झुकना पड़ा। नंदीग्राम और हुगली जिले के सिंगूर में भूमि अधिग्रहण के खिलाफ आंदोलन ने तृणमूल कांग्रेस की पश्चिम बंगाल में पकड़ को और मजबूत करते हुए उसे 34 साल से राज्य की सत्ता पर काबिज वाम मोर्चा को हटाने में सफलता दिलाई। ममता बनर्जी सरकार में परिवहन, जल संसाधन और विकास विभाग तथा सिंचाई एवं जलमार्ग विभाग मंत्री रहे शुभेंदु अधिकारी पूर्वी मिदनापुर जिले के प्रभावशाली राजनीतिक परिवार से ताल्लुक रखते हैं। शुभेंदु के पिता शिशिर अधिकारी वर्ष 1982 में कांग्रेस के टिकट पर कांथी दक्षिण सीट से विधायक निर्वाचित हुए, लेकिन बाद में वह तृणमूल कांग्रेस के संस्थापक सदस्यों में शुमार रहे। मनमोहन सिंह सरकार में ग्रामीण विकास राज्य मंत्री रह चुके शिशिर अधिकारी फिलहाल तुमलुक लोकसभा सीट से सांसद हैं और पूर्वी मिदनापुर के तृणमूल कांग्रेस के जिलाध्यक्ष भी हैं। शुभेंदु के भाई दिव्यंदु अधिकारी कांथी लोकसभा सीट से सांसद हैं, जबकि सौमेंदु कांथी नगर पालिका के अध्यक्ष हैं।

पूर्वी मिदनापुर, जिसके अंतर्गत 16 विधानसभा सीटें हैं, के साथ-साथ पड़ोस के पश्चिमी मिदनापुर, बांकुरा और पुरुलिया आदि जिलों की करीब पांच दर्जन विधानसभा सीटों पर इस परिवार का प्रभाव है। बताया जाता है कि नंदीग्राम आंदोलन में शुभेंदु के रणनीतिक कौशल को देखते हुए ममता बनर्जी ने उन्हें जंगलमहल जिसके अंतर्गत मिदनापुर, बांकुरा और पुरुलिया आदि जिले आते हैं, में तृणमूल के विस्तार का काम सौंपा था। वाम मोर्चा का गढ़ कहे जाने वाले इन जिलों में शुभेंदु ने पार्टी की पकड़ को मजबूत बनाया। इसके अलावा उन्होंने मुर्शिदाबाद और मालदा में भी तृणमूल को बढ़त दिलाने के काम को अंजाम दिया। संगठन पर बेहतर पकड़ के बूते ममता बनर्जी के नेतृत्व में तृणमूल कांग्रेस ने 2011 के बाद 2016 में भी शानदार प्रदर्शन किया। हालांकि इन अच्छे परिणामों को तृणमूल वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में बरकरार नहीं रख सकी। भाजपा ने तृणमूल को कड़ी टक्कर देते हुए राज्य की कुल 42 लोकसभा सीटों में से 18 पर जीत हासिल की जबकि 12 सीट गंवाते हुए तृणमूल कांग्रेस 22 सीट ही जीत सकी। इस चुनाव में तृणमूल ने शुभेंदु अधिकारी का गढ़ मानी जाने वाली लोकसभा की 13 सीटों में से 9 को गंवा दिया। शुभेंदु अधिकारी कई बार विवादों में भी घिरे। नंदीग्राम आंदोलन के दौरान हुए खूनी संघर्ष को लेकर उनपर कमेटी के लोगों को हथियार उपलब्ध कराने के आरोप लगे, हालांकि उन्होंने इन्हें खारिज किया। सारदा घोटाले में भी अधिकारी का नाम आया। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने वर्ष 2014 में सारदा समूह के वित्तीय घोटाले में कथित भूमिका को लेकर अधिकारी से पूछताछ की। दरअसल कंपनी के एक पूर्व कर्मचारी ने आरोप लगाया था कि सारदा के प्रमुख सुदीप्तो सेन कश्मीर भागने से पहले अधिकारी से मिले थे। हालांकि अधिकारी ने इन आरोपों से इनकार किया।

राज्यपाल तृणमूल से सदन में बहुमत साबित करने को जल्द कह सकते है : सौमित्र

कोलकाता। भाजपा सांसद सौमित्र खान ने तृणमूल कांग्रेस में असंतोष के स्वर मुखर होने के बीच रविवार को दावा किया कि राज्यपाल पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से विधानसभा में अपना बहुमत साबित करने के लिए जल्द ही कह सकते हैं। इस बीच, तृणमूल कांग्रेस ने कहा कि भगवा खेमे के नेताओं के मन में लोकतंत्र के लिए कोई सम्मान नहीं है। भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष खान ने जलपाईगुड़ी में एक कार्यक्रम के इतर कहा कि सत्तारूढ़ दल में मौजूदा उथल-पुथल और असंतोष के कारण यह प्रश्न सामने आ गया है कि क्या सदन में पार्टी के पास पर्याप्त संख्या में विधायकों का समर्थन है या नहीं।

खान ने कहा, विधायक जिस प्रकार असंतोष व्यक्त कर रहे हैं और तृणमूल छोड़ रहे हैं, उसे देखते हुए राज्यपाल मुख्यमंत्री से जल्द बहुमत साबित करने के लिए कह सकते हैं... इसकी संभावना है। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी के मंत्रिमंडल के कई मंत्री भाजपा में शामिल होने के लिए तैयार हैं। तृणमूल के सांसद सौगत राय ने खान के बयान पर टिप्पणी की कि उनके जैसे भाजपा नेता संविधान और उसके प्रावधानों के बारे में कुछ नहीं जानते। राय ने कहा, पहली बात तो यह है कि खान को यह कैसे पता कि राज्यपाल इस प्रकार का असंवैधानिक कदम उठाएंगे? चुनी गई सरकार के साथ इस तरीके से व्यवहार नहीं किया जा सकता... और विधायकों का बहुमत मुख्यमंत्री के साथ है। तृणमूल के पास सदन में 218 विधायकों का समर्थन है। शुभेंदु अधिकारी समेत तृणमूल के कई नेताओं ने पार्टी को लेकर हाल में असंतोष जताया है। पार्टी आलाकमान से नाराज चल रहे अधिकारी ने शुक्रवार को राज्य के परिवहन मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया था। भाजपा राज्य अध्यक्ष दिलीप घोष ने कहा कि तृणमूल में अधिकारी को निकालने का साहस ही नहीं है क्योंकि पार्टी को डर है कि जल्द ही वह लुप्त हो सकती है। घोष ने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ पार्टी के नेता अपने घरों और कार्यालयों से कभी बाहर ही नहीं निकले और अब वे 2021 विधानसभा चुनाव से पहले जमीनी हकीकत का पता लगाने के लिए बाहर निकलने के लिए मजबूर हैं। पश्चिम बंगाल की 294 सदस्ईय विधानसभा के लिए चुनाव अगले वर्ष अप्रैल- मई में होने की संभावना है।

हैदराबाद में एआईएमआईएम अध्यक्ष व सांसद असदुद्दीन ओवैसी हैदराबाद म्युनिसिपल कारपोरेशन के चुनाव को लेकर नामपल्ली विधानसभा क्षेत्र में डोर-टू-डोर अभियान के दौरान वोट की मांग करते हुए

एमवीए सरकार अपनी विफलताओं को छुपाने के लिए केंद्र सरकार पर आरोप लगा रही: दानवे

भाषा। औरंगाबाद

केंद्रीय मंत्री रावसाहेब दानवे ने रविवार को कहा कि उद्धव ठाकरे नीत महा विकास अघाड़ी (एमवीए) सरकार सभी मोर्चों पर विफल है और अपनी विफलता को छुपाने के लिए वह केंद्र सरकार पर आरोप लगा रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने पूर्ववर्ती देवेंद्र फडणवीस नीत सरकार द्वारा लोगों के कल्याण के लिए शुरू किए गए सभी योजनाओं को रोक दिया। शिवसेना, राकांपा और कांग्रेस की एमवीए सरकार ने शनिवार को कार्यालय में एक साल पूरा कर लिया है। केंद्रीय उपभोक्ता मामलों के राज्य मंत्री ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, राज्य सरकार सभी मोर्चों पर विफल है। महाराष्ट्र में पिछले विधानसभा चुनाव के दौरान, मतदाताओं ने भाजपा-शिवसेना गठबंधन को जनमत दिया था लेकिन यह सरकार सिर्फ मुख्यमंत्री की कुर्सी की वजह से सत्ता में आई। उन्होंने दावा किया, मैं उस समय भाजपा का राज्य इकाई का प्रमुख था। पार्टी ने शिवसेना से मुख्यमंत्री पद साझा करने के संबंध में कोई वादा नहीं किया था। भाजपा नेता ने कहा, हालांकि शिवसेना ने उस वादे को पूरा करने की मांग की, जो कभी किया ही नहीं गया था। यह राज्य में किसानों को मदद करने का अपना वादा भूल चुकी है। उन्होंने कहा, राज्य सरकार ने बारिश प्रभावित किसानों की मदद के लिए 10,000 करोड़ रुपए के पैकेज की घोषणा की। लेकिन इनमें से आधे पैकेज की राशि सड़क, पुल और इमारतों और अन्य ढांचों पर खर्च की जाएगी।

ओड़िशा विधानसभा में भाजपा सदस्य ने अध्यक्ष की माइक तोड़ी

भुवनेश्वर। विपक्षी भारतीय जनता पार्टी के विधायकों ने शनिवार को लगातार चौथे दिन ओडिशा विधानसभा की कार्यवाही बाधित की। भाजपा सदस्यों ने शनिवार को भी कृषि मंत्री के इस्तीफे की मांग की और उन पर पांच साल की बच्ची की हत्या के आरोपी को बचाने का आरोप लगाया। भाजपा ने मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो से कराने की भी मांग की। राज्य सरकार की अपराध शाखा एवं उच्च न्यायालय की निगरानी में मामले की जांच के लिए गठित विशेष जांच दल को खारिज करते हुए भाजपा सदस्य एक समय अध्यक्ष के आसन के समीप आ गए। पार्टी विधायक मोहन माझी ने विधानसभा अध्यक्ष का माइक तोड़ दिया और मेज पर लगी फाइबर शील्ड को उखाड़ दिया। कोरोना वायरस से बचाव के लिए प्रत्एक सदस्य की सीट के आगे फाइबर शील्ड लगाया गया है। यह विधानसभा अध्यक्ष एस एन पात्रो के आगे भी लगाया गया है। भाजपा सदस्यों ने कृषि मंत्री अरूण कुमार साहू के इस्तीफे की मांग की।

भाजपा ने कश्मीर के डीडीसी चुनाव के लिए उर्दू में जारी किया चुनाव घोषणा पत्र

श्रीनगर। भाजपा ने कश्मीर में जिला विकास परिषद (डीडीसी) चुनाव के लिए अपना चुनाव घोषणापत्र रविवार को उर्दू में जारी किया। पूर्व एमएलसी विभोद गुप्ता ने घाटी में पार्टी के वरिष्ठ नेता सोफी यूसुफ और दरखशां अब्दराबी की मौजूदगी में इस घोषणापत्र को जारी किया।

चुनाव घोषणा पत्र में दावा किया गया है कि भाजपा ने भूतपूर्व जम्मू कश्मीर राज्य को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 और 35ए को रद्द कर देश को एक किया तथा गुपकर घोषणापत्र गठबंधन (पीएजीडी) वोट बैंक की राजनीति के लिए राष्ट्र हित के खिलाफ काम कर रहा है। पीएजीडी में नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी समेत मुख्यधारा की कई राजनीतिक पार्टियां हैं।

घोषणा पत्र में कहा गया है कि राज्य का पुनर्गठन करने के बाद, जम्मू-कश्मीर को विकास और शांति के पथ पर अग्रसर किया गया है। पार्टी ने दावा किया कि पत्थरबाजी खत्म हो गई है तथा आतंकवाद से सख्ती से निपटा जा सकता है। घोषणा पत्र में भाजपा ने केंद्र शासित प्रदेश के निवासियों के लिए 100 फीसदी सरकारी नौकरियां आरक्षित करने का श्रेय लेने का भी दावा किया। साथ में यह भी दावा किया कि उसने ऐसी नीति बनाई है जिससे औद्योगिकीकरण बढ़ेगा। पार्टी ने कहा कि उसने केंद्र शासित प्रदेश में भ्रष्टाचार और जमीन कब्जाने के खिलाफ युद्ध छेड़ दिया है।

पेज एक का शेष

किसानों ने ठुकराई...

निरंकारी ग्राउंड में आए हैं लेकिन हम तब तक प्रदर्शन जारी रखेंगे जब तक कि सरकार इन कानूनों को वापस नहीं ले लेती।' इससे पहले गृहमंत्री अमित शाह ने किसानों से बुराड़ी ग्राउंड जाने की अपील की थी। शाह ने कहा था, 'तीन दिसंबर को किसानों के एक प्रतिनिधिमंडल को बातचीत के लिएए बुलाया गया है। कुछ किसानों संगठनों ने तुरंत बातचीत की मांग की है, प्रदर्शनकारियों के बुराड़ी ग्राउंड में जाने के बाद केंद्र सरकार जल्द से जल्द बातचीत करेगी। इस बीच किसानों ने अपील को ठुकरा दिया है और वे टिकरी तथा सिंघू बॉर्डर में जमे हैं। हरियाणा के भारतीय किसान यूनियन के अध्यक्ष गुरनाम सिंह चढ़ूनी ने कहा ' किसान और उसके संगठन सरकार की शर्त को मानने के लिए तैयार नहीं हैं। हां किसान बातचीत के लिए तैयार हैं लेकिन बगैर किसी शर्त के।' रविवार की शाम किसानों द्वारा आयोजित एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा गया सरकार द्वारा भेज गए पत्र में वार्ता के लिए शर्त रखी गई थी। भारतीय किसान यूनियन एकता, सिधूरपुर पंजाब के प्रदेश अध्यक्ष जगजीत सिंह ढल्लेवाला ने कहा ' कोई भी शर्त नहीं होनी चाहिए और हमारी मांग है कि किसानों के खिलाफ सरकार के तीन कानूनों को रद्द किया जाना चाहिए। उन्हें बिजली 2020 अध्यादेश को भी वापस लेना चाहिए।' एक अन्य किसान ने कहा, 'हमें पता चला है कि उत्तराखंड से भी किसान प्रदर्शन में हिस्सा लेने आए थे और दिल्ली पुलिस ने उन्हें गुमराह किया। किसानों कहा कि वे जंतर-मंतर जाना चाहते हैं लेकिन पुलिस उन्हें लेकर निरंकारी ग्राउंड पहुंच गई।' बीकेयू क्रांतिकारी, पंजाब के अध्यक्ष सुरजीत सिंह फूल ने कहा ' कुछ प्रदर्शनकारियों द्वारा मीडिया से किए गए दुर्व्यवहार के लिए हम माफी मांगना चाहते हैं। भविष्य में इस तरह की स्थिति से बचने के लिए एक आधिकारिक प्रेस नोट जारी किया जाएगा तथा किसी भी राजनीतिक दल को हमारे मंच से नहीं बोलने दिया जाएगा।' उन्होंने कहा कि मांगे पूरी होने तक हमारा प्रदर्शन खत्म नहीं होगा। इस बीच एक दुखद हादसे में धनौला निवासी पेशे से मैकेनिक 65 वर्षीय जनका राज किसानों के प्रदर्शन में भाग लेने के लिए टिकरी बॉर्डर पर आया था, शनिवार की रात कार में आग लगने से उसकी मौत हो गई। हरियाणा के पुलिस अधिकारी ने बताया ' यह घटना हरियाणा के बहादुरगढ़ स्थित नजफगढ़ रोड फ्लाईओवर पर शनिवार तड़के 1-30 पर हुई, जब उसकी मारुति स्विफ्ट कार में आग लग गई। हादसे के दौरान जनकाराज सो रहे थे।' किसान यहां पर लंबे समय तक डटे रहने के लिए आए हैं। उनके वाहनों में राशन, बर्तन, अंगीठी और जाड़े से बचने के लिए कंबल है। यहां तक अपने फोन को चार्ज करने के लिए वे चार्जिंग प्वाइंट से भी लैस हैं। शुक्रवार को राजधानी के विभिन्न प्रवेश बिंदुओं पर हजारों किसान इकट्ठा हुए थे उन्हें नई दिल्ली के बुराड़ी इलाके में स्थित निरंकारी ग्राउंड में शांतिपूर्ण प्रदर्शन की अनुमति दी गई थी। बहरहाल, अनुमति देने ठीक पहले सिंघू और टीकरी बॉर्डर पर दिल्ली पुलिस और किसानों के बीच झड़प शुरू हो गई। प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए पुलिस आंसू गैस के गोले, वाटर कैनन का इस्तेमाल तखा हल्की लाठियां भांजनी पड़ी थी। सिंघू सीमा पर 40 मिनट की झड़प में पुलिस द्वारा लगाई कंटील तारों और बैरिकेड को तोड़ दिया गया तथा दोनों तरफ पथराव किया गया। पुलिस ने कहा कि दोनों ओर से किसी को गंभीर चोट नहीं आई। टिकरी बॉर्डर पर प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोलों तथा वॉटर कैनन का इस्तेमाल किया। किसान उनको दिल्ली में प्रवेश से रोकने के लिए खड़े किए गए ट्रकों को हटाने की कोशिश कर रहे थे।

कृषि सुधार कानून ...

किया गया। मन की बात में अपने करीब आधे घंटे के संबोधन में प्रधानमंत्री ने विभिन्न विषयों पर बात की। उन्होंने देशवासियों को बताया कि 1913 के आसपास वाराणसी के एक मंदिर से चुराई गई देवी अन्नपूर्णा की प्राचीन प्रतिमा को कनाडा से भारत वापस लाया जा रहा है।

ट्रायल में कोरोना ...

आरोपों को नकार दिया है और हर्जाने की धमकी दी है। सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया ने एक बयान में कहा कि नोटिस में लगाये गये आरोप दुर्भावनापूर्ण और गलत हैं। सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया उक्त व्यक्ति की चिकित्सा स्थिति के प्रति सहानुभूति रखता है, लेकिन टीके के परीक्षण का उसकी स्थिति के साथ कोई संबंध नहीं है।

दिल्ली में लगातार ...

को 8.65 प्रतिशत और बुधवार को 8.49 प्रतिशत था। स्वास्थ्य विभाग की ओर से जारी बुलेटिन में कहा गया है कि शनिवार को दिल्ली में कुल 64,186 नमूनों की जांच की गयी। इनमें से 29,839 नमूनों की आरटीपीसीआर जांच की गयी जबकि 34,347 नमूनों की एंटीजन जांच की गयी। शुक्रवार को कुल 69,051 नमूनों की जांच की गयी थी जो अब तक का सर्वाधिक है। दिल्ली में 11 नवंबर को एक दिन में सर्वाधिक 8,593 संक्रमित मामले सामने आये थे जबकि 18 नवंबर को एक दिन में सबसे अधिक 131 लोगों की मौत हुयी थी। बुलेटिन के अनुसार दिल्ली में कोरोना वायरस संक्रमण के कुल मामले रविवार को बढ़ कर 5,66,648 हो गये जिसमें से 5,22,491 मरीज संक्रमण मुक्त हो चुके हैं। बुलेटिन के अनुसार राष्ट्रीय राजधानी में उपचाराधीन मरीजों की सांख्या 35,091 है जो शनिवार के 36,578 की अपेक्षा कम है।

मध्य प्रदेश में ...

मध्यप्रदेश ने प्रतिष्ठित टाइगर स्टेट का अपना खोया हुआ दर्जा कर्नाटक से आठ साल बाद फिर से हासिल किया है। इससे पहले, वर्ष 2006 में भी मध्यप्रदेश को 300 बाघों के होने के कारण टाइगर स्टेट का दर्जा प्राप्त था। लेकिन कथित तौर पर शिकार आदि की वजह से वर्ष 2010 में बाघों की संख्या घटकर 257 रह गई थी, जिसके कारण कर्नाटक ने मध्यप्रदेश से टाइगर स्टेट का दर्जा छीन लिया था। तब कर्नाटक में 300 बाघ थे। वहीं, वर्ष 2014 में मध्यप्रदेश में बाघों की संख्या बढ़कर 308 हुई। लेकिन मध्यप्रदेश बाघों की संख्या में देश में कर्नाटक (408) एवं उत्तराखंड (340) के बाद तीसरे स्थान पर खिसक गया था। राष्ट्रीय बाघ आंकलन रिपोर्ट 2018 के अनुसार देश में सबसे अधिक 526 बाघ मध्यप्रदेश में थे, जबकि कर्नाटक 524 बाघों के साथ दूसरे स्थान पर है। इस प्रकार मध्यप्रदेश ने दो पायदान की छलांग लगाकर टाइगर स्टेट का दर्जा फिर से पाया।

इस बार सर्दी ...

अंतर देखने को मिलेगा। कई साल पहले, आईएमडी के एक अध्ययन में कहा गया था कि हाल के दशकों में सर्दियों की शुरुआत धीरे-धीरे लगभग 15 दिन आगे खिसक रही है। इस साल राष्ट्रीय राजधानी में अक्टूबर का महीना 58 साल में सबसे ठंडा था। इस वर्ष अक्टूबर में न्यूनतम तापमान 17.2 डिग्री सेल्सियस रहा, जो 1962 के बाद सबसे कम था, उस साल यह 16.9 डिग्री सेल्सियस था।

स्वर्ग सरीखा होगा ...

सिक्स लेन सड़क का उद्धघाटन भी करेंगे। देव दीपावली पर प्रधानमंत्री खुद भी दीपदान करेंगे और फिर क्रूज पर बैठकर मां गंगा की गोद से अर्धचन्द्राकार घाटों पर जल रहे दीपों का नयनाभिराम नजारा देखेंगे, जो मां गंगा के गले में दीपों का हार जैसा प्रतीत होगा । पीएम मोदी चेत सिंह घाट पर लाइट एंड साऊंड के जरिये पौराणिक प्रसंग पर आधारित कार्यक्रम का लेजर शो भी देखेंगे। इसके बाद वह श्रीकाशी विश्वनाथ धाम के काम की प्रगति भी देखेंगे और काशी पुराधपति के दर्शन भी करेंगे।

प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा की दृष्टि के चलते किसी भी तरह के ड्रोन उड़ाने पर 1 दिसम्बर तक प्रतिबंध लगा दिया है। पर्यटक एवं श्रद्धालु इस साल अस्सी घाट से ललिता घाट तक नौका विहार कर सकेंगे। ललिता घाट से राजघाट तक उच्च स्तरीय सुरक्षा के कारण जनसामान्य के लिए नौकायन शाम 6.30 बजे के बाद चालू होगा। सुरक्षा के लिए प्रत्येक नाव में सवार होने वाले यात्रियों की चेकिंग जाएगी। जो संस्थाएं पारंपरिक रूप से घाटों पर आरती या सांस्कृतिक कार्यक्रम करती हैं, वे इस बार भी उत्साह से कार्यक्रम कर सकती हैं। तेज आवाज में डीजे नही बजाएं जाएंगे। केवल एक घाट पर सुनाई दे इतनी ही आवाज में आरती या कार्यक्रम होंगे।

छत्तीसगढ़ में नक्सली ...

सहायक कमांडेंट 33 वर्षीय नितिन पी भालेराव ने रविवार तड़के दम तोड़ दिया। विस्फोट में सेकेंड इन कमान रैंक के अधिकारी टीम लीडर दिनेश कुमार समेत नौ अन्य कमांडो घायल हो गए। सात जवानों का रायपुर के अस्पताल में इलाज चल रहा है जबकि दो जवानों का इलाज चिंतलनार के अस्पताल में हो रहा है। घायल जवान सीआरपीएफ की 206 वीं कोबरा बटालियन से हैं। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि सीआरपीएफ की पांच नई बटालियनों के शिविर लगाने के लिए यह दल स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर इलाके का निरीक्षण कर रहा था और इसी दौरान आईईडी विस्फोट हो गया। केंद्रीय गृह मंत्रालय की हाल में मिली मंजूरी के बाद छत्तीसगढ़ में सीआरपीएफ की पांच और बटालियनों को नक्सल विरोधी ड्यूटी पर लगाया जा सकता है। बल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि शहीद भालेराव महाराष्ट्र के नासिक जिले के निवासी थे। वह 2010 में सीआरपीएफ में शामिल हुए थे और कोबरा बटालियन में 2019 में आए थे। सीआरपीएफ के महानिदेशक एपी माहेश्वरी सुबह ही दिल्ली से रायपुर पहुंचे और उन्होंने यहां बल के शिविर में शहीद को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने ट्वीट किया, सीआरपीएफ शोक संतप्त परिवार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है। बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। हम और जोश के साथ अभियान को आगे बढ़ाएंगे और शत्रुओं को उनकी कायराना हरकतों में कामयाब नहीं होने देंगे। शहीद भालेराव के परिवार में उनकी मां, पत्नी और छह वर्ष की बेटी है। सीआरपीएफ के प्रवक्ता ने बताया कि शहीद के पार्थिव शरीर को विमान के जरिए आज शाम नासिक ले जाया जाएगा।

कोविड-19 टीके से प्रतिकूल प्रभाव पड़ने के दावों की पड़ताल कर रहे हैं डीसीजीआई और आचार समिति

नई दिल्ली। चेन्नई में कोविड-19 के टीके के परीक्षण में शामिल एक प्रतिभागी को प्रतिकूल प्रभाव होने के दावों के बाद भारत के औषध महानियंत्रक (डीसीजीआई) और संस्थान की आचार समिति इस बात की पड़ताल कर रहे हैं कि क्या इसका संबंध संबंधित व्यक्ति को दी गई टीके की खुराक से है। पुणे स्थित सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) द्वारा किए जा रहे टीके के तीसरे चरण के परीक्षण में सहभागी चेन्नई के एक 40 वर्षीय कारोबारी ने टीके की डोज लेने के बाद कथित रूप से गंभीर न्यूरोलॉजी संबंधी और मनोवैज्ञानिक लक्षण उभरने का दावा करते हुए पांच करोड़ रुपए का मुआवजा मांगा है। उसे एक अक्टूबर को चेन्नई के श्री रामचंद्र इंस्टीट्यूट ऑफ हायर एजुकेशन एंड रिसर्च में यह खुराक दी गई थी जो परीक्षण स्थलों में शामिल है। व्यक्ति की ओर से एक लॉ फर्म ने भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के महानिदेशक, भारत के औषध महानियंत्रक, केंद्रीय औषध मानक नियंत्रण संगठन, एस्ट्राजेनेका यूके के सीईओ, ऑक्सफोर्ड यूनवर्सिटी के टीके के परीक्षण के मुख्य अनुसंधानकर्ता प्रोफेसर एंड्रयू पोलार्ड तथा श्री रामचंद्र हायर एजुकेशन एंड रिसर्च के कुलपति को कानूनी नोटिस भेजा है।

टीका उपलब्ध होने पर खिलाड़ियों को प्राथमिकता दी जाएगी: रीजीजू

नई दिल्ली। खेल मंत्री किरेन रीजीजू ने रविवार को कहा कि कोविड-19 का टीका उपलब्ध होने पर ओलंपिक के लिए जाने वाले खिलाड़ियों और सहायक स्टाफ को प्राथमिकता दी जाएगी। देश को स्थगित हो चुके तोक्यो ओलंपिक के लिए खिलाड़ियों का अपना अब तक का सबसे बड़ा दल भेजने की उम्मीद है। तोक्यो ओलंपिक का आयोजन अगले साल 23 जुलाई से आठ अगस्त तक किया जाएगा।

इंटर मिलान ने सासुओलो को 3–0 से हराया

मिलान। इंटर मिलान ने सीरी ए फुटबॉल लीग के मैच में सासुओलो पर 3-0 से जीत हासिल की। घरेलू टीम सासुओलो को अभी तक किसी भी मैच में हार नही मिली थी जिससे इंटर मिलान ने उसकी नही हारने की लय तोड़ दी। सांचेज ने चौथे ही मिनट मे इंटर मिलान को आगे कर दिया। इसके बाद चिरिचे के आत्मघाती गोल से इंटर मिलान के स्कोर मे इजाफा हुआ। रोबर्टो गागलियार्डिनी ने 60वें मिनट मे गोल कर इंटर मिलान का स्कोर 3-0 कर दिया। मिलान की यह सात मैचो मे दूसरी ही जीत है।

रियाल मैड्रिड हारा, एटलेटिको ने लगातार छठी जीत दर्ज की

मैड्रिड। एटलेटिको मैड्रिड ने शनिवार को स्पेनिश फुटबॉल लीग के मुकाबले मे वालेंसिया को 1-0 से हराकर लगातार छठी जीत हासिल की। वही रियाल मैड्रिड को एलावेस से घरेलू मुकाबले मे 1-2 से शिकस्त का सामना करना पड़ा जो उसकी लगातार तीसरी हार है। इससे वह अपने शहर की प्रतिद्वंद्वी एटलेटिको मैड्रिड से छह अंक पीछे खिसक गई है जबकि वह उससे एक मैच ज्यादा खेल चुकी है।

मॉरिसियो के दो गोल से ओडिशा ने जमशेदपुर को बराबरी पर रोका

वास्को। स्थानापन्न खिलाड़ी डिएगो मॉरिसियो के दो गोल की मदद से ओडिशा एफसी ने दो गोल से पिछड़ने के बाद जोरदार वापसी करते हुए जमशेदपुर एफसी को 2-2 से बराबरी पर रोक दिया। जमशेदपुर के नेरिजस वाल्सकिस ने पहले हाफ मे दबदबा बनाते हुए 12वें और 27वें मिनट मे गोल दागकर अपनी टीम को 2-0 की बढ़त दिलाई। मध्यांतर के बाद मैदान पर उतरे मॉरिसियो ने इसके बाद मैच का रुख बदला।

विष्णु ने आनलाइन निशानेबाजी प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीता

नई दिल्ली। भारत के विष्णु शिवराज पंडियन ने रविवार को प्रेसिडेंट आफ इंडोनेशिया ओपन निशानेबाजी टूर्नामेंट की चैंपियन्स आफ चैंपियन्स आनलाइन प्रतियोगिता मे कांस्य पदक जीता।

कंगारूओं के सामने टीम इंडिया की नहीं चली

● आस्ट्रेलिया ने दूसरे वनडे में भारत को रौंदकर श्रृंखला में अजेय बढ़त बनाई

भाषा। सिडनी

आस्ट्रेलिया ने स्टीव स्मिथ की 64 गेंद में 104 रन की शतकीय पारी से रनों का पहाड़ खड़ा करके रविवार को यहां दूसरे वनडे में भारत को 51 रन से शिकस्त देकर तीन मैचों की श्रृंखला में 2–0 से अजेय बढ़त हासिल कर ली।

आस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए स्मिथ के शतक के अलावा चार अर्धशतकीय पारियों से चार विकेट पर 389 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। आस्ट्रेलियाई रन मशीन स्मिथ का यह भारत के खिलाफ 50 ओवर के प्रारूप में पांचवां शतक है और उन्होंने श्रृंखला के शुरूआती मैच में सैकड़े के बाद लगातार दूसरा शतक जमाया। पहले वनडे में शतक के लिए उन्होंने 66 गेंद का सामना किया था। भारत के लिए 390 रन का लक्ष्य काफी बड़ा साबित हुआ जो कप्तान विराट कोहली (89) और लोकेश राहुल (76) के अर्धशतकों के बावजूद निर्धारित 50 ओवर में नौ विकेट पर 338 रन ही बना सकी। इस बड़े लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम के लिए फार्म में चल रहे शिखर धवन (30) और मंयक अग्रवाल (28) ने शुरूआत बाउंड्री से की। अग्रवाल ने पहले ही ओवर में दो बार गेंद सीमारेखा के पार कराई जबकि धवन ने मिशेल स्टार्क पर लगातार तीन चौके जमाए। अग्रवाल की शानदार कवर ड्राइव से मेहमान टीम ने 6.1 ओवर में 50 रन का स्कोर पार कर लिया था। हालांकि तेजी से रन जुटाने के प्रयास में धवन विकेट गंवा बैठे। फिर कोहली उतरे और भारतीय कप्तान ने हमेशा की तरह अपनी 87 गेंद की पारी के दौरान कुछ बेहतरीन शॉट लगाते हुए भारत को लक्ष्य का पीछा करने की दौड़ में बनाए रखा। भारत ने 9–10 रन प्रति ओवर के जरूरी रन रेट को बनाए रखने की कोशिश की। लेकिन तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड ने आस्ट्रेलिया को सबसे बड़ी सफलता दिलाई जब उनकी गेंद पर मोइजेस हेनरिक्स ने मिडविकेट पर डाइव करते हुए कोहली का कैच लपक लिया। इसके बाद हार्दिक पंड्या क्रीज पर उतरे और इस हरफनमौला ने लोकेश राहुल के साथ मिलकर कुछ बड़े शॉट जमाए। लेकिन इतना ही काफी नहीं था। राहुल अपनी 66 गेंद की पारी के दौरान पांच छक्के और चार चौके जमाकर पवेलियन पहुंच गए। इसके बाद भारतीय टीम की उम्मीद टूट गई। आस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज पैट कमिंस ने अपने 10 ओवर में 67 रन देकर तीन विकेट हासिल किए। स्मिथ की 104 रन की पारी के अलावा विस्फोटक सलामी बल्लेबाज वार्नर ने 77 गेंद में 83 रन बनाए जबकि कप्तान फिंच ने पहले विकेट के लिए 23 ओवर में 142 रन की साझेदारी के दौरान 60 रन का योगदान दिया। लाबुशेन व मैक्सवेल की जोड़ी ने इसी आक्रामकता को बरकरार रखते हुए आस्ट्रेलिया को विशाल स्कोर तक पहुंचाया।

स्कोरबोर्ड

आस्ट्रेलियाई पारी : वार्नर रन आउट (अय्यर) 83, फिंच का कोहली बो शमी 60 , स्मिथ का शमी बो पंड्या 104, लाबुशेन का अग्रवाल बो बुमराह 70 ,मैक्सवेल नाबाद 63 , हेनरिक्स नाबाद 02 , **अतिरिक्त :** 07, **योग :** 50 ओवर मे चार विकेट पर 389 रन , **विकेट पतन :**1-142, 2-156, 3-292, 4-372 , **गेंदबाजी :** , शमी 9-0-73-1 , बुमराह 10-1-79-1 , सैनी 7-0-70-0, चहल 9-0-71-0, पंड्या 4-0-24-1, जडेजा 10-0-60-0, अग्रवाल 1-0-10-0

भारतीय पारी : मयंक का कैरी बो कमिंस 28, धवन का स्टार्क बो हेजलवुड 30,कोहली का हेनरिक्स बो हेजलवुड 89, अय्यर का स्मिथ बो हेनरिक्स 38, राहुल का हेजलवुड बो जाम्पा 76, पंड्या का स्मिथ बो कमिंस 28,जडेजा का मैक्सवेल बो कमिंस 24, सैनी नाबाद 10, शमी का एवं बो मैक्सवेल 01, बुमराह पगबाधा बो जाम्पा 00,चहल नाबाद 04,**अतिरिक्त :** 10, **योग :** 50 ओवर में नौ विकेट पर : 338 रन, **विकेट पतन :**1-58, 2-60, 3-153, 4-225, 5-288, 6-321, 7-321, 8-326, 9-328, **गेंदबाजी :**, स्टार्क 9-0-82-0, हेजलवुड 9-0-59-2, कमिंस 10-0-67-3, जाम्पा 10-0-62-2 , हेनरिक्स 7-0-34-1 , मैक्सवेल 5-0-34-1

कोहली ने हार के लिए प्रभावहीन गेंदबाजी को जिम्मेदार ठहराया

सिडनी। भारतीय कप्तान विराट कोहली को यह स्वीकार करने में कोई समस्या नहीं है कि दूसरे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में आत्मविश्वास से भरे आस्ट्रेलिया ने उन्हें पूरी तरह पछाड़ दिया और इसके लिए उन्होंने अपनी टीम की प्रभावहीन गेंदबाजी को जिम्मेदार ठहराया। कोहली ने मैच के बाद पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान कहा, उन्होंने हमें पूरी तरह से पछाड़ दिया। मुझे लगता है कि हम गेंद से उतने प्रभावी नहीं थे, हम लगातार उस लाइन और लेंथ से गेंदबाजी नहीं कर पाए जिसके साथ करनी थी और उनका बल्लेबाजी क्रम मजबूत है। वे हालात और मैदान के कोणों को काफी अच्छी तरह समझते हैं स्कोरबोर्ड देखिए, हमने 340 रन बनाए और 50 रन के आसपास से हारे। हमें हमेशा से पता था कि लक्ष्य का पीछा करना आसान नहीं होगा और एक या दो विकेट गिरने से हमें 13, 16 रन प्रति ओवर की गति से रन बनाने पड़ सकते थे इसलिए हमें लगातार शॉट खेलने थे। कोहली ने कहा कि आस्ट्रेलियाई क्षेत्ररक्षकों ने उनके और श्रेयस अय्यर (38) के जो कैच लपके वे टर्निंग प्वाइंट रहे।

गेंदबाजी एक्शन में बदलाव के साथ पंड्या ने एक साल बाद पहली बार गेंदबाजी की

सिडनी। भारतीय हरफनमौला हार्दिक पंड्या ने एक साल पहले हुई पीठ की सर्जरी के बाद वापसी करते हुए रविवार को यहां दूसरे वनडे के दौरान आस्ट्रेलिया के खिलाफ पहली बार शीर्ष स्तर के क्रिकेट में गेंदबाजी की। दो दिन पहले शुरूआती वनडे के बाद पंड्या ने कहा था कि वह महत्वपूर्ण मैचों में और जब सही समय होगा, तभी गेंदबाजी करेंगे। उन्होंने शरीर पर पड़ने वाले दबाव को कम करने के लिए अपने गेंदबाजी एक्शन में थोड़ा बदलाव किया है। रविवार को 27 साल के पंड्या ने भारत को बड़ा विकेट अपने चार ओवर के स्पैल के दौरान शतकवीर स्टीव स्मिथ के रूप में 42वें ओवर में दिलाया।

गेंदबाजों के लिए लर्निंग कर्व , परिस्थितियों के अनुरूप ढलने की जरूरत: राहुल

सिडनी। भारत के उप कप्तान लोकेश राहुल ने जूझ रहे अपने गेंदबाजों का पूरा समर्थन करते हुए कहा कि जसप्रीत बुमराह एंड कंपनी ने अभी तक परिस्थितियों के अनुकूल ढलने में कठिनाईयों का सामना किया है और यह हैरानी बात नहीं है कि बल्लेबाजों के मुफीद आस्ट्रेलियाई ट्रैक पर विकेट मुश्किल ही रहेगा। बुमराह पर टीम काफी निर्भर रहती है लेकिन घरेलू टीम के बल्लेबाजों ने उनकी और मोहम्मद शमी की गेंदबाजी को साधारण प्रतीत कराते हुए मन माफिक रन जुटाए। राहुल ने कहा, मैं इस बात से सहमत नहीं हूं जब आप कहते हो कि वे जूझ रहे हैं। यहां अलग तरह के हालात हैं, अलग प्रारूप है। यह हमारे लिए सीखने की चीज (लर्निंग कर्व) है कि हम सोचें कि जब इस तरह के अच्छे बल्लेबाजी विकेट पर खेलें तो कैसे बेहतर करें।

वार्नर को चोट लगी,अस्पताल ले जाया गया

सिडनी। आस्ट्रेलिया के विस्फोटक सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर को रविवार को यहां दूसरे वनडे के दौरान ग्रोइन चोट लग गई जिसके कारण भारत के खिलाफ सीमित ओवर की श्रृंखला के बचे हुए मैचों में उनके खेलने पर संदेह बन गया। वार्नर को भारतीय पारी के चौथे ओवर में डाइव करने के बाद उठने में परेशानी हुई जिसके बाद वह सिडनी क्रिकेट मैदान से बाहर चले गए। इस सीनियर खिलाड़ी को स्कैन कराने के लिए करीब के अस्पताल में ले जाया गया।

विरोधी टीमों के लिए काफी डरावना लग रहा है स्मिथ: मैक्सवेल

सिडनी। आस्ट्रेलिया के आलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने स्टीव स्मिथ के भारत के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में रविवार को यहां लगातार दूसरा शतक जड़ने के बाद कहा कि उनकी टीम का यह साथी विरोधी टीमों के लिए काफी डरावना लग रहा है। मैक्सवेल ने आनलाइन प्रेस कांफ्रेंस में कहा, जैसा कि उसने (स्मिथ ने) कुछ दिन पहले कहा कि वह लय हासिल कर चुका है, वह इस समय विरोधी टीमों के लिए काफी डरावना लग रहा है।

इथियोपिया के वेलेलेगन व एहुआलॉ ने रिकार्ड समय में दिल्ली हाफ मैराथन जीती

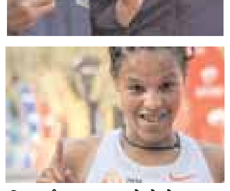

भाषा। नई दिल्ली

इथियोपिया के अमेदेवर्क वेलेलेगन और यालेमजर्फ एहुआलॉ ने रविवार को यहां कोविड–19 महामारी के बीच जैविक रूप से सुरक्षित माहौल में आयोजित एयरटेल दिल्ली हाफ मैराथन में रिकार्ड समय के साथ क्रमश: पुरूष और महिला खिताब अपने नाम किए। इस विश्व एथलेटिक्स गोल्ड लेबल रोड रेस में दोनों पुरूष और महिला एलीट रेस विजेताओं ने कोर्स रिकार्ड बनाए। वेलेलेगन (58.53 सेकेंड) और एहुआलॉ को पहला स्थान हासिल करने के लिए 27,000 डॉलर की इनामी राशि के साथ रिकार्ड के बोनस के लिए अतिरिक्त 10,000 डॉलर मिले। बल्कि एहुआलॉ दूसरी सबसे तेज महिला हाफ मैराथन दौड़ने वाली एथलीट रहीं। उन्होंने एक घंटे चार मिनट 46 सेकेंड का समय लिया जो विश्व रिकार्ड समय (1:04:31) से सेंकेंड के एक चौथाई समय से ज्यादा था जो हमवतन अबाबेल एशानेह के नाम है जो तीसरे स्थान पर रहीं।

टायसन रिंग में लौटे, जोंस के साथ प्रदर्शनी मैच ड्रा

लास एंजिलिस। महान मुक्केबाज माइक टायसन ने रॉय जोन्स जूनियर के खिलाफ प्रदर्शनी बाउट से मुक्केबाजी रिंग में वापसी की। दोनों सीनियर मुक्केबाजों के बीच बाउट के दौरान शानदार पल रहे जिसे डब्ल्यूबीसी जजों ने अनौपचारिक रूप से ड्रा करार दिया। 54 वर्षीय टायसन और 51 वर्षीय जोंस ने दो मिनट के आठ राउंड खेले। इस बाउट से विभिन्न चैरिटी के लिए धनराशि जुटाई गई। दोनों बाउट के बाद मुस्कुराते दिखे। टायसन ने कहा, यह चैम्पियनशिप के लिए लड़ने की तुलना में ज्यादा बेहतर था।

इंग्लैंड ने दक्षिण अफ्रीका को चार विकेट से हराकर श्रृंखला जीती

(दक्षिण अफ्रीका)। गेंदबाजों के उम्दा प्रदर्शन के बाद डेविड मलान के अर्धशतक से इंग्लैड ने दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच मे रविवार को यहां दक्षिण अफ्रीका को चार विकेट से हराकर तीन मैचो की श्रृंखला मे 2-0 की विजई बढ़त बना ली। दक्षिण अफ्रीका के 147 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैड ने मलान की 40 गेद मे सात चौको और एक छक्के की मदद से 55 रन की पारी की बदौलत 19.5 ओवर मे छह विकेट पर 147 रन बनाकर जीत दर्ज की। कप्तान इयोन मोर्गन 26 रन बनाकर नाबाद रहे। मलान और मोर्गन ने पांचवे विकेट के लिए 51 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी करके इंग्लैड की जीत मे अहम भूमिका निभाई।

फिलिप्स के रिकॉर्ड शतक से न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज को हराया

माउंट मोनगानुई। ग्लेन फिलिप्स के 46 गेंद मे बनाए रिकॉर्ड शतक की बदौलत न्यूजीलैड ने रविवार को यहां दूसरे टी20 मैच मे वेस्टइंडीज को 72 रन से हराकर तीन मैचो की श्रृंखला मे 2-0 की विजई बढ़त बना ली। फिलिप्स ने 51 गेद मे 108 रन की पारी के दौरान न्यूजीलैड की ओर से सबसे तेज शतक बनाया। उन्होने अपनी पारी मे आठ छक्के और 10 चौके मारने के अलावा डेवोन कॉनवाय (37 गेद मे नाबाद 65) के साथ तीसरे विकेट के लिए 184 रन की साझेदारी की जिससे न्यूजीलैड ने तीन विकेट पर 238 रन बनाए। वेस्टइंडीज की टीम इसके जवाब मे नौ विकेट पर 166 रन ही बना सकी।

घरेलू सत्र के लिए बीसीसीआई का खाका : मुश्ताक 20, रणजी 11 जनवरी से

भाषा। मुंबई

घरेलू क्रिकेट का आयोजन करने के लिए बेताब भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने सीमित मुकाबलों के सत्र के ढांचे पर राज्य संघों की सलाह मांगी है। घरेलू सत्र के आयोजन के लिए बीसीसीआई ने दिसंबर से मार्च के बीच देश भर में छह जैविक रूप से सुरक्षित स्थल तैयार करने की योजना बनाई है। संघों को लिखे पत्र में बोर्ड ने घरेलू मुकाबलों के आयोजन को लेकर चार विकल्प दिए हैं जिसमें पहला विकल्प सिर्फ रणजी ट्रॉफी का आयोजन है। दूसरा विकल्प सिर्फ सैयद मुश्ताक अली टी20 टूर्नामेंट का आयोजन है। तीसरे विकल्प में रणजी ट्रॉफी और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी का संयोजन होगा जबकि चौथा विकल्प दो सीमित ओवरों के टूर्नामेंट (सैयद मुश्ताक अली और विजय हजारे ट्रॉफी) के लिए विंडो तैयार करना है।

पत्र के अनुसार बीसीसीआई ने टूर्नामेंट के संभावित समय पर भी बात की है। रणजी ट्रॉफी (11 जनवरी से 18 मार्च) के लिए 67 दिन प्रस्तावित किए गए हैं। इस पत्र की प्रति पीटीआई के पास भी है। मुश्ताक अली ट्रॉफी के आयोजन के लिए 22 दिन (20 दिसंबर से 10 जनवरी) की जरूरत होगी जबकि अगर विजय हजारे ट्रॉफी का आयोजन होता है तो यह 11 जनवरी से सात फरवरी के बीच 28 दिन में आयोजित हो सकता है। बीसीसीआई 38 टीमों के घरेलू टूर्नामेंट के लिए छह स्थानों पर जैविक रूप से सुरक्षित वातावरण तैयार करेगा। पत्र में कहा गया है, 38 टीमों को पांच एलीट समूह और एक प्लेट समूह में बांटा जाएगा। एलीट समूह में छह–छह टीमें होंगी जबकि प्लेट समूह में आठ टीमें होंगी। प्रत्एक जैविक रूप से सुरक्षित वातारण में तीन आयोजन स्थल होंगे और मैचों का डिजिटल प्रसारण किया जाएगा। बोर्ड ने हाल में इंडियन प्रीमियर लीग का आयोजन यूएई में जैविक रूप से सुरक्षित माहौल में किया था और अध्यक्ष सौरव गांगुली ने जोर देते हुए कहा था कि आम तौर पर अगस्त में होने वाले घरेलू सत्र भी शुरू किया जा सकता है।

नीति आयोग के सदस्य ने कहा, नए कृषि कानूनों को ठीक से समझ नही पाए हैं आंदोलनकारी किसान

नई दिल्ली। नीति आयोग के सदस्य (कृषि) रमेश चंद ने कहा है कि आंदोलन कर रहे किसान नए कृषि कानूनों को पूरी तरह या सही प्रकार से समझ नहीं पाए हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इन कानूनों में किसानों की आय को बढ़ाने की काफी क्षमता है। इन कानूनों का मकसद वह नहीं है, जो आंदोलन कर रहे किसानों को समझ आ रहा है। इन कानूनों का उद्देश्य इसके बिल्कुल उलट है। चंद ने पीटीआई–भाषा से साक्षात्कार में कहा, जिस तरीके से मैं देख रहा हूं, मुझे लगता है कि आंदोलन कर रहे किसानों ने इन कानूनों को पूरी तरह या सही तरीके से समझा नहीं है। यदि इन कानूनों का क्रियान्वयन होता है, तो इस बात की काफी अधिक संभावना है कि किसानों की आमदनी में वृद्धि होगी। कुछ राज्यों में तो किसानों की आय दोगुना तक हो जाएगी। उनसे पूछा गया था कि क्या सरकार को अब भी भरोसा है कि वह 2022 तक किसानों की आय को दोगुना कर पाएगी।

महिलाओं के नेतृत्व वाले सूक्ष्म करोबार पर कोविड-19 के असर ने सामाजिक-आर्थिक अंतर बढ़ाया: सर्वे

नई दिल्ली। देश में महिलाओं के नेतृत्व वाले छोटे उद्यमों पर कोविड–19 महामारी के विपरीत प्रभाव ने सामाजिक–आर्थिक अंतर को और बढ़ाया है। एक सर्वेक्षण में यह बात सामने आई है। आंध्र प्रदेश के क्रिया विश्वविद्यालय में लीड और ग्लोबल अलायंस फॉर मास एंटरप्रेन्योरशिप (गेम) के संयुक्त अध्ययन में देश में छोटे कारोबारों पर कोविड–19 के असर का पता लगाया गया। लीड एक गैर–लाभकारी शोध संगठन है। सर्वेक्षण में कहा गया है कि सरकारों, बैंकों और अन्य वित्तीय संस्थानों को महिलाओं पर इसके प्रभाव को कम करने के लिए तत्काल लैंगिक तौर पर संवेदनशील नीतियां अपनाने की जरूरत है, ताकि हालात बेहतर किए जा सकें।

THE PIONEER CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Madhuri, D/o. Anil Kumar, R/o. 28/464, Himmat Puri, Trilok Puri, Delhi-110091 have changed my name from Madhuri to Insha Saifi on 25.11.2020 for all purposes.

PD(8818)A

CHANGE OF RELIGION

I, Madhuri, D/o. Anil Kumar, R/o. 28/464, Himmat Puri, Trilok Puri, Delhi-110091 have changed my religion from Hinduism to Islam w.e.f. 25.11.2020.

PD(8819)A

कंपनियों ने इस साल आईपीओ से 25,000 करोड जुटाए

नई दिल्ली। तरलता की बेहतर स्थिति तथा निवेशकों की उत्साहवर्धक प्रतिक्रिया के चलते कंपनियों ने इस साल अबतक आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिए करीब 25,000 करोड़ रुपए जुटाए हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि 2021 में भी आईपीओ बाजार मजबूत रहने की उम्मीद है। समीक्षाधीन अवधि में आईपीओ बाजार की गहराई बढ़ी हैं।

लगातार तीसरी बार यथावत रह सकती हैं ब्याज दरें

● दिसंबर में होनी है मौद्रिक समीक्षा ●रिजर्व बैंक तैयार

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक दिसंबर की मौद्रिक समीक्षा में नीतिगत दरों को लगातार तीसरी बार यथावत रख सकता है। विशेषज्ञों ने यह राय जताई है। विशेषज्ञों ने कहा कि खुदरा मुद्रास्फीति की दर बढ़ने की वजह से मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) संभवत: एक बार फिर ब्याज दरों में बदलाव नहीं करेगी। खुदरा मुद्रास्फीति इस समय रिजर्व बैंक के संतोषजनक स्तर से ऊपर बनी हुई है। हालांकि, सितंबर में समाप्त चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में भी सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर नकारात्मक रही है, जिसकी वजह से केंद्रीय बैंक अपने मौद्रिक रुख को नरम रख सकता है। इससे आगे जरूरत होने पर ब्याज दरों में कटौती की जा सकती है। रिजर्व बैंक गवर्नर शक्तिकान्त दास की अगुवाई वाली छह सदस्ईय मौद्रिक नीति समिति की दो दिन की बैठक दो दिसंबर से शुरू होगी। बैठक के नतीजों की घोषणा चार दिसंबर को की जाएगी। एमपीसी की अक्टूबर में हुई पिछली बैठक में नीतिगत दरों में बदलाव नहीं किया गया था। इसकी वजह मुद्रस्फीति में बढ़ोतरी है जो हाल के समय में छह प्रतिशत के स्तर को पार कर गई है। रिजर्व बैंक का अनुमान है कि चालू वित्त वर्ष में देश की अर्थव्यवस्था में 9.5 प्रतिशत की गिरावट आएगी। इस साल फरवरी से केंद्रीय बैंक रेपो दर में 1.15 प्रतिशत की कटौती कर चुका है। कोटक महिंद्रा बैंक समूह की अध्यक्ष–उपभोक्ता बैंकिंग शांति एकम्बरम ने कहा, मुद्रास्फीति लगातार रिजर्व बैंक के मध्यम अवधि के लक्ष्य चार प्रतिशत से ऊपर बनी हुई है। ऐसे में आगामी मौद्रिक समीक्षा में ब्याज दरों में कटौती की गुंजाइश सीमित है। हालांकि त्योहारी सीजन की वजह से उपभोक्ता मांग में उत्साहर्धक सुधार देखने को मिला है। क्रिसिल के मुख्य अर्थशास्त्री धर्मकीर्ति जोशी ने कहा कि रिजर्व बैंक नीतिगत समीक्षा में ब्याज दरों को यथावत रखेगा। इसी तरह की राय जताते हुए केयर रेटिंग्स के मुख्य अर्थशास्त्री मदन सबनवीस ने कहा, मुद्रास्फीति अब भी काफी ऊपर है। ऐसे में रिजर्व बैंक के पास नीतिगत दरों को यथावत रखने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। इसके अलावा भी चालू वित्त वर्ष के लिए ब्याज दरों में कटौती की गुंजाइश काफी हद तक समाप्त हो चुकी है। ब्रिकवर्क रेटिंग्स के मुख्य आर्थिक सलाहकार एम गोविंदा राव ने कहा कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति अब काफी अधिक है। ऐसे में एमपीसी द्वारा ब्याज दरों में बदलाव की संभावना नही है। मनीबॉक्स फाइनेंस के सह–मुख्य कार्यपालक अधिकारी दीपक अग्रवाल ने कहा कि खाद्य मुद्रास्फीति काफी ऊंची है। मुख्य मुद्रास्फीति भी अधिक है। ऐसे में रिजर्व बैंक नीतिगत दरों को यथावत रखेगा। रीयल एस्टेट सलाहकार एनारॉक के चेयरमैन अनुज पुरी ने का कि रीयल एस्टेट की वृद्धि निचली ब्याज दरों पर टिकी है। ऐसे में हम चाहते हैं कि रेपो दर में कटौती हो।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से पांच कंपनियों का बाजार पूंजीकरण घटा

नई दिल्ली। सेंसेक्स की शीर्ष 10 मे से पांच कंपनियो के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) मे बीते सप्ताह सामूहिक रूप से 91,699 करोड़ रुपए की गिरावट आई। सबसे अधिक नुकसान में रिलायंस इंडस्ट्रीज रही। रिलायंस इंडस्ट्रीज के अलावा इन्फोसिस, एचडीएफसी, आईसीआईसीआई बैंक तथा भारती एयरटेल के बाजार पूंजीकरण मे भी गिरावट आई। वही दूसरी ओर टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), एचडीएफसी बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, कोटक महिंद्रा बैंक तथा बजाज फाइनेंस के बाजार मूल्यांकन मे बढ़ोतरी हुई। समीक्षाधीन सप्ताह मे रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 60,829.21 करोड़ रुपए घटकर 12,23,416.97 करोड़ रुपए रह गया।

कैट का ई–कॉमर्स कंपनियों पर एफडीआई नियमों के उल्लंघन का आरोप

नई दिल्ली। व्यापारियों के संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने ई-कॉमर्स कंपनियों पर प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) नियमों के उल्लंघन का आरोप लगाया है। कैट ने इस बारे मे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र भी लिखा है। पत्र मे कहा गया है कि देशभर के व्यापारी केंद्र सरकार के डिजिटल इंडिया कार्यक्रम के तहत ई-कॉमर्स व्यापार को अपनाने के लिए उत्सुक है।

एयरएशिया इंडिया की विस्तार की योजना

मुंबई। किफायती सेवाएं देने वाली एयरलाइन एयरएशिया इंडिया की योजना अगले साल जून तक अपने बेड़े मे तीन और एयरबस ए320 नियो विमान शामिल करने की है। अपने बेड़े तथा नेटवर्क के विस्तार की योजना के तहत विमानन कंपनी यह कदम उठाने जा रही है। टाटा और मलेशिया की एयरएशिया इन्वेसटमेंट लि. की संयुक्त उद्यम कंपनी के बेड़े मे फिलहाल 32 विमान है।

अप्रैल–सितंबर के दौरान भारत में एफडीआई का दूसरा सबसे बड़ा स्रोत रहा अमेरिका

नई दिल्ली। चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही के दौरान भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) के लिए अमेरिका दूसरा सबसे बड़ा स्रोत बनकर उभरा है। अमेरिका ने मॉरीशस को अपदस्थ कर यह स्थान हासिल किया है। इसकी जानकारी वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के आंकड़ों से मिली है। उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के आंकड़ों के अनुसार, चालू वित्त वर्ष में अप्रैल से सितंबर के दौरान भारत को अमेरिका से 7.12 अरब डॉलर का और मॉरीशस से दो अरब डॉलर का एफडीआई प्राप्त हुआ। मॉरीशस इस दौरान चौथे स्थान पर फिसल गया।

डीएलएफ ने गुरुग्राम में करीब 90 प्रतिशत फ्लोर की बिक्री

नई दिल्ली। रियल्टी कंपनी डीएलएफ लिमिटेड ने गुरुग्राम में 300 करोड़ रुपए से अधिक की लगभग 90 फ्लोर की बिक्री की है। कंपनी की योजना पिछले कुछ महीने में प्रीमियम आवासीय संपत्तियों की मांग बढ़ने से इस तरह की कुछ और परियोजनाएं शुरू करने की है। कंपनी की योजना गुरुग्राम, न्यू गुरुग्राम और पंचकुला में डीएलएफ फेज द्ब–द्बक्ष् में ऐसे फ्लोर बनाने की है। डीएलएफ के वरिष्ठ कार्यकारी निदेशक (बिक्री) आकाश ओहरी ने कहा, हाल ही में हमने गुरुग्राम में डीएलएफ सिटी फेज 3 में 22 प्लॉट में तैयार प्रीमियम आवासीय फ्लोर (3.75 – 4.25 करोड़ रुपए की कीमत पर) के रूप में 88 आवासीय इकाइयां पेश की।

सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र की साधारण बीमा कंपनियों से बेवजह के खर्चो में कटौती को कहा

भाषा। नई दिल्ली

वित्त मंत्रालय ने सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनियों को अपनी शाखाओं को सुसंगत करने तथा ऐसे खर्चों में कटौती करने को कहा है, जिनसे बचा जा सकता है। सूत्रों ने यह जानकारी देते हुए कहा कि यह निर्देश विशेषरूप से नेशनल इंश्योरेंस, ओरियंटल इंश्योरेंस और यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस के लिए है, जिससे इन कंपनियों की वित्तीय सेहत सुधारी जा सके। इससे पहले इसी साल केंद्रीय मंत्रिमंडल ने तीनों सार्वजनिक क्षेत्र की साधारण बीमा कंपनियों की विलय की प्रक्रिया को रोक दिया था। तीनों कंपनियों की खराब वित्तीय स्थिति को देखते हुए यह कदम उठाया गया था। सरकार ने इन कंपनियों में 12,450 करोड़ रुपए की पूंजी डालने की मंजूरी दी थी ताकि ए नियामकीय मानकों को पूरा कर सकें।

एफपीआई ने नवंबर में भारतीय शेयर बाजारों में रिकॉर्ड 60,358 करोड़ डाले

नई दिल्ली। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) नवंबर में लगातार दूसरे महीने भारतीय बाजारों में शुद्ध निवेशक बने रहे। एफपीआई ने नवंबर में भारतीय बाजारों में शुद्ध रूप से 62,951 करोड़ रुपए डाले हैं। इस दौरान एफपीआई ने शेयर बाजारों में रिकॉर्ड निवेश किया है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार एफपीआई ने नवंबर में शेयरों में शुद्ध रूप से 60,358 करोड़ रुपए का निवेश किया है।

RAM GOPAL COLLEGE OF PHARMACY
Sultanpur, Tehsil-Farrukhnagar, Near Sultanpur Bird Sanctuary, Distt. Gurgaon, Haryana
Affiliated to Pt. B.D.Sharma University of health Sciences, Rohtak & Pharmacy Council of India (PCI) and State Govt. Haryana
ADMISSION NOTICE FOR SESSION 2020-21
TUITION FEE WAIVER SCHEME FOR ECONOMICALLY WEAKER SECTION
Total Number Of Students - 3
BACHELOR OF PHARMACY (4 Year)
Admission Procedure: Candidate shall have passed 10+2 examination with English as one of the subjects and Physics, Chemistry, Mathematics (P.C.M) and or Biology (P.C.B) as optional subjects individually. Admission on merit based only. Admission as per State Govt. Policy.
Last date of submission of application form - 04/12/2020 till 5:00 pm
Display & merit list and deposition of fees - 05/12/2020 till 04:00 pm
Website - www.ramgopalcollege.com Mob. No - 9310480029

सेशेल्स के साथ द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करेगा भारत

भाषा। विक्टोरिया

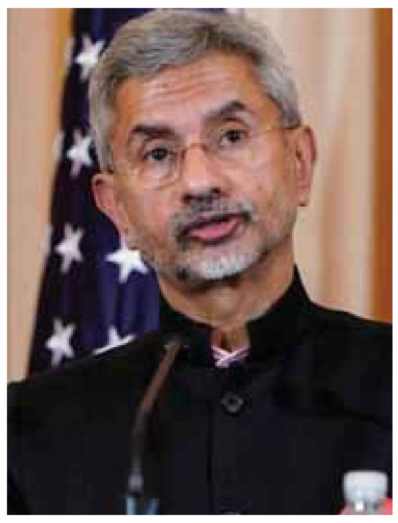

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सेशेल्स की दो दिवसीय यात्रा में देश के शीर्ष नेतृत्व के साथ वार्ता की और इस दौरान भारत ने हिंद महासागर के इस देश के साथ कोविड-19 के बाद के दौर में रणनीतिक संबंध और मजबूत करने का संकल्प लिया।संयुक्त अरब अमीरात से यहां पहुंचे जयशंकर मंगलवार को शुरू हुई तीन देशों की अपनी इस यात्रा के तहत बहरीन भी गए थे।

जयशंकर ने सेशेल्स के भारतीय मूल के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति वैवेल रामकलावन से शुक्रवार को मुलाकात की और उन्हें चुनाव में हाल में मिली जीत की बधाई दी। एस जयशंकर और रामकलावन ने कानून के शासन तथा लोकतंत्र के मूल्यों में साझा विश्वास पर आधारित दोनों देशों के ऐतिहासिक रूप से मजबूत संबंधों पर चर्चा की। विदेश मंत्रालय की शनिवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, उन्होंने कोविड-19 दौर के बाद भारत तथा सेशेल्स के बीच रणनीतिक साझेदारी को और बढ़ाने के भारत के संकल्प को दोहराया। इसमें कहा गया कि मंत्री ने भारत के सागर (क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा एवं विकास) दृष्टिकोण में सेशेल्स के अहम होने की बात की, जो हिंद महासागर क्षेत्र की ओर भारत की नीति को दर्शाता है। जलक्षेत्र पार के पड़ोसी होने के नाते सेशेल्स पड़ोसी को प्राथमिकता देने की भारत की नीति का भी हिस्सा है। जयशकंर ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का एक निजी संदेश भी रामकलावन तक पहुंचाया। भारत ने सेशेल्स के राष्ट्रपति को 2021 में भारत आने का न्योता दिया है।जयशंकर ने रामकलावन के साथ बैठक के बाद ट्वीट किया, हमने हमारे निकट सुरक्षा सहयोग, विकास को लेकर मजबूत साझेदारी और लोगों के बीच पुराने संबंधों पर चर्चा की। विदेश मंत्री ने कहा, उन्होंने उन्हें पड़ोसी को प्राथमिकता देने की नीति और सागर को लेकर दृष्टिकोण, दोनों के तहत सेशेल्स के विशेष रूप से प्राथमिक होने का भरोसा दिलाया। बयान में कहा गया कि मंत्री ने जनवरी 2018 में रामकलावन की भारत की यात्रा की बात की और भरोसा जताया कि उनके नेतृत्व में दोनों देशों के बीच निकट संबंध और भी मजबूत होंगे। रामकलावन ने कोरोना वायरस वैश्विक महामारी के दौरान चिकित्सकीय आपूर्ति के रूप में भारत द्वारा मुहैया कराई गई सहायता की सराहना की और दोनों देशों के बीच विकास एवं सुरक्षा साझेदारी की महत्ता पर बात की। उन्होंने इसके सेशेल्स में राष्ट्रनिर्माण पर सकारात्मक असर को लेकर भी चर्चा की।जयशंकर ने सेशेल्स के हितों और महत्वाकांक्षाओं को समर्थन देने तथा इस सहयोग को और ऊंचे स्तर पर ले जाने की भारत की प्रतिबद्धता पर भी जोर दिया। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस वार्ता के दौरान द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने तथा कोविड-19 वैश्विक महामारी के कारण सामने आई चुनौतियों से निपटने के लिए सहयोग एवं समन्वय की आवश्यकता को रेखांकित किया गया।उन्होंने हिंद महासागर के पारिस्थितिकी तंत्र की रक्षा करते हुए नशीले पदार्थों की तस्करी, अवैध एवं अनियमित तरीके से मछलियां पकड़ने, समुद्री डकैती और जलवायु परिवर्तन से निपटने के साझे प्रयासों को मजबूत करने पर जोर दिया। बयान में कहा गया कि जयशंकर ने सेशेल्स के पर्यटन एवं विदेश मामलों के मंत्री सिल्वेस्टर रेडेगोंडे से भी मुलाकात की और विकास के लिए साझेदारी, क्षमता निर्माण, रक्षा सहयोग, लोगों के बीच आपसी संपर्क, सांस्कृतिक संबंध, व्यापार, पर्यटन एवं वाणिज्य और स्वास्थ्य समेत द्विपक्षीय संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर बातचीत की।जयशंकर की यह यात्रा ऐसे समय में महत्वपूर्ण है, जब भारत हिंद महासागर में सामरिक रूप से अहम क्षेत्र में अपनी पहुंच बढ़ाने के लिए देश में बुनियादी ढांचा विकसित कर रहा है। हिंद महासागर में चीन अपनी सैन्य मौजूदगी बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। इस साल 25 अक्टूबर को राष्ट्रपति पद का चुनाव जीतने वाले भारतीय मूल के राष्ट्रपति रामकलावन के पिता बिहार के मूल निवासी थे।

वाशिंगटन के डाउन टाउन इलाके में अपने भ्रमण के दौरान नवनिर्वाचित अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस व मेयर मुरील बाउसर

वाशिंगटन के कोई कदम न उठाने के बाद अमेरिका में अन्य राज्य बढ़ रहे सहायता के लिए आगे

एपी। सांता फे (अमेरिका)

अमेरिका में कई गवर्नर एवं विधायक वाशिंगटन पर निष्क्रियता का आरोप लगाते हुए छोटे कारोबारियों, बेरोजगारों, किराए पर रहने वालों और उन लोगों को मदद पहुंचाने के प्रयास कर रहे हैं, जिनकी आजीविका कोरोना वायरस के कारण प्रभावित हुई है।

कुछ निर्वाचित पदाधिकारी साल की समाप्ति की समय सीमा निकट आने के मद्देनजर बसंत में पारित संघीय राहत पैकेज की अंतिम राशि खर्च कर रहे हैं। डेमोक्रेटिक नेता कोई कदम उठाने में नाकाम रहने को लेकर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रिपब्लिकन पार्टी के नियंत्रण वाले सीनेट की खुलकर आलोचना कर रहे हैं, लेकिन कुछ रिपब्लिकन नेता भी आपात स्थिति होने की बात कर रहे हैं।जॉन्स हॉप्किन्स यूनिवर्सिटी के अनुसार, शुक्रवार को अमेरिका में संक्रमण के एक दिन में सर्वाधिक 2,05,557 मामले आए। न्यू मैक्सिको और कोलाराडो के डेमोक्रेटिक गवर्नरों ने संक्रमण संबंधी आपात स्थिति से निपटने के लिए विधानसभा का विशेष सत्र बुलाया।

इस सप्ताह की शुरुआत में न्यू मैक्सिको विधानपालिका ने एक द्विदलीय राहत विधेयक पारित किया, जिसके तहत सभी बेरोजगार कर्मियों को।,200 डॉलर की एकमुश्त राशि और कुछ व्यवसायों को 50,000 डॉलर तक की राशि दी जाएगी। गवर्नर मिशेल लुजान ग्रिशम ने बताया कि राज्य ने उन निवासियों की मदद के लिए कदम उठाया, जिनके समक्ष खाने का सामान न होने और सिर पर छत न होने की समस्या है। उन्होंने कहा, जब अमेरिका जल रहा है, तब ट्रंप प्रशासन ने राज्यों को इस वायरस से अपने दम पर संघर्ष करने के लिए छोड़ दिया है। कोलोराडो में कारोबारों, रेस्तरां, बार, बाल देखभाल प्रदाताओं, भूमालिकों, किराएदारों, सरकारी स्कूलों एवं अन्य के लिए करीब 30 करोड़ डॉलर की राहत पर विचार करने के लिए सोमवार को एक विशेष सत्र बुलाया गया है।

न्यूजर्सी और वाशिंगटन राज्य में रिपब्लिकन भी विशेष सत्र बुलाने की मांग कर रहे हैं। मिनेसोटा सीनेट में बहुमत के नेता पॉल गाजेल्का ने एक बयान में कहा, सीनेट रिपब्लकिन हमारी अर्थव्यवस्था में सुधार के लिए प्रतिबद्ध हैं। राज्य सरकार के नेता चाहते हैं कि ट्रंप और कांग्रेस केयर्स कानून के तहत पहले से आवंटित राहत राशि खर्च करने की 30 दिसंबर की समय सीमा को आगे बढ़ाएं।ओहायो में सरकार की हर शाखा पर रिपब्लिकन नेताओं का नियंत्रण है। वहां गर्वनर माइक डीवाइन और नेताओं ने पिछले महीने के अंत में एक विशेष द्विदलीय पैनल के जरिए 42 करोड़ डॉलर के पैकेज को खर्च करने पर जोर दिया। इस राशि के जरिए छोटे कारोबारियों, बार, रेस्तरां, कम आय वाले किराएदारों, कलाकारों के समूहों और कॉलेज एवं विश्वविद्यालयों को राहत देने का प्रस्ताव रखा गया है।

नेतन्याहू के आवास के बाहर करीब 1,000 लोगों ने किया प्रदर्शन

एपी। यरूशलम

इजराइल में करीब 1,000 प्रदर्शनकारियों ने प्रधानमंत्री बेन्जामिन नेतन्याहू के इस्तीफे की मांग को लेकर शनिवार रात को उनके यरूशलम स्थित आवास के बाहर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी कई महीनों से प्रर्दशन कर रहे हैं। उनकी मांग है कि नेतन्याहू पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों और इजराइल में कोरोना वायरस से निपटने में नाकाम रहने के कारण उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए। देश में दो बार लगाए गए लॉकडाउन के बाद अर्थव्यवस्था चरमरा गई है और लाखों इजराइली बेरोजगार हो गए हैं। प्रदर्शनकारियों में कई ऐसे लोग हैं, जिनकी नौकरियां चली गई हैं। हालांकि छह माह से प्रदर्शन कर रहे इन लोगों की संख्या में सर्दी का मौसम आने के कारण कमी आई है, लेकिन वे अपनी मांग को लेकर मुखर हैं। सभी प्रदर्शनकारियों ने कोरोना वायरस संक्रमण से बचने के लिए मास्क पहन रखा था, लेकिन सामाजिक दूरी के नियम का सख्ती से पालन नहीं किया गया।

ट्रंप प्रचार अभियान के पूर्व सहयोगी ने रूस जांच निगरानी मामले में वाद दायर किया

एपी। वाशिंगटन

अमेरिका के निवर्तमान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पिछले चुनाव प्रचार अभियान के एक सहयोगी ने एक संघीय वाद में कहा है कि वह गैरकानूनी तरीके से जासूसी के शिकार हुए हैं। रूस के कथित रूप से दखल मामले में एफबीआई की जांच के दौरान वह गोपनीय निगरानी वारंट (आदेश) का शिकार हुए थे। कार्टर पेज की ओर से दायर वाद में एफबीआई और न्याय विभाग के अधिकारियों द्वारा 2016 और 2017 में विदेश खुफिया निगरानी अदालत को सौंपी गईं अर्जियों में की गई अनेक ऐसी गलतियों का आरोप लगाया गया है जो उन्होंने कार्टर पर रूस का एजेंट होने के संदेह में उनकी बात छिप कर सुनने के संबंध में लिखी थीं। वाद में कहा गया, रूस के साथ डॉ पेज के संबंध के बारे में चूंकि कोई भी तथ्य कभी प्रमाणित नहीं

● रूस के कथित रूप से दखल मामले में एफबीआई की जांच के दौरान वह गोपनीय निगरानी वारंट (आदेश) का शिकार हुए थे

किया जा सका, इसलिए उन्हें निशाना बनाने के लिए एफआईएसए वारंट की मांग या उसे हासिल करने की कभी कोई जरूरत ही नहीं थी। इस चुनिंदा तरीके से की गई निगरानी की मंजूरी देने में शामिल एफबीआई और न्याय विभाग के पूर्व अधिकारियों ने अपनी गवाही में कहा कि अगर उन्हें पता होता कि मुद्दे इस हद तक जाएंगे तो उन्होंने ऐसा नहीं किया होता, और एफबीआई ने अदालत में आवेदनों की सत्यता और पूर्णता के लिए 40 से भी अधिक सुधारात्मक कदम उठाए हैं।

अर्मेनियाई सेना द्वारा दागे गए राकेट से नष्ट हुए अपने मकान को देखते अरजेबेजानी नागरिक ताजेगुल

क्विक न्यूज

अफगानिस्तान में फिदाईन हमलों में 34 लोगों की मौत

काबुल। अफ़गानिस्तान में एक सैन्य अड्डे और एक प्रांतीय परिषद के प्रमुख को निशाना बना कर रविवार को किए गए दो अलग-अलग फिदाईन विस्फोट में कम से कम 34 लोगों की मौत हो गई।पूर्वी गज़नी प्रांत में अधिकारियों ने बताया कि हमलावार विस्फोटकों से भरी सैन्य गाड़ी को सैन्य कमांडो अड्डे पर ले गया और उसमें विस्फोट कर दिया। इसमें 31 सैनिकों की मौत हो गई जबकि 24 अन्य जख्मी हो गए। दक्षिणी अफ़गानिस्तान में अधिकारियों ने बताया कि जुबल में आत्मघाती हमलावर ने एक कार के जरिए प्रांतीय परिषद के प्रमुख के काफिले को निशाना बनाया। इस हमले में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और बच्चों समेत 12 अन्य जख्मी हो गए। प्रांतीय परिषद के प्रमुख रविवार को हुए हमले में बचे गए है और उन्हे मामूली चोटें आई है। इन हमलों की तत्काल किसी ने जिम्मेदारी नही ली है।

कोविड-19 के बढ़ते मामलों के बीच हांगकांग ने स्कूल बंद करने का निर्णय लिया

हांगकांग। हांगकांग मे रविवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 115 नए मामले सामने आए है। दो अगस्त के बाद पहली बार कोविड-19 के मामले यहां तीन अंकों मे सामने आए है। ऐसे मे सरकार ने संक्रमण के बढ़ते मामलों के बीच रविवार को बाकी बचे वर्ष के लिए प्राथमिक एवं माध्यमिक स्कूलों को बंद रखने की घोषणा की। स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि सामने आए 115 नए मामलों मे से 62 मामले शहर के विभिन्न डांस स्टूडियो के चलते फैले संक्रमण से संबंधित है। वही, शहर के तीन रेस्त्रां से संबंधित संक्रमण के कई मामले सामने आने के बाद इन सभी रेस्त्रां के कर्मचारियो और हाल ही मे यहां आने वाले आगंतुकों को अपनी जांच कराने का आदेश दिया गया है। हांगकांग में अब तक कोरोना वायरस संक्रमण के 6,239 मामले सामने आ चुके है और इनमें से 109 लोगों की मौत हो चुकी है।

चीन के रक्षा मंत्री सैन्य सहयोग बढ़ाने के लिए नेपाल पहुंचे

काठमांडू। चीन के रक्षा मंत्री जनरल वेई फेंगही रविवार को यहां पहुंचे। वह नेपाल के शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात करेंगे और साथ ही सैन्य सहयोग को बढ़ाने पर चर्चा करेंगे। सरकारी नेपाल टेलीविजन के अनुसार गृह मंत्री राम बहादुर थापा ने त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उनका स्वागत किया। चीन के रक्षा मंत्री ने संवाददाताओं से कहा कि उनकी इस यात्रा का मकसद उन द्विपक्षीय सहमतियो को लागू करना है, जो अतीत मे दोनो देशों की सरकारों के बीच बनी थी।वेई ने कहा कि उनकी यह यात्रा नेपाल और चीन के बीच द्विपक्षीय सैन्य सहयोग को बढ़ावा देगी और दोनो देशों के मौजूदा संबंधों को एक नई ऊंचाई पर ले जाएगी। गौरतलब है कि पिछले वर्ष अक्टूबर में चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग दो दिन की नेपाल यात्रा पर आए थे और उसके बाद यह पहली उच्च स्तरीय यात्रा है। नेपाल के विदेश मंत्रालय के अनुसार वेई काठमांडू में अपने संक्षिप्त प्रवास के दौरान राष्ट्रपति विद्या देवी भंडारी, प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री के पी शर्मा ओली से मुलाकात करेंगे। उनका नेपाल के सेना प्रमुख जनरल पूर्ण चंद्र थापा के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की बैठक करने का भी कार्यक्रम है। वेई 21 सदस्ईय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे है। वह रविवार शाम बीजिंग लौटेंगे।उनकी यह यात्रा भारत के विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला की नेपाल की दो दिवसीय यात्रा के बाद हो रही है। इससे पहले नवंबर के पहले सप्ताह मे भारत के सेना प्रमुख जनरल एम एम नरवणे ने नेपाल का तीन दिवसीय दौरा किया था। उनकी यात्रा का मकसद दोनो देशों के बीच सीमा विवाद के चलते संबंधो मे आई तल्खी को दूर कर द्विपक्षीय संबंधो को दोबारा पटरी पर लाना था।

लंदन में लॉकडाउन के विरोध में प्रदर्शन कर रहे 150 से अधिक लोग गिरफ्तार

लंदन। मध्य लंदन मे लॉकडाउन के विरोध में हो रहे प्रदर्शन के दौरान पुलिसकर्मियों ने 155 लोगो को गिरफ्तार किया है। कोविड-19 महामारी के बीच लोगों को एकत्र होने से रोकने के लिए यह कदम उठाया गया है। मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने कहा है कि गिरफ्तार किए गए लोगों पर कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने संबंधी नियमो का उल्लंघन करने, एक पुलिस अधिकारी से मारपीट करने तथा मादक पदार्थ रखने जैसे आरोप है।कोविड-19 के मद्देनजर घर पर रहने जैसे नियमों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे समूह सेव अवर राइट्स यूके ने कहा कि शनिवार को उसकी ओर से लॉकडाउन के विरोध मे प्रदर्शन किया गया। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने 31 अक्टूबर को इंग्लैंड में दूसरे लॉकडाउन की घोषणा की थी जो पांच नवंबर से शुरू हुआ तथा दो दिसंबर तक प्रभावी रहेगा।

दुनिया का सबसे छोटा एटम मेमोरी यूनिट बनाया गया

ह्यूस्टन। अनुसंधानकर्ताओं ने डाटासूचना को संग्रहित करने के लिए दुनिया का सबसे छोटा उपकरण बनाया है जिससे उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स और ब्रेन इंस्पायर्ड कंप्यूटिंग के लिए तेज, छोटे और अधिक ऊर्जा किफायती इलेक्ट्रॉनिक चिप बनाए जा सकेंगे। ब्रेन इंस्पायर्ड कंप्यूटिंग मस्तिष्क की पूरी तरह नकल करने की जगह मस्तिष्क के तंत्र पर आधारित गणना का मॉडल या तरीका होता है।अमेरिका के ऑस्टिन स्थित टेक्सास यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने इस छोटे से उपकरण में अधिक डाटा सुरक्षित करने के भौतिक सिद्धांत का भी पता लगा लेने का दावा किया है।

भारतीय सीमा के पास चीन की निर्माण गतिविधियां उकसावे से भरा कदमः मूर्ति

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका के एक प्रभावशाली सांसद ने लद्दाख में भारतीय सीमा के पास चीन की जारी निर्माण गतिविधियों संबंधी खबरों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यदि ए खबरें सही हैं, तो यह चीन की ओर से उकसाने वाला कदम है और यह दक्षिण चीन सागर में जारी बीजिंग की गतिविधियों जैसा ही है। पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के पास भारत और चीन के बीच मई से सैन्य गतिरोध की स्थिति बनी हुई है।दोनों देशों की सेनाओं ने एलएसी के पास बड़ी संख्या में सैन्य बलों को तैनात किया है। इस गतिरोध को सुलझाने के लिए दोनों पक्षों ने कई दौर की वार्ता की है, लेकिन इनका कोई ठोस परिणाम नहीं निकला है।डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसद राजा कृष्णमूर्ति ने पीटीआई से कहा, यदि यह (खबरें) सही है, तो यह चीनी सेना का जमीनी तथ्यों को बदलने के लिए उकसाने वाला एक और कदम होगा। अमेरिकी सदन की खुफिया मामलों की स्थाई प्रवर समिति के अब तक के पहले भारतीय-अमेरिकी सदस्य कृष्णमूर्ति ने कहा कि यह दक्षिण चीन सागर में उसके (चीन के) व्यवहार की तरह है, जहां वह द्वीप बना रहा है और

● अमेरिकी सांसद कृष्णमूर्ति ने कहा, हम डेमोक्रेटिक एवं रिपब्लिकन राष्ट्रपतियों के अपनाए इस रुख को बरकरार रखेंगे कि हम क्षेत्र में भारत के साथ खड़े है और चीन समेत किसी भी पड़ोसी द्वारा होने वाली हर प्रकार की सैन्य कार्रवाई के खिलाफ है

जहां वह तथ्यों को बदलने की कोशिश कर रहा है।उन्होंने कहा कि चीन की निर्माण गतिविधियों की सूचना देने वाले स्रोतों में उपग्रह से ली गई तस्वीरें भी शामिल हैं।लगातार तीसरी बार प्रतिनिधि सभा में हाल में पुनः चुने गए कृष्णमूर्ति ने कहा कि अमेरिका भारत के साथ खड़ा है।उन्होंने कहा, मुझे यह कहना होगा कि अमेरिकी संसद और ट्रंप प्रशासन एवं आगामी बाइडन प्रशासन हिंद प्रशांत क्षेत्र में हमारे भारतीय साझेदारों के साथ खड़े हैं। कांग्रेस के सांसद ने कहा कि भारत, जापान, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका का मालाबार अभ्यास इस बात का संकेत है कि हिंद प्रशांत क्षेत्र में लोकतांत्रिक देश एक-दूसरे के साथ खड़े रहेंगे और नियम आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था का समर्थन करेंगे।कृष्णमूर्ति ने एक प्रश्न के उत्तर में कहा कि अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति जो बाइडन भारत के पुराने मित्र हैं और वह भारतीय मूल की निर्वाचित उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के साथ मिलकर भारत के लिए खड़े रहेंगे।उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि कमला हैरिस की भारतीय जड़ों के मद्देनजर इन संबंधों को और मजबूत बनाने का आधार बनता है। निर्वाचित विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन भी भारत के पुराने मित्र हैं। वह क्षेत्र को बहुत अच्छी तरह जानते हैं। मुझे भरोसा है कि ब्लिंकन राष्ट्रपति बाइडन और उपराष्ट्रपति हैरिस के साथ मिलकर संबंधों को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे।

कृष्णमूर्ति ने कहा, हम डेमोक्रेटिक एवं रिपब्लिकन राष्ट्रपतियों के अपनाए इस रुख को बरकरार रखेंगे कि हम क्षेत्र में भारत के साथ खड़े हैं और चीन समेत किसी भी पड़ोसी द्वारा होने वाली हर प्रकार की सैन्य कार्वाई के खिलाफ हैं। उन्होंने कहा कि कोविड-19 से निपटना भारत और अमेरिका के लिए पहली प्राथमिकता होना चाहिए।

यदि वैज्ञानिक की हत्या में इजराइल का हाथ है, तो हाइफा पर हमला कर देना चाहिए

एपी। तेहरान

ईरान के एक कट्टरपंथी समाचार पत्र में रविवार को प्रकाशित लेख में सुझाव दिया गया है कि यदि ईरान के बंद हो चुके सैन्य परमाणु कार्यक्रम से जुड़े एक वैज्ञानिक की हत्या इजराइल ने की है, तो ईरान को इजराइली बंदरगाह शहर हाइफा पर हमला कर देना चाहिए। काहयान समाचार पत्र ईरान को निशाना बनाकर किए गए अभियानों का आक्रामक जवाब देने को लेकर लंबे समय से तर्क देता रहा है, लेकिन रविवार को प्रकाशित लेख में कहा गया कि ऐसा हमला किया जाए, जिससे न केवल उसके सुविधा केंद्र नष्ट हों, बल्कि बड़ी संख्या में लोग भी मारे जाएं। पिछले एक दशक में हुई ईरानी परमाणु वैज्ञानिकों की हत्या को लेकर शक की सुई इजराइल की ओर है। उसने मोहसिन फखरीजादा की शुक्रवार को हुई हत्या के बारे में कोई टिप्पणी नहीं की है।ईरानी अधिकारियों ने हमले के लिए इजराइल को दोषी ठहराया है, जिसके बाद क्षेत्र में तनाव और बढ़ गया है।ईरानी विश्लेषक

● इससे पहले लेबनानी आतंकवादी संगठन हिजबुल्ला भी हाइफा पर हमला करने की बात कर चुका है

सादुल्ला जारेई द्वारा लिखे लेख में तर्क दिया गया है कि सीरिया में रेवॉल्यूशनरी गार्ड बलों पर संदिग्ध इजराइली हमलों के बाद ईरान की पहले की प्रक्रियाएं इजराइल को रोकने में नाकाम रही हैं। जारेई ने लिखा, हाइफा पर हमला और बड़ी संख्या में लोगों को मारना इजराइल को रोकेगा, क्योंकि अमेरिका और इजराइल सरकार एवं उसके एजेंट किसी युद्ध या सैन्य टकराव का हिस्सा बनने के लिए किसी भी तरह तैयार नहीं हैं। उन्होंने कहा कि हाइफा पर हमला इराक में अमेरिकी बलों पर हुए ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल हमले से भी बड़ा होना चाहिए। इससे पहले लेबनानी आतंकवादी संगठन हिजबुल्ला भी हाइफा पर हमला करने की बात कर चुका है।

अंकित श्यामसुख का कहना है कि मौजूदा महामारी का सकारात्मक पक्ष यह है कि इसने बैंकिंग, वित्तीय सेवाओं व बीमा क्षेत्र को अपनी उस पद्धति में बदलाव लाने के अपार अवसर दिये हैं जिसमें कि यह आज काम करती है...

प्रगति को दें गति

2018 की महामंदी के बाद, भारतीय बैंकिंग उद्योग ने कोविड -19 संक्रमण से पहले के कुछ महीनों तक अप्रत्याशित प्रगति देखी थी। जैसा कि समूची अर्थव्यवस्था ठहराव की स्थिति में आ गयी है, एक डराने वाली मंदी ने अब समूचे परिदृश्य को बदतर बना दिया है। हालांकि, इस संकट का एक सकारात्मक पक्ष यह भी है कि इस अप्रत्याशित दौर ने इसने बैंकिंग, वित्तीय सेवाओं व बीमा क्षेत्र (बीएफएसआई) को अपनी पद्धति में बुनियादी बदलाव लाने के अपार अवसर दिये हैं जिसमें कि यह आज काम करती है।

दौर खुद बीएफएसआई क्षेत्र के खिलाड़ियों के लिए अपना परिष्कार करने तथा नए बिजनेस मॉडल को जांचने के, जो कि ज्यादा डिजीटल संचालित हैं, अत्यंत उपयुक्त है। उन्नत तकनीकों की सहायता तथा अपने मौजूदा प्रस्तावों को डिजीटलीकृत करके, वे अपनी सदियों पुरानी प्रक्रियाओं को अधिक नयी, ज्यादा अनुकूल कार्यप्रवाहों में रूपांतरित कर सकते हैं। आधारभूत सेक्टर मानते हुए जो देश की प्रगति को और तेज कर सकता है, बीएफएसआई में श्रमशक्ति की आवश्यकता ने भी उस प्रगति को तेज कर दिया है।

राष्ट्रीय कौशल विकास कार्पोरेशन ने बताया है कि साल 2008 व 2022 के बीच प्रस्तावित मानव संसाधन आवश्यकता अनुमानतया 4.2 मिलियन पर पहुंच जाने की संभावना है। अब, आइए बीएफएसआई इंडस्ट्री के विभिन्न पहलुओं, इसकी करियर संभावनाओं तथा आवश्यक योग्यताओं का पता लगाते हैं जो निहित रोजगार भूमिकाओं के लिए योग्यता शर्तों की पूर्ति के लिए आवश्यक हैं।

बीमा अधिकारी

एक बीमा एजेंट बीमा बेचने के लिए संभावित ग्राहकों के साथ संबंध विकसित करता है। बीमा एजेंट विभिन्न प्रकार के बीमे तथा ग्राहकों के कवरेज के बारे में बताते और समझाते हैं प्रस्ताव देते हैं कि किस पालिसी को चुना जाए। बीमा एजेंट आटो, गृह, जीवन, या स्वास्थ्य बीमा कवरेज समेत विभिन्न क्षेत्रों में काम कर सकते हैं।

पर्सनल बैंकर

पर्सनल बैंकर्स खुदरा बैंकिंग शाखाओं में काम करते हैं और विभिन्न बैंकिंग या वित्तीय आवश्यकताओं के साथ ग्राहकों की सहायता करते हैं। ऐसी आवश्यकताओं में शुरूआत जांच या वित्तीय आवश्यकताएं, गिरवी हासिल करना व आटो कर्ज तथा बैंकिंग उत्पादों में निवेश - डिपाजिट मनी मार्केट के सर्टीफिकेट्स एवं अन्य व्यवसायिक बैंकिंग उत्पाद आदि शामिल हो सकते हैं। वे रिटायरमेंट योजना के साथ ग्राहकों की सहायता कर सकते हैं। हालांकि निवेश बैंकर्स अधिकांशतय संस्थानिक निवेशकों के साथ काम करते हैं, मगर पर्सनल बैंकर्स प्रमुखतया रोजमर्रा लोगों के साथ काम करते हैं।

> **यह दौर खुद बीएफएसआई क्षेत्र के खिलाड़ियों के लिए अपना परिष्कार करने तथा नए बिजनेस मॉडल को जांचने के लिए अत्यंत उपयुक्त है। उन्नत तकनीकों की सहायता तथा अपने मौजूदा प्रस्तावों को डिजीटलीकृत करके, वे अपनी सदियों पुरानी प्रक्रियाओं को अधिक नयी, ज्यादा अनुकूल कार्यप्रवाहों में रूपांतरित कर सकते हैं।**

फाइनांस एनालिस्ट

न सिर्फ तकनीक के संदर्भ में, हम ऐसी दुनिया की ओर बढ़ रहे हैं जहां वित्तीय सेवाएं प्रकाश की गति से उन्नत हो रही हैं। यहां, वित्तीय एनालिस्टों की मांग तेजी से बढ़ेगी, जो वित्तीय इंडस्ट्र में सबसे ज्यादा मांग वाली नौकरियों में से एक बनने जा रही है। इसके अंतर्गत शामिल होने वाले रोजगार होंगे, सूक्ष्म आर्थिक तथा सूक्ष्म आर्थिक परिदृश्यों पर शोधकार्य, कंपनी की बुनियादी जानकारियों के साथ वित्तीय जानकारी एकत्रित करना, बहुआयामी प्रगति योजनाएं गढ़ना। यहां दुनिया की आर्थिक विविधताओं में दक्षता तथा विश्लेषणात्मक समझदारी के गुणों की आवश्यकता है।

स्टॉक ब्रोकर्स या शेयर दलाल

वे दलाली कंपनियों के साथ जुड़े पंजीकृत विशेषज्ञ हैं या स्वतंत्र दलाल हैं। स्वतंत्र दलाल स्टॉक खरीदने व बेचने तथा संस्थानिक संरक्षकों समेत रीटेल की अन्य समान सुरक्षाओं के लिए जिम्मेदार होते हैं। रोजगार आम तौर पर तयशुदा फीस या कमीशन के आदान प्रदान में चलता है।

वेतन भत्ते

इंडस्ट्री में नवागंतुकों के लिए वेतन पैकेज 10000 से 12000 प्रति माह होने की संभावना है। अनुभवी पेशेवर अनेक इनसेंटिव्स भी कमा सकता है, मसलन बिक्री में सात - तीस प्रतिशत हिस्सा, जो प्राप्त लक्ष्य के स्तर पर निर्भर करता है।

आवश्यक योग्यताएं

सर्वाधिक अपेक्षित विशिष्ट योग्यताएं सेल्स, स्टॉक मार्केट जानकारी, गणितीय समझदारी, म्युचुअल फंड जानकारी, व बैंकिंग कामकाज की जानकारी में दक्षता प्राप्त होना है। अन्य व्यवहारिक योग्यताएं मसलन अच्छी संवाद योग्यताएं व आत्मविश्वास भी आपके बायोडाटा की महत्ता बढ़ा सकते हैं।

- लेखक आईसीए एडू स्किल्स के सीईओ हैं।

शिक्षकों के लिए अपना स्तर उन्नत करने का समय

छात्रों से योग्यताओं की मांग में बदलाव लगातार प्रतिस्पर्धाओं के लिए गहन निहितार्थों की मांग करते हैं जिनमें शिक्षकों से अपेक्षा होती है कि वे अपने छात्रों को ये योग्यताएं असरकारी ढंग से सिखाएं। हम ऐसे दौर में नहीं रह रहे हैं जब एक तयशुदा विषय सामग्री को पढ़ाना शिक्षा के केन्द्र में था। आज, नौकरियां बदल रही हैं और इसलिए शिक्षकों के प्रति अपेक्षाएं बदल रही हैं। शिक्षकों से विविधतापूर्ण शिक्षणशास्त्रीय गतिविधियों के अनुपालन की अपेक्षा की जाती है। शिक्षा दृष्टिकोण केन्द्रित केरीकुलम के विपरीत आज फोकस विद्यार्थी पर है।

Rishabh Khanna
Cognitive scientist & founder of Suraasa

पारंपरिक शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम व कोर्स वर्क 21वीं सदी के लिए शिक्षकों को तैयार करने में विफल हुए हैं। कोई विकल्प न रहने से, हमारे शिक्षक मौजूदा अध्यापन पद्धति पर निर्भर हैं। योग्यताओं की अनुपस्थिति या शिक्षा व शिक्षक रोजगार प्रोफाइल की मांगों के बीच की खाई निरंतर एक बड़ी बाधा बनती है जिसका कि शिक्षक अपने करियर में सामना करता है। यही प्रमुख कारण है कि क्यों शिक्षण अंतिम करियर विकल्प बन गया है। अनुपलब्ध होने से लेकर अपर्याप्त व पुराना होने तक, टीचर शिक्षा निरंतर अकादमिकों व करिकुलम विशेषज्ञों के बीच बहस का लोकप्रिय विषय बनती है।

यदि शिक्षक ऊंचे वेतन वाली नौकरियां पाना, करियर अवसर तलाशना तथा अंतर्राष्ट्रीय योग्यताएं व प्रमाणन पाना चाहते हैं तो उनके लिए अपनी योग्यता का स्तरोन्नयन करना अनिवार्य है।

छात्रों से योग्यताओं की मांग में बदलाव लगातार प्रतिस्पर्धाओं के लिए गहन निहितार्थों की मांग करते हैं जिनमें शिक्षकों से अपेक्षा होती है कि वे अपने छात्रों को ये योग्यताएं असरकारी ढंग से सिखाएं। हम ऐसे दौर में नहीं रह रहे हैं जब एक तयशुदा विषय सामग्री को पढ़ाना शिक्षा के केन्द्र में था। आज, नौकरियां बदल रही हैं और इसलिए शिक्षकों के प्रति अपेक्षाएं बदल रही हैं। शिक्षकों से विविधतापूर्ण शिक्षणशास्त्रीय गतिविधियों के अनुपालन की अपेक्षा की जाती है। शिक्षा दृष्टिकोण केन्द्रित केरीकुलम के विपरीत आज फोकस विद्यार्थी पर है।

हम कह सकते हैं कि आज पढ़ाई जाने वाली शिक्षा की पद्धति शिक्षकों से अपनी पेशेवर जानकारी व योग्यताएं निरंतर उन्नत करते रहने की मांग करती है। शिक्षकों को चाहिए कि वे विभिन्न क्षेत्रों में होने वाले बदलावों की अद्यतन जानकारी, मांग अनुरूप योग्यताएं, भविष्य के काम एवं छात्रों के संभावित करियर की जानकारी रखें। उनसे अपेक्षा है कि वे नवोन्मेषन के एजेंट बनें क्योंकि उन्नत गुणवत्ता व व क्षमता के जरिए, नवोन्मेषन प्रगति के नए स्रोत पैदा करने में अत्यंत महत्वपूर्ण है।

सर्वाधिक असरकारी बनने के लिए, शिक्षण परिवेष को सुनिश्चित करना चाहिए कि शिक्षण सामाजिक एवं अक्सर साझीदारीपूर्ण हो, छात्र प्रोत्साहनों के अत्यंत अनुरूप हो, शिक्षण को केन्द्रीय बनाता हो व भागीदारी को प्रोत्साहन देता हो, वैयक्तिक विशिष्टताओं के प्रति अत्यंत संवेदनशील हो, तथा स्कूल के अंदर व बाहर दोनों, गतिविधियों व विषयों के बीच के संबंधों को प्रोत्साहित करता हो।

21वीं सदी के अध्यापक से अपेक्षा की जाती है वो लगनशील हो, उन्नतशील हो, नैतिक हो, मूल्यवान पेशेवर हो, ऊंचे मानदंडों वाला हो, जिज्ञासु स्वभाव वाला हो, सीखना चाहता हो व ढलने वाला तथा व्यवहारिक हो। उनमें जन प्रबंधन योग्यताएं, मददगार योग्यताएं, तकनीकी योग्यताएं, शिक्षणशास्त्रीय योग्यताएं, मंथन योग्यता एवं चिंतनशीलता, संप्रेषण योग्यताएं, नवोन्मेषन योग्यताएं एवं सामाजिक एवं भावनात्मक समझदारी होनी चाहिए।

आनलाइन शिक्षण पहले से उभार पर है भले ही हम महामारी असर पर ध्यान नहीं देते हैं और इसके अधिक छात्रों के बीच लोकप्रिय होने की संभावना है। महामारी ने आचरणगत बदलाव लाए हैं। शिक्षकों का स्तरोन्नयन अत्यंत महत्वपूर्ण है जिससे कि आनलाइन शिक्षण तरीकों के संदर्भ में उत्तम क्रियाओं पर उन्हें मार्गदर्शन मिल सके।

शिक्षक स्तरोन्नयन का मसला जटिल और बहुआयामी दोनों है। अध्यापन को सुधारने की मुख्य आधारशिला है - शिक्षण व उसके परिप्रेक्ष्यों में नए बदलावों की गहन जानकारी होना। बाल शिक्षण ने किस प्रकार बीते सालों में जबरदस्त बदलाव लाया है, हालांकि, इसका शिक्षण कार्य पर गहरा असर नहीं पड़ा है क्योंकि अधिकांश शिक्षक अभी भी स्थापित मान्यताओं के जरिए नए विचारों की व्याख्या करते हैं।

स्कॉलरशिप

द युनिवर्सिटी आफ शेफील्ड दो मेधावी छात्रों के लिए 4000 पौंड की ट्यूशन फीस की धनराशि वाली दो इंटरनेशनल एलएलएम स्कालरशिप्स का प्रस्ताव दे रही है।

योग्यता: फीस के संदर्भों से आपको एक विदेशी छात्र होना चाहिए, आपके पास पूर्णकालिक एलएलएम (शेफील्ड एलएलएम, एलएलएम कार्पोरेट एवं कामर्शियल लॉ एवं एलएलएम इंटरनेशनल लॉ एवं ग्लोबल जस्टिस पाथवेज समेत) की पढ़ाई करने का हमारे द्वारा भेजा गया अकादमिक प्रस्ताव होना चाहिए, आपके पास आवेदन नंबर होना चाहिए।

स्कालरशिप आवेदनों पर प्रवेश के आपके आवेदन के साथ जोड़कर विचार किया जाएगा।

सफल आवेदकों को जुलाई 2021 के अंत से पहले सूचित किया जाएगा।

आवेदन कैसे करें: आपको इंटरनेशनल एलएलएम स्कालरशिप आवेदन फार्म भरना होगा, इसमें 2000 शब्द का निबंध शामिल होगा। निबंध - विषय, ' लॉ अलोन केन नॉट एड्रेस ऑल सोशल प्राब्लेम्स ' पर चर्चा करें।

आवेदन की अंतिम तिथि: आवेदन की अंतिम तिथि 11 जून, 2021 है।

द युनिवर्सिटी आफ सस्काचेवन अपने अकादमिक सत्र 2021-2022 के लिए इंटरनेशनल बाक्यूलॉरिएट (आईबी) एक्सीलेंस अवार्ड्स के लिए आवेदन आमंत्रित करती है।

अवार्ड : सभी चयनित छात्रों को 20000 डॉलर की स्कालरशिप धनराशि प्रदान की जाएगी।

योग्यता: युनिवर्सिटी द्वारा प्रस्तावित सभी विषयों में अंडरग्रेजुएट डिग्री। आवेदकों को निम्न मापदंडों को पूरा करना होगा: पूर्ण आईबी डिप्लोमा पूरा करके युनिवर्सिटी आफसस्काचेवन में किसी भी डायरेक्ट-इंट्री कालेज में प्रवेश करने वाले अंतर्राष्ट्रीय छात्र (अंतरात्मक ट्यूशन का भुगतान करने वाले गैरकनाडाई नागरिक) आईबी एक्सीलेंस अवार्ड के लिए विचार किए जाएंगे।

ग्रहणकर्ता गारंटीड इंट्रेंस स्कालरशिप के अलावा इंटरनेशनल बाकालारिएट एक्सीलेंस अवार्ड प्राप्त करने के योग्य हैं।

भारतीय छात्र आवेदन कर सकते हैं।

छात्रों को निम्न अनिवार्य सहयोगी दस्तावेज भी जमा करने होंगे - अकादमिक पांडुलिपि, पासपोर्ट की छायाप्रति।

प्रवेश शर्तें: प्रवेश लेने के लिए, आवेदक युनिवर्सिटी की सभी प्रवेश शर्तों को जांच लें।

अंग्रेजी भाषा शर्तें: यदि अंग्रेजी आपकी प्रथम भाषा नहीं है तो आपको प्रदर्शित करना होगा कि अंग्रेजी भाषा योग्यताएं पर्याप्त उन्नत स्तर की हैं ताकि आप अपनी पढ़ाई में कामयाबी पा सकें।

आवेदन कैसे करें: अंडरग्रेजुएट एडमिशन के लिए आनलाइन आवेदन करके, छात्र स्कालरशिप हेतु विचारयोग्य मान लिए जाएंगे।

आवेदन की अंतिम तिथि: 15 फरवरी, 2021।

वैश्विक सोच वाले पेशेवरों के लिए बढ़ेंगे अवसर

क्रमश: जुड़ती जा रही दुनिया में, विश्व स्तरीय संगठन वैश्विक सोच वाले पेशेवरों की नयी नस्ल की तलाश रहे हैं। 21वीं सदी के नेतृत्व को ऐसे मैनेजर चाहिए जो चीजों को भिन्न ढंग से देख सकें और वैश्विक परिप्रेक्ष्य में सही फैसले ले सकें। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर असरकारी ढंग से काम करने के लिए वैश्विक समझदारी व अंतर-सांस्कृतिक योग्यता समेत नए किस्म की योग्यताओं की आवश्यकता होती है। ये दोनों योग्यताएं मिलकर संस्कृतियों तथा वैश्विक स्तर पर व्यापार के लिए इनका क्या अर्थ होता है, में भिन्नताओं व समानताओं की प्रशंसा करने की योग्यता वाले मैनेजर तैयार करती हैं।

वे दिन बीत गए जब एक सफल नेता या मैनेजर अच्छी विश्लेषणात्मक व संप्रेषणीय योग्यताओं के बल पर अपने करियर में बहुत सफलता पा सकता था। आज की वैश्विक दुनिया में, हालांकि संप्रेषण एवं विश्लेषणात्मक योग्यताएं महत्वपूर्ण है मगर इसमें कहीं अधिक महत्वपूर्ण बुद्धिमानी है जो आगे बढ़ने के लिए अत्यावश्यक है।

विश्व आर्थिक मंच की एक हालिया रिपोर्ट निम्न की कोविड उपरांत दौर में आवश्यकता के बतौर पहचान करती है । इनमें परिप्रेक्ष्यगत समझदारी, नैतिकता एवं नैतिक समझदारी, भावनात्मक एवं सामाजिक बुद्धि, डिजीटल बुद्धि, सृजक/नवोन्मेषी बुद्धि एवं रूपांतरणकारी बुद्धि शामिल है। इनमें से प्रत्येक को निरंतर दुनिया भर में हो रही घटनाओं की जानकारी के जरिए उन्नत किए जाने की आवश्यकता है।

मैनेजरों व नेताओं को लगातार उन चीजों के बारे में जानने की जरूरत है जो इन जटिल प्रतिस्पर्धाओं की पृष्ठभूमि में दुनिया में घटती हैं। इससे उन्हें प्राथमिकता चुनने तथा प्रासंगिक फैसले लेने में सहायता होगी। उन्हें सांस्कृतिक बारीकियों व भावों को जानने की भी आवश्यकता है ताकि वे सफ्लतापूर्वक वैश्विक परिप्रेक्ष्य में व्यापार कर सकें।

हार्वर्ड युनिवर्सिटी द्वारा किए गए हालिया शोध ने 21वीं सदी मैनेजर के लिए प्रमुख नेतृत्व योग्यता के रूप में वैश्विक समझदारी की पहचान की। इसे कार्नेल युनिवर्सिटी में किए गए एक अन्य अध्ययन द्वारा वैधता प्रदान की गयी है, जहां लोगों के तीन समूहों को

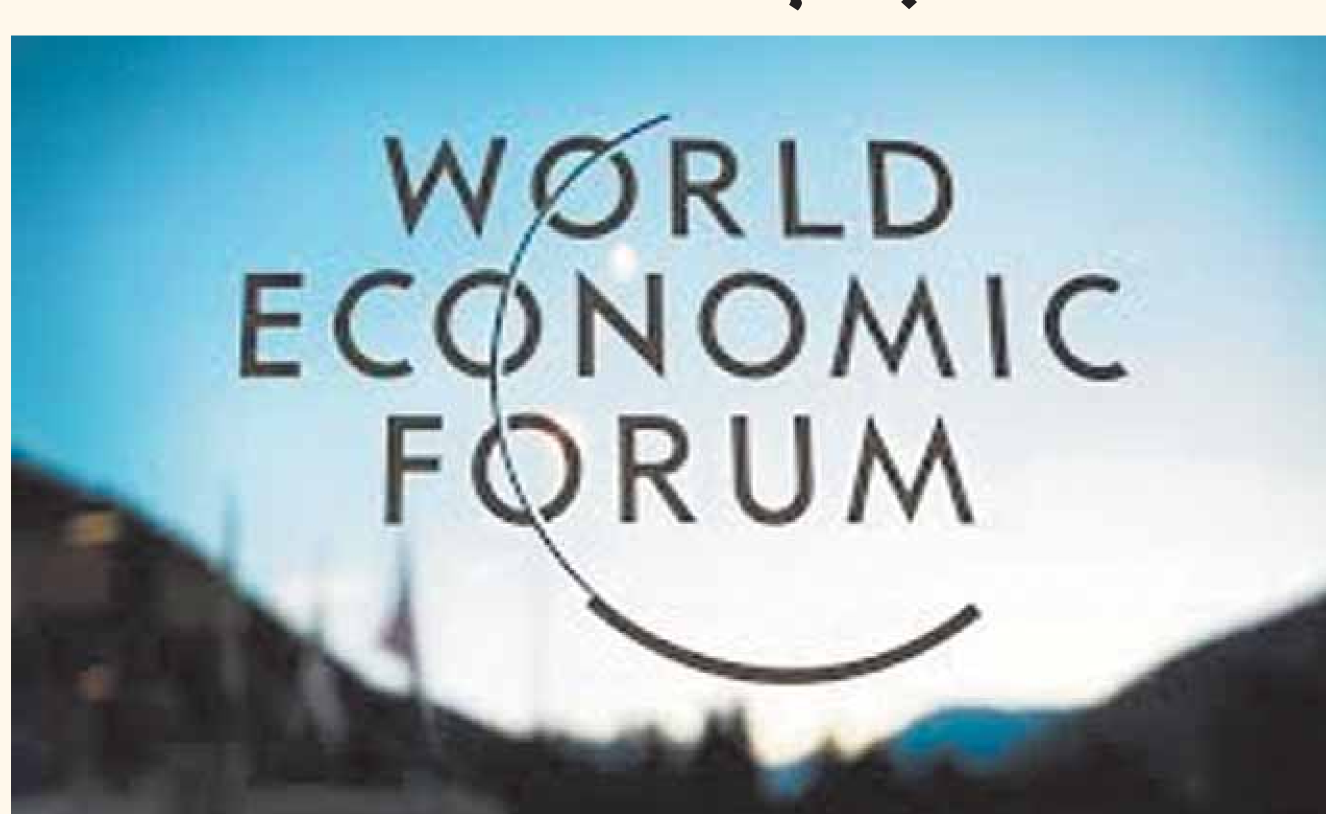

प्रसिद्ध डंकर कैंडल प्रोब्लम दी गयी। एक समूह में ऐसे लोग थे जिनका एक देश का अनुभव और जानकारी थी, दूसरे समूह को दो देशों की जानकारी थी तथा तीसरे समूह को अनेक देशों का तर्जुबा था। परिणाम चौंकाने वाले थे, जिस समूह के पास बहुदेशीय जानकारी थी उसने अन्य दो समूहों की तुलना में संज्ञेय समस्या सुलझाने में कहीं अधिक स्तर पर सफलता पाई।

दुनिया भर के कार्पोरेशन बहुप्रतिभाशाली, बहुआयामी व्यक्तियों की तलाश कर रहे हैं जो युवा जगत में चुनौतीपूर्ण समस्याएं सुलझाने के लिए, उपरोक्त की तरह, विविध क्षमताओं वाले होते हैं, जिनका प्रतिनिधित्व परिवर्तनशीलता, अनिश्चितता, जटिलता और संदिग्धता करते हैं। वैश्विक जागरूकता के साथ ये क्षमताएं समय की आवश्यकता बन गयी हैं व भविष्योन्मुखी बिजनेस स्कूलों ने सचेतन रूप से अंतर्राष्ट्रिय अनुभवों को कैरीकुलम के हिस्सा बना लिया है।

माइंड इट

यह सिर्फ विभिन्न स्थानों को घूमना मात्र नहीं है। यह एक जबरदस्त अनुभव से कहीं परे जाता है जो इन विभिन्न देशों की राजनीति, अर्थशास्त्र, व्यापार एवं संस्कृति के आयामों की थाह हासिल करता है। ऐसे तजुर्बे से होकर गुजरने वाले भागीदार जागरूक होते हैं और वैश्विक चुनौतियों के लिए ज्यादा खुले होते हैं और धीरे धीरे वैश्विक रूप से प्रासंगिक पेशेवरों में बदल जाते हैं। अपने करियरों में तेजी से आगे बढ़कर, जब उनका जटिल होती वैश्विक चुनौतियों से वास्ता पड़ता है तो विविधतापूर्ण वैश्विक वातारणों में अनोखे अनुभव उनकी संज्ञानात्मक योग्यताओं को उन्नत बनाते हैं और विविधतापूर्ण परिप्रेक्ष्यों के बिन्दुओं को जोड़ने में उनकी सहायता करते हैं। वैश्विक पंछी की दृष्टि से समस्याओं को देखने की यह अनोखी योग्यता भविष्य के सफल मैनेजर के लिए गेमचेंजर बन सकती है।

- लेखक प्रोफेसर क्रिष्टोफर अब्राहम, दुबई कैम्पस, एसपीजैन स्कूल आफग्लोबल मैनेजमेंट के सीईओ एवं हेड हैं।